

गोलीबारी के बाद टाइगर श्रॉफ की टीम ने दी बड़ी चेतावनी, हमले के बाद सामने आया पहला आधिकारिक बयान

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 20

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 292 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 21 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 11 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

यूसुफ पठान को 20 करोड़ की जमीन 5.5 करोड़ में

गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात सरकार ने सांसद यूसुफ पठान को वडोदरा में 978 वर्ग मीटर का प्लॉट देने की मंजूरी दे दी है। इसकी कुल कीमत 20.53 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसमें 500 वर्ग मीटर जमीन फ्री दी जाएगी, जिसकी कीमत 10.50 करोड़ रुपए है। वहीं, बाकी 478 वर्ग मीटर जमीन के लिए तय कीमत का 55 फीसदी यानी करीब 5.52 करोड़ रुपए देने होंगे। इस



संबंध में नगर निगम को जरूरी आदेश जारी कर दिए गए हैं। नगर निगम आयुक्त ने प्लॉट आवंटन का प्रस्ताव मंजूरी के लिए स्थायी समिति के सामने रखा है। हालांकि, प्लॉट के मालिकाना हक लेने के लिए अभी अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। इस जमीन को लेकर गुजरात सरकार और यूसुफ पठान के बीच 14 साल से विवाद था। यूसुफ पठान ने 14 जून को तृणमूल कांग्रेस छोड़कर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हो गए थे। उनके साथ टीएमसी के 19 अन्य सांसदों के भी पार्टी छोड़ने का दावा किया गया था।

यूसुफ ने 2012 में जमीन मांगी थी- यूसुफ पठान का घर वडोदरा के तांदलजा इलाके में है। उनके घर के पास शुभम पार्टी प्लॉट के नजदीक 978 वर्ग मीटर जमीन है। साल 2012 में पठान ने यह जमीन मांगी थी। नगर निगम ने प्रस्ताव मंजूर किया, लेकिन राज्य सरकार ने इसे खारिज कर दिया। इसके बाद जमीन पर बाउंड्री वॉल और पशुओं के लिए शेड बनाया गया। नगर निगम का नोटिस मिलने पर पठान हाईकोर्ट गए थे।

तीन दिन की भारत यात्रा के लिए मुंबई पहुंचे मार्को रूबियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो तीन दिवसीय भारत यात्रा के लिए मुंबई पहुंच गए हैं, जहां वे मुंबई में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जिसमें दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और अमेरिका लंबे समय से लंबित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। अपने दौरे के दौरान रुबियो आतंकवाद के पीड़ितों को श्रद्धांजलि



देने के अलावा गुजरात के जामनगर स्थित ऊर्जा केंद्र का भी दौरा करेंगे। वार्ता में व्यापार समझौते को गति देने के साथ-साथ वैश्विक ऊर्जा जरूरतों और रूसी तेल आयात जैसे संवेदनशील विषयों पर भी चर्चा होने की संभावना है। रुबियो के शाम को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित फ्रीडम 250 रिसेप्शन में शामिल होने का भी कार्यक्रम है। बुधवार को वे गुजरात के जामनगर जाएंगे, जो एक महत्वपूर्ण ऊर्जा केंद्र है।

गेटवे ऑफ इंडिया का किया दौरा

उनके आगमन पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और रुबियो की पत्नी, जेनेट डौसडेबेस रुबियो भी मौजूद थीं। रुबियो और गोर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें-अनिल रायल

धू-धू कर जले रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले; जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा एसडी गर्ल्स इंटर कॉलेज का मैदान

मुजफ्फरनगर। बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक विजयदशमी का पर्व गांधी कॉलोनी में बड़े ही उत्साह, उमंग और श्रद्धा के साथ मनाया गया। गांधी कॉलोनी स्थित एसडी गर्ल्स इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित दशहरा कार्यक्रम में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मीडिया सेंटर के अध्यक्ष एवं दैनिक रॉयल बुलेटिन के प्रधान संपादक अनिल रायल ने विधिवत पूजन कर भगवान श्रीराम की आरती उतारी और प्रतीकात्मक रूप से तीर चलाकर पुतला दहन किया। देखते ही देखते रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले धू-धू कर जल उठे। पुतलों के दहन के साथ ही पूरा मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर रामलीला तथा दशहरा मेले का आनंद लिया।





विजयदशमी के कार्यक्रम से पूर्व गांधी कॉलोनी स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में श्रीराम परिवार की पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी के समक्ष शीश नवाकर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में विधिवत पूजन और आरती के बाद श्री राम पूरे परिवार के साथ बैंड बाजों के साथ एसडी गर्ल्स इंटर कॉलेज के मैदान में आयोजित दशहरा कार्यक्रम में पहुंचे। धार्मिक वातावरण और श्रद्धालुओं के उत्साह के बीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मीडिया सेंटर के अध्यक्ष एवं दैनिक रॉयल बुलेटिन के प्रधान संपादक अनिल रायल का आयोजकों ने पटका और माला पहनाकर तथा बैज लगाकर स्वागत किया। इसके बाद अनिल रायल ने भगवान श्रीराम का विधिवत पूजन किया और आरती उतारी। प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हुए उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से तीर चलाकर रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया। पुतलों में आग लगते ही उपस्थित लोगों में उत्साह छा गया। कुछ ही देर में तीनों पुतले आग की लपटों में घिर गए। इस दौरान मैदान में मौजूद हजारों लोगों ने जय श्रीराम के उद्घोष किए। रावण के पुतले के जलने के साथ ही बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश वातावरण में गूंज उठा। लोगों ने एक-दूसरे को विजयदशमी की शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि अनिल रायल ने कहा कि विजयदशमी केवल रावण के पुतले का दहन करने का पर्व नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर मौजूद अहंकार, बुराई, अन्याय और नकारात्मक विचारों को समाप्त करने का संकल्प लेने का अवसर भी है। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन और आचरण से सत्य, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा तथा धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में सद्भाव, प्रेम और भाईचारे को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है। रामायण में परिवार, समाज और रिश्तों के प्रति कर्तव्यों का विस्तृत संदेश मिलता है। माता-पिता के प्रति सम्मान, भाई-भाई के बीच प्रेम, परिवार के प्रति समर्पण और सत्य के लिए संघर्ष जैसे आदर्श हमें रामायण से सीखने को मिलते हैं। भगवान श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा। उनका जीवन सिखाता है कि कठिनाइयां कितनी भी बड़ी क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः विजय प्राप्त करता है। अनिल रायल ने कहा कि रावण अत्यंत विद्वान और शक्तिशाली होने के बावजूद अपने अहंकार और अधर्म के कारण विनाश को प्राप्त हुआ। इससे यह शिक्षा मिलती है कि ज्ञान, शक्ति और वैभव का सदुपयोग करना चाहिए। अहंकार और अन्याय व्यक्ति के पतन का कारण बनते हैं। उन्होंने सभी से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने तथा बच्चों को भारतीय संस्कृति, रामायण और धार्मिक परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किया।उन्होंने सभी जनपद वासियों समेत देश प्रदेश वासियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की । पुतला दहन से पूर्व एसडी गर्ल्स इंटर कॉलेज के मैदान में भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच युद्ध का मंचन किया गया। रामलीला के कलाकारों ने युद्ध के प्रसंग को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। दर्शक पूरे उत्साह के साथ मंचन देखते रहे। राम और रावण के बीच अंतिम युद्ध के दौरान वातावरण रोमांच से भर गया। रामायण के प्रसंग के अनुसार, भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि पर बाण चलाकर उसमें स्थित अमृत को सुखा दिया, जिसके बाद रावण का अंत हुआ। रावण के धराशायी होते ही राम की सेना में खुशी छा गई। उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के जयकारे लगाकर विजय का उत्सव मनाया। इस प्रसंग ने दर्शकों को धर्म, सत्य और मर्यादा की महत्ता का संदेश दिया।

पुतला दहन के साथ मैदान में दशहरा मेले का भी आयोजन किया गया। मेले में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर पहुंचे बच्चे खेल-खिलौनों की दुकानों की ओर आकर्षित होते नजर आए। बच्चों ने गदा, धनुष-बाण, चरखी और अन्य खिलौनों की खरीदारी की। भगवान श्रीराम, हनुमान जी और जामवंत के मुखौटे भी बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहे। मेले में चाट और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ लगी रही। परिवारों ने मेले में घूमकर पर्व का आनंद लिया। रावण दहन के बाद कुछ लोग जली हुई लकड़ियां उठाकर अपने घर भी ले गए। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

विजयदशमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए। पुतला दहन देखने पहुंचे लोगों में पर्व को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। धार्मिक कार्यक्रम, रामलीला मंचन और मेले ने लोगों को एक साथ मिलकर पर्व मनाने का अवसर प्रदान किया। गांधी कॉलोनी में आयोजित दशहरा कार्यक्रम भगवान श्रीराम के आदर्शों, सत्य की विजय और अहंकार के अंत का संदेश देकर संपन्न हुआ। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को प्रेरणा मिली कि वे अपने जीवन में बुराइयों का त्याग कर सत्य, प्रेम, सद्भाव, मर्यादा और धर्म के मार्ग पर चलें।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, एडीजे ज्योति सिंह, नवनीत सिंह, सरदार सतपाल सिंह मान, प्रभव स्वरूप, अशोक डोडा, प्रमोद अरोरा, राकेश हुडिया, जगदीश बिंद्रा, राकेश ढींगरा, सागर वत्स, पवन अरोरा, सन्नी कपूर, अमित पटपटिया, मनी पटपटिया, हार्दिक कपूर, भवानी मलिक, विनोद छाबड़ा, प्रेमी छाबड़ा, पवन छाबड़ा, विवेक चुघ, विक्की चावला, प्रवेश भाटिया, हरि भाटिया, सुमित ठेकेदार, मानवेन्द्र सिंह, नवनीत, पंकज अपवेजा, घनश्याम ढींगरा, राजेश कुमार, हर्ष साहनी, मोहनलाल मोनी, ओमप्रकाश, घनश्याम, मोहित चावला, अमित कुमार, सचिन छाबड़ा, नरेश अरोरा, राजेश बब्बल आदि मौजूद रहे।

भारत में 'रिजीम चेंज' आसुरी ताकतों का लक्ष्य

● मोहन भागवत बोले-आंदोलन समाधान के लिए होने चाहिए ● कहा-भारत में बांग्लादेश-फ्रांस जैसे हालात बनाने की कोशिश ● संघ प्रमुख बोले-सत्ता बदलकर अपने पिट्ठू बैठाना चाहते हैं



नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में भी बांग्लादेश और फ्रांस जैसे हालात बनाने की कोशिश हो रही है। दुनिया में ऐसी शक्तियां हैं, जो भारत को दबाना चाहती हैं। उनका मकसद सत्ता परिवर्तन कर हालात सुधारना नहीं, बल्कि अपने पिट्ठू बैठाना है। भागवत ने विपक्ष के 'सत्ता परिवर्तन' के दावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस वक्त देश के अंदर बुरी ताकतें भारत को खत्म करने की दिशा में काम कर रही हैं और कुछ महत्वाकांक्षी नेता साथ दे रहे हैं।

आंदोलन का उद्देश्य समाधान हो, समाज में विभाजन नहीं

समस्याओं के कारण आंदोलन होते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य समाधान होना चाहिए, न कि समाज में द्वेष और विभाजन पैदा करना। कई बार आंदोलनों को दूसरे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है और वे राजनीति का साधन बन जाते हैं। समाज और देश को सिर्फ नेता नहीं चलाते, बल्कि समाज की सक्रियता से भी समस्याओं का समाधान होता है। दुनिया में ऐसी शक्तियां हैं, जो भारत को दबाना चाहती हैं। उनके प्रभाव में आकर हमें उत्तेजित नहीं होना चाहिए। लॉर्ड कर्जन ने हिंदू-मुस्लिम आधार पर बंगाल का विभाजन किया था, जिसे चार साल बाद वापस लेना पड़ा।

हमारे पूर्वज एक, सबको साथ लेकर चलना जरूरी

हम सभी के पूर्वज एक हैं और हमारी संस्कृति का मूल भी एक है। किसी की अलग पहचान मिटाए बिना सभी को साथ लेकर चलना चाहिए। भारत की परंपरा और विचारों में दुनिया की समस्याओं का समाधान देने की क्षमता है। भागवत ने नेपाल बाढ़ का उदाहरण



देते हुए कहा कि विकास के लिए तकनीक को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन इससे प्रकृति को नुकसान नहीं होना चाहिए। विकास ऐसा हो, जिसमें इकोनॉमी के साथ इकोलॉजी और एथिक्स का भी ध्यान रखा जाए। आज लोगों को हर तरह की जानकारी मिल रही है, लेकिन सही-गलत समझे बिना उसका इस्तेमाल करने से नुकसान हो सकता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नियम होने चाहिए और सरकार-प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए। इसके अलावा एआई का सही इस्तेमाल करना जरूरी है।

वंदे भारत में एआई जांचेगा सफाई गंदगी मिली तो होगी कार्रवाई

2 घंटे में होगा ऐक्शन,5 ट्रेनों में शुरू हुई नई हाईटेक ऑन-बोर्ड सर्विस



नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों में साफ-सफाई बेहतर बनाने के लिए नई पहल शुरू की है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने 5 सुपरफास्ट ट्रेनों में तकनीक आधारित ऑन-बोर्ड सेवाएं शुरू की हैं। इनमें 2 वंदे भारत एक्सप्रेस भी शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत एआई की मदद से सफाई की गुणवत्ता जांची जाएगी और यात्रियों की शिकायतों को 2 घंटे के भीतर दूर करने का लक्ष्य रखा गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा के मुताबिक, इस पहल को शुरू करने वाला देश का दूसरा रेलवे जोन बन गया है। रेलवे का कहना है कि इस पहल का मकसद ट्रेनों में साफ-सफाई और स्वच्छता के बेहतर मानक बनाए रखना, शिकायतों का तेजी से समाधान करना और यात्रियों के सफर को अधिक आरामदायक बनाना है।

बेडशीट तक का रखा जाएगा ध्यान

नई व्यवस्था के तहत सफर के दौरान ट्रेन के डिब्बों की नियमित सफाई की जाएगी। एसी कोच की खिड़कियों की सफाई, शौचालयों के रखरखाव और कचरे के सही निपटारे पर भी ध्यान दिया जाएगा। यात्रियों को बेडशीट और दूसरी बेडिंग समय पर देने के साथ इस्तेमाल के बाद उन्हें इकट्ठा करने की व्यवस्था भी बेहतर बनाई जाएगी। इनके अलावा ट्रेनों में यात्रियों की मदद के लिए विशेष टीमें तैनात रहेंगी। ये टीमें पानी की उपलब्धता जांचेंगी, छोटी-मोटी तकनीकी समस्याओं में मदद करेंगी और यात्रियों की शिकायतों पर कार्रवाई करेंगी।

2 घंटे में शिकायत दूर करने का लक्ष्य

रेलवे ने यात्रियों की शिकायतों को 2 घंटे के भीतर हल करने का लक्ष्य तय किया है। अगर इस समय में शिकायत का समाधान नहीं होता है, तो उसे संबंधित रेलवे अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि आगे कार्रवाई की जा सके। नई व्यवस्था में सफाई और दूसरी सेवाओं की निगरानी के लिए डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत सेवाओं की जियो-टैगिंग के जरिए पुष्टि, कर्मचारियों की गतिविधियों पर नजर और ऑन-बोर्ड सफाई व्यवस्था की केंद्रीय स्तर पर निगरानी की जाएगी। यात्रियों से मिलने वाले रियल-टाइम फीडबैक और स्टार रेटिंग के आधार पर भी सेवाओं की गुणवत्ता का आंकलन होगा।

सौरव दास और आशुतोष रांका अपने ही जाल में फंसे!

कोर्ट ने कहा-ये कानून का सम्मान नहीं करते,बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत को जिस आधार पर बढ़ाया है, वह बहुत ही गंभीर है। कोर्ट ने कहा है कि ये कानून का सम्मान नहीं करते, इसलिए प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रदर्शन आयोजित करते हैं।

एसईएम कोर्ट ने फिलहाल कॉकरोच जनता पार्टी के दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाई है। स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ऋतु राज ने सोमवार को दिए अपने आदेश में कहा इन दोनों प्रतिवादियों ने 11 अक्टूबर वाले बॉन्ड को जानबूझकर तोड़ा और शांति भंग की। रिपोर्ट के अनुसार रांका और सौरव को लेकर कोर्ट ने जो टिप्पणी की हैं, वह बहुत ही गंभीर हैं।



भविष्य में अपराध दोहराने का संदेह- कोर्ट ने यह भी कहा कि सुनवाई के दौरान प्रतिवादियों ने जो बयान दिए हैं, उससे उनके आचरण को देखते हुए और रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों को देखकर विश्वास पैदा नहीं होता कि ये भविष्य में इसी तरह का अपराध नहीं करेंगे। अदालत ने दोनों की न्यायिक हिरासत पांच दिन से आगे बढ़ाने की दिल्ली पुलिस की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणियां की हैं। इस दौरान जांच अधिकारी ने अदालत के सामने यह दलील रखी कि केस से संबंधित जो डेवलपमेंट हुए हैं, उससे शांति भंग होने की आशंका बनी हुई है। इसमें उस तथ्य को भी कोर्ट के सामने रखा गया कि किस तरह से इसी मामले के पूर्व मजिस्ट्रेट को कथित रूप से एक अज्ञात व्हाट्सएप भेजा गया। इसे धमकी बताया जा रहा है, जिसके बाद उन्होंने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने अदालत से कहा कि प्रतिवादी कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य हैं और इन्होंने जंतर-मंतर के प्रोटेस्ट साइट के रूप में डि-नोटिफाई होने के बावजूद लोगों को वहां पर जुटने का आह्वान किया।

भारत और न्यूजीलैंड में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू

● देश में अब न्यूजीलैंड के कीवी फ्रूट-कपड़े सस्ते मिलेंगे ● न्यूजीलैंड में सभी भारतीय सामानों को ड्यूटी-फ्री एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 20 अक्टूबर से लागू हो



गया है। इसके तहत न्यूजीलैंड में सभी भारतीय सामानों को 100 फीसदी ड्यूटी-फ्री एंट्री मिलेगी। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 20 बिलियन डॉलर यानी करीब 1.90 लाख करोड़ रुपए का निवेश भी करेगा। यूनियन मिनिस्टर पीयूष गोयल ने इस ट्रेड एग्रीमेंट की घोषणा करते हुए बताया कि इसका मकसद दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा 2.4 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर साल 2030 तक करीब 7 बिलियन न्यूजीलैंड डॉलर यानी लगभग 38,000 करोड़ तक पहुंचाना है। न्यूजीलैंड भारत के 100 फीसदी टैरिफ लाइन्स यानी सभी प्रोडक्ट कैटेगरी पर जीरो इम्पोर्ट ड्यूटी की सुविधा दे रहा है। यह भारत के इतिहास में ऐसा पहला एफटीए है, जिसमें लागू होने के पहले ही दिन से सभी प्रोडक्ट्स पर पूरी तरह से ड्यूटी-फ्री एक्सेस मिला है।

सर्विस सेक्टर, विजा नियमों और खेती में फायदा

न्यूजीलैंड ने भारतीय सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए अपने 118 सर्विस सेक्टर्स/सब-सेक्टर्स खोल दिए हैं। इनमें आईटी, प्रोफेशनल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशन, कंस्ट्रक्शन, एजुकेशन, फाइनेंशियल सर्विसेज और टूरिज्म शामिल हैं। स्कील भारतीयों के लिए एक नया वीजा पाथवे बनाया गया है, जिसके तहत 5,000 वीजा का कोटा तय किया गया है। इसमें आईटी, इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, एजुकेशन, हेल्थकेयर के अलावा योग इंस्ट्रक्टर, शेफ, म्यूजिक टीचर और आयुष प्रैक्टिशनर्स शामिल हैं।

अनमोल वचन

यदि कोई आपको थप्पड़ मारे तो दूसरा गाल भी उस आततायी की ओर कर देना चाहिये जो आपको पीट रहा है। अहिंसा की यह परिभाषा तथा कथित अहिंसावादियों द्वारा हमें बताई जाती रही है किन्तु अहिंसा का अर्थ अन्याय सहना नहीं है, अन्याय होते देखना भी नहीं है। अन्याय से रक्षा और न्याय की स्थापना के लिये यदि शस्त्र उठाना पड़े तो वह हिंसा नहीं। उस समय वही कर्तव्य है। कर्तव्य से विमुख होना कायरता है। धर्म की रक्षा के लिये बल या शस्त्र प्रयोग करना अनुचित नहीं। हमारे जितने भी पूजनीय महामूर्त्ति हैं- चाहे माता दुर्गा हों, माँ काली हों अथवा महादेव शिव हों सभी एक हाथ में शस्त्र धारण करते हैं। भगवान राम ने अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाये। भगवान कृष्ण ने भी सुदर्शन चक्र धारण किया। संसार के लोग मोहपाश में फँस कर बार-बार अपने कर्तव्य को भूल जाते हैं, अन्याय को सहन करते हैं और उस असहनीय सहनशीलता को अहिंसा का नाम दे देते हैं। जितना पाप हिंसा करने में है उतना ही पाप हिंसा को सहन करने में है। अहिंसा की भावना को समझे बिना हम अन्याय को सहन करने को ही अहिंसा का नाम दे देते हैं।

श्रीराम के अग्निबाण से हुआ रावण का अंत, जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा मुजफ्फरनगर

नगर में छह स्थानों पर हुआ रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन, दशहरा मेलों में उमड़ी भीड़; बच्चों ने की खिलौनों और मुखौटों की खरीदारी

मुजफ्फरनगर। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक विजयदशमी का पर्व जनपद में हर्षोल्लास, उमंग और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने घरों में दशहरा पूजन किया और पारंपरिक रीति-रिवाजों का निर्वहन किया। बहनों ने अपने भाइयों के कानों पर नौरते रखकर मंगल तिलक किया तथा उनकी दीघार्यु की कामना की। वहीं, शाम होते ही नगर के छह प्रमुख स्थानों पर भगवान श्रीराम के अग्निबाण से रावण, कुंभकरण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया गया। पुतलों के धू-धू कर जलते ही पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। विभिन्न स्थानों पर आयोजित दशहरा मेलों में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की भारी भीड़ देखने को मिली।

सुबह घरों में हुआ दशहरा पूजन

नवरात्र के समापन के बाद दशमी तिथि को विजयदशमी का पर्व पारंपरिक तरीके से मनाया गया। सुबह से ही घरों में दशहरा पूजन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। लोगों ने पायता पूजन के लिए गन्ने खरीदे। शहर के बाजारों में गन्ने की खूब बिक्री हुई। गन्ने की कीमत 10 से 30 रुपये प्रति गन्ना तक रही। वहीं, दशहरे पर सिंघाड़ों की मांग भी बढ़ गई। आम दिनों में 80 से 100 रुपये प्रति किलो बिकने वाले सिंघाड़े पर्व के अवसर पर 120 से 140 रुपये प्रति किलो तक बिके।

पायता पूजन के दौरान घरों में बहीखातों की पूजा भी की गई। परिवार के पुरुषों ने बहीखातों में अनाज, दाल, घी, शक्कर और तेल सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के दाम दर्ज किए। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। इसका उद्देश्य



आने वाली पीढ़ियों को उस समय की आर्थिक परिस्थितियों और वस्तुओं के मूल्यों की जानकारी देना है। इस अवसर पर शस्त्रों का भी पूजन किया गया।

बहनों ने भाइयों के कानों पर रखे नौरते

विजयदशमी पर बहनों द्वारा भाइयों के कानों पर नौरते रखकर तिलक करने की परंपरा का भी निर्वहन किया गया। घरों में पूजन के बाद भाई अपनी विवाहित बहनों के घर पहुंचे, जहां बहनों ने उनके कानों पर नौरते रखकर मंगल तिलक किया और उनकी लंबी आयु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार और भेंट देकर स्नेह व्यक्त किया।

परंपरा के अनुसार, नवरात्र में मां सांझी की स्थापना के समय नौरते बोए जाते हैं। इन्हें प्रतिदिन सींचा जाता है और दशहरे तक ये काफी बड़े हो जाते हैं। हिंदू संस्कृति में नौरतों को शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार, इनके रंग और आकार को देखकर आगामी वर्ष के संबंध में भी पारंपरिक अनुमान लगाए जाते हैं।

नगर में दशहरा पर्व के अवसर पर छह प्रमुख स्थानों पर रावण दहन कार्यक्रम आयोजित किए गए। नुमाइश ग्राउंड, नई मंडी, पटेलनगर और इंद्रा कॉलोनी कच्ची सड़क पर शाम छह बजे भगवान श्रीराम के अग्निबाण से रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। वहीं, रामलीला टिल्ला मैदान में शाम पांच बजे तथा गांधी कॉलोनी स्थित रामलीला मैदान में शाम साढ़े पांच बजे पुतला दहन हुआ।

पुतला दहन से पूर्व भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच युद्ध का मंचन किया गया। रामलीला के अंतिम प्रसंग में भगवान श्रीराम और रावण के बीच भीषण युद्ध हुआ। अंत में श्रीराम ने रावण की नाभि पर बाण चलाकर उसमें स्थित अमृत को सुखा दिया, जिसके बाद रावण का अंत हो गया। रावण के धराशायी होते ही दर्शकों ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ विजय का उत्सव मनाया। राम की सेना में खुशी की लहर दौड़ गई और लोगों ने एक-दूसरे को दशहरे की शुभकामनाएं दीं। पुतला दहन के साथ ही सभी छह स्थानों पर दशहरा मेले भी लगाए गए। मेलों में खेल-खिलौनों की दुकानों पर बच्चों की भीड़ लगी रही। रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर पहुंचे बच्चों ने गदा, धनुष-बाण, चरखी और अन्य खिलौनों की खरीदारी की। भगवान श्रीराम, हनुमान जी और जामवंत सहित अन्य पात्रों के मुखौटे भी बच्चों के आकर्षण का केंद्र रहे।

गाय से टकराई बाइक, महिला समेत दो घायल

ककराला में मोरना चीनी मिल के पास हुआ हादसा, 108 एंबुलेंस से सीएचसी भोपा पहुंचाया

मुजफ्फरनगर। जनपद में ककराला में मोरना चीनी मिल के पास सड़क पर अचानक गाय आ जाने से बाइक की उससे टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार महिला समेत दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना में महिला के चेहरे और दाहिने पैर में चोट लगने के साथ सूजन आ गई, जबकि युवक के पैर में चोट आई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा पहुंचाया गया, जहां उन्हें उपचार दिया गया। जानकारी के अनुसार, मोरना ब्लॉक के गांव बेलड़ा निवासी कविता 35 वर्ष पत्नी वीर सिंह बाइक से जा रही थीं। इसी दौरान ककराला में मोरना चीनी मिल के पास उनकी बाइक सड़क पर मौजूद गाय से टकरा गई। टक्कर लगने से कविता और उनके साथ बाइक पर मौजूद सत्यम 18 वर्ष पुत्र वीर सिंह घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और घायलों को चिकित्सा सहायता दिलाने के लिए एंबुलेंस को सूचना दी गई।



सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के ईएमटी मनोज कुमार और पायलट जितेंद्र यादव घटनास्थल पर पहुंचे। एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों घायलों को प्राथमिक सहायता प्रदान की और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने दोनों का उपचार किया। महिला कविता के चेहरे और दाहिने पैर में चोट के साथ सूजन थी, जबकि सत्यम के पैर में चोट आई थी।

शक्ति क्लब की रामलीला में धूमधाम से मनाया दशहरा, रावण और कुंभकरण के पुतलों का हुआ दहन

राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने किया शुभारंभ, श्रीराम के जयकारों से गूंजा रामलीला प्रांगण

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत रामलीला प्रांगण में दशहरा मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और दर्शकों ने पहुंचकर रामलीला का आनंद लिया। कार्यक्रम में रावण और कुंभकरण के विशालकाय पुतलों का दहन मुख्य आकर्षण रहा। इस दौरान श्रीराम के जयकारों से रामलीला प्रांगण गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, श्रीराम कॉलेज के संस्थापक एससी कुलश्रेष्ठ, सांसद हरेंद्र मलिक के सुपुत्र निशांत मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री भारत सरकार संजीव बालियान, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा, संरक्षक विजेंद्र गोयल, मुकेश गोयल, मुजफ्फरनगर बुलेटिन के संपादक अंकुर दुआ, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश मंत्री सरदार बलविंद्र सिंह,



सुमित गर्ग, मन्नू लाल नामदेव तथा भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात अतिथियों ने श्री गणेश वंदना और भगवान श्रीराम की वंदना के साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

रामलीला मंचन के दौरान भगवान श्रीराम की लीलाओं का आकर्षक ढंग से प्रस्तुतिकरण किया गया। लीला का शुभारंभ सूर्पनखा के नाक-कान काटने के प्रसंग से हुआ। इसके बाद रामायण के विभिन्न प्रसंगों का मंचन और कमेंट्री के माध्यम से दर्शकों को कथा से जोड़ा गया। कार्यक्रम में रावण और कुंभकरण के ऊंचे-ऊंचे विशालकाय पुतले विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। अंत में उपस्थित अतिथियों ने रावण और कुंभकरण के पुतलों का दहन किया। पुतलों के दहन के साथ ही बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया। दर्शकों ने तालियों और जयकारों के साथ इस दृश्य का स्वागत किया। दशहरा पर्व के अवसर पर आयोजित मेले में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, सत्य की विजय और अधर्म पर धर्म की जीत का संदेश दिया गया।

मिशन शक्ति 6.0: छात्राओं ने संभाली थाने की कमान, सुनीं जनसमस्याएं

मुजफ्फरनगर। मिशन शक्ति 6.0 अभियान के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से थाना नई मंडी में अनूठी पहल की गई। यहां तीन छात्राओं को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी सौंपी गई। छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों की कुर्सियों पर बैठकर जनसमस्याओं को सुनने के साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज की बीपीईएस तृतीय वर्ष की छात्रा नंदिनी नामदेव पुत्री विशाल नामदेव को एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनाया गया। वहीं, द एसडी पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा आनिया तायल पुत्री रजत तायल निवासी भारतीय कॉलोनी को वरिष्ठ उपनिरीक्षक एसएसआई की जिम्मेदारी सौंपी गई। एसडी पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा माही संगल पुत्री विपिन संगल को एक दिन के लिए उपनिरीक्षक एसआई बनाया गया। थाना नई मंडी में मिशन शक्ति की



प्रभारी सुमन कौर और एसएसआई सत्येंद्र कुमार ने तीनों छात्राओं का बुके देकर स्वागत किया।

इसके बाद उन्हें संबंधित अधिकारियों की कुर्सियों पर बैठाकर पुलिस की जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। छात्राओं को जनसमस्याएं सुनने और आमजन की शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को समझने का अवसर मिला। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, शिकायतों पर कार्रवाई करने तथा आमजन की समस्याओं के समाधान में पुलिस की भूमिका के बारे में जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों के कार्यों को समझा और जिम्मेदारी निभाने का अनुभव प्राप्त किया।

मिशन शक्ति 6.0 के तहत आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। साथ ही, छात्राओं को यह समझने का अवसर देना है कि पुलिस किस प्रकार आमजन की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्य करती है। इस प्रकार की गतिविधियां बालिकाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने, जिम्मेदारियों को समझने और समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।



गांधी कालोनी स्थित एसडी गर्ल्स इंटर कालेज में आयोजित विजयदशमी पर्व पर मुख्य अतिथि अनिल रायल आरती व पूजन करते हुए।

मीरापुर में दशहरा पर्व पर उत्साह का माहौल, रावण दहन के साथ संपन्न हुआ भव्य आयोजन



मीरापुर। कस्बे के भूम्मा रोड पर रामलीला मैदान में विजयदशमी के अवसर पर मंगलवार शाम भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ एमएलसी वंदना वर्मा एंव विधायक मिथलेश पाल की पुत्री सुप्रिया पाल ने संयुक्त रूप से किया। शाम को भगवान श्रीराम की आरती के बाद रावण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान मैदान में जय श्रीराम के जयघोष गूंजते रहे। गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामलीला मैदान में आयोजित मेले में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने मेले में जमकर खरीदारी की, वहीं छोटे बच्चों ने झूलों का आनंद लिया। पूरे मैदान में उत्साह और उल्लास का माहौल बना रहा। शाम करीब 6 बजे श्रीराम और लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले पात्रों के साथ मुख्य अतिथि द्वारा रावण और मेघनाथ के पुतलों का दहन किया गया। इससे पहले श्रीराम की वानर सेना और रावण की राक्षसी सेना के बीच भीषण युद्ध का मंचन किया गया। इसके साथ ही भगवान श्रीराम और रावण तथा लक्ष्मण और मेघनाथ के बीच हुए युद्ध का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे। पुतला दहन के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। भगवान श्रीराम के जयकारों से पूरा मैदान गूंज उठा। आयोजन को सफल बनाने में श्रीरामलीला समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर श्रीरामलीला समिति के अध्यक्ष दीपक गोयल, सचिव रोहित माहेश्वरी, अनिरुद्ध गोयल, गौरव भटनागर, विवेक वर्मा, देवेंद्र ठाकुर, उज्ज्वल अग्रवाल

राजवंशी धर्मशाला में धूमधाम से मनाया विजयदशमी पर्व, रावण-कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन

शलभ गुप्ता बोले—सत्य, धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक है विजयदशमी; सोने की लंका के दहन के साथ गूंजे जय श्रीराम के जयकारे

मुजफ्फरनगर। लक्ष्मण विहार स्थित राजवंशी धर्मशाला में मंगलवार, 20 अक्टूबर को वैश्य राजवंश सभा की ओर से विजयदशमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास, उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद गर्ग ने की, जबकि संचालन सभा के महामंत्री एडवोकेट शलभ गुप्ता ने किया। समारोह में अमर शहीद राजा रतन चंद की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद भगवान श्रीराम के जयकारों के बीच प्रतीकात्मक सोने की लंका का दहन किया गया। आकर्षक आतिशबाजी के बीच रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन हुआ। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने भाग लेकर पर्व की खुशियां साझा कीं।



अमर शहीद राजा रतन चंद को किया नमन कार्यक्रम का शुभारंभ अमर शहीद राजा रतन चंद की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। उपस्थित अतिथियों और समाज के लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि कुलदीप कंसल का स्वागत एड-वोकेट शलभ गुप्ता और राजेन्द्र प्रसाद गर्ग ने संयुक्त रूप से पटका पहनाकर किया। महिला सभा की अध्यक्ष अनुराधा गुप्ता और गुंजन गर्ग ने पूर्व केंद्रीय महिला उपाध्यक्ष अनीता राजवंशी का स्वागत किया।

कविताओं से बांधा समां

विजयदशमी के अवसर पर अनीता राजवंशी, अनुराधा गुप्ता, सुनीता ऐरन और गुंजन गर्ग ने सुंदर कविताओं की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह और सांस्कृतिक रंग भर दिए। समाज के लोगों ने तालियों के साथ प्रस्तुतियों का स्वागत किया।

विजयदशमी सत्य, धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक : शलभ गुप्ता

सभा के महामंत्री एडवोकेट शलभ गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि विजयदशमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सत्य, धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम के आदर्श हमें सत्य, विनम्रता और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। यह पर्व अपनी बुराइयों को त्यागकर अच्छाइयों को अपनाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि अन्याय करने वाला व्यक्ति कितना ही धनवान, बलवान, शक्तिशाली और ज्ञानी क्यों न हो, वह अच्छाई को पराजित नहीं कर सकता। भगवान श्रीराम की रावण पर विजय इसी शाश्वत सत्य का संदेश देती है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में मयार्दा, नैतिकता और सदाचार को अपनाना चाहिए।

मीरापुर में विजयदशमी समारोह का रालोद नेत्री सुप्रिया पाल ने किया शुभारंभ, प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना कर लिया सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प



मीरापुर। मीरापुर में विजयदशमी के पावन अवसर पर आयोजित दशहरा समारोह में राष्ट्रीय लोकदल नेत्री सुप्रिया पाल ने प्रभु श्रीराम की विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विजयदशमी के पावन पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में सत्य, सदाचार और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश दिया।

इस अवसर पर सुप्रिया पाल ने कहा कि विजयदशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई, असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें मयार्दा, कर्तव्यनिष्ठा, त्याग, करुणा और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन में कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न आएँ, सत्य और धर्म के मार्ग पर अडिग रहना ही सबसे बड़ा कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध भारतीय परंपराओं को सहेजने के साथ-साथ नई पीढ़ी को संस्कारों, आदर्शों और सामाजिक एकता से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विजयदशमी का संदेश जन-जन तक पहुँचाना और भगवान श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप समाज में सकारात्मकता, सद्भाव तथा सेवा की भावना को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है।

कार्यक्रम के माध्यम से समाज में प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और जनसेवा की भावना को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया। समारोह ने उपस्थित लोगों को सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने तथा समाज के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा दी।

मुजफ्फरनगर में सजा डांडिया महोत्सव: 'ढोली तारो ढोल बाजे' की धुन पर थिरके महिला-पुरुष, 450 सदस्यों ने की भागीदारी

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रवीण गर्ग और राष्ट्रीय संयोजक अनुराग दुबलिश रहे मुख्य अतिथि

मुजफ्फरनगर। शहर में भारत विकास परिषद/जिला कार्यकारिणी मुजफ्फरनगर की ओर से 12 विभिन्न शाखाओं के संयुक्त सहयोग से एक भव्य और यादगार डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक परिधानों से सजे इस महोत्सव में परिषद के लगभग 450 सदस्यों एवं मातृशक्ति ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाविप के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रवीण गर्ग और राष्ट्रीय गतिविधि संयोजक अनुराग दुबलिश ने आयोजकों के प्रयासों की जमकर सराहना की। दीप प्रज्वलन व वंदे मातरम के साथ हुआ शुभारंभ

समारोह की विधिवत शुरूआत मुख्य अतिथियों तथा परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके उपरांत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का सस्वर गायन हुआ। सांस्कृतिक सत्र का आगाज संगीतमय गणेश वंदना, नवदुर्गा स्वरूप दर्शन और महिषासुर वध के सजीव मंचन के साथ हुआ, जिसने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। बॉलीवुड व भक्ति गीतों की ताल पर थिरके कदम

गायक विपुल छाबड़ा के सुरीले भजनों और 'ढोली तारो ढोल बाजे' जैसे प्रसिद्ध गरबा गीतों की धुन पर महिला और पुरुष सदस्यों ने डांडिया की छड़ियों के साथ जमकर नृत्य किया। पूरा प्रांगण तालियों की गड़गड़ाहट और डांडिया की खनक से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान लकी ड्रॉ, पंक्चुअलिटी (समयबद्धता) पुरस्कार और मेगा लकी ड्रॉ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिससे



विजेताओं के चेहरे खिल उठे।

मां अम्बे की उतारी आरती, प्रांतीय नेतृत्व ने दी बधाई

महोत्सव परिसर में आयोजित कार्यक्रम के अंतिम चरण में मां अम्बे की भव्य सामूहिक महाआरती की गई। इस दौरान बालिका सावी ऐरन को मां दुर्गा का मनमोहक स्वरूप दिया गया, जिनकी सभी ने पूजा-अर्चना की। मातृशक्ति को उपहार भेंट किए गए और अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रवीण गर्ग और प्रांतीय अध्यक्ष सरल माधव ने आयोजन की भव्यता की प्रशंसा करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का कुशल व मंच संचालन जिला सह समन्वयक अकुल अग्रवाल ने किया।

प्रमुख रुप से ये रहे मौजूद

इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक (पर्यावरण) जगदीश पालीवाल, प्रांतीय महासचिव मुकेश चंद गुप्ता, वित्त सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रांतीय महिला सहभागिता आशा जैन, प्रांतीय संरक्षक हर्षवर्धन जैन, अचिन कंसल, पंकज बंसल और सुनील गर्ग सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। महोत्सव को सफल बनाने में संयोजिका डॉ. रुचि शर्मा, प्रिया अग्रवाल, प्रियंका ऐरन तथा 12 शाखाओं के अध्यक्षों, सचिवों व कार्यकारिणी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः

♦अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
बुधवार 21 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



शर्ट की जेब में रखा मोबाइल बना मौत की वजह ! धमाके के साथ फटा फोन, बाइक से गिरकर घायल हुए विकास ने तोड़ा दम

–मामा के घर से लौटते समय हुआ दर्दनाक हादसा, निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, पत्नी और दो मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया, रहमतपुर गांव में पसरा मातम

मुजफ्फरनगर। मोबाइल फोन, जिसे लोग हर समय अपने साथ रखते हैं, कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकता है। मुजफ्फरनगर के खालापार थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन फटने से 40 वर्षीय विकास अंतल की मौत का मामला सामने आया है। बताया गया कि सोमवार शाम बाइक से मामा के घर से लौटते समय उनकी शर्ट की जेब में रखा मोबाइल अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। धमाके के कारण वह बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। इस दर्दनाक घटना से रहमतपुर गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवार के लिए यह हादसा ऐसा गहरा जख्म छोड़ गया, जिसकी भरपाई संभव नहीं है।

जेब में हुआ तेज धमाका, बाइक से सड़क पर गिरे विकास

जानकारी के अनुसार, रहमतपुर गांव निवासी 40 वर्षीय विकास अंतल सोमवार शाम अपने मामा के घर से बाइक पर सवार होकर लौट रहे थे। वह रास्ते में थे, तभी उनकी शर्ट की जेब में रखा मोबाइल अचानक तेज धमाके के साथ फट गया। अचानक हुए इस हादसे से विकास संभल नहीं सके और बाइक से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घायल विकास को जिला अस्पताल पहुंचाया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए परिजन उन्हें बेहतर उपचार के लिए एक निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हो सका और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

जिला अस्पताल से निजी अस्पताल ले गए परिजन, नहीं बच सकी जान

हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में चिंता फैल गई। विकास को पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां



विकास

से गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल पहुंचाया गया था। परिवार को उम्मीद थी कि उपचार से उनकी जान बच जाएगी, लेकिन उनकी मौत की खबर ने परिजनों को तोड़कर रख दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मोबाइल फोन किस कारण फटा और धमाके के पीछे क्या वजह रही, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना ने मोबाइल फोन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

उत्तम शुगर मिल में टोकन मैन थे

विकास अंतल रहमतपुर गांव के निवासी थे और उत्तम शुगर मिल में टोकन मैन के रूप में कार्यरत थे। वह अपने परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। उनकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी घटना को लेकर शोक का माहौल है। विकास के परिवार में उनके माता-पिता, पत्नी दीपा, छह वर्षीय बेटी हृष्टि, तीन वर्षीय बेटा रियांश और विवाहित बहन सपना हैं। पिता की असमय मौत से दोनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में परिवार की खुशियां और बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे जनप्रतिनिधि

विकास की मौत की खबर मिलने के बाद क्षेत्र में शोक संवेदनाएं जताई जाने लगीं। जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल और क्षेत्रीय सांसद चंदन चौहान की पत्नी यशिका चौहान मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और इस दुख की घड़ी में संवेदना व्यक्त की।

मोबाइल फोन की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

इस घटना ने एक बार फिर मोबाइल फोन की बैटरी और उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, इस मामले में मोबाइल फटने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है।

मुजफ्फरनगर की चीनी मिलों का पेराई सत्र शुरू होने को तैयार: मंसूरपुर और बुढ़ाना मिलों से होगी शुरूआत

मुजफ्फरनगर की चीनी मिलों का पेराई सत्र शुरू होने को तैयार: मंसूरपुर और बुढ़ाना मिलों से होगी शुरूआत

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए राहत और उत्साह भरी खबर है। मुजफ्फरनगर जिले में नए पेराई सत्र के तहत चीनी मिलों के संचालन की आधिकारिक तिथियां घोषित कर दी गई हैं। जिले की कुल 8 चीनी मिलें अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से लेकर नवंबर के पहले सप्ताह के दौरान क्रमबद्ध तरीके से अपना पेराई कार्य शुरू कर देंगी। चीनी मिलों के शुरू होने की तिथियां तय होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों को अपनी फसलों की कटाई और आपूर्ति की योजना बनाने में बड़ी सहूलियत मिलेगी। जिला गन्ना अधिकारी एवं चीनी मिल प्रबंधकों की सहमति पर लिए गये निर्णय के अनुसार, जिले की सभी आठ चीनी मिलों का पेराई सत्र एक सप्ताह के भीतर शुरू हो जाएगा, जिसकी शुरूआत मंसूरपुर की धामपुर बायो आर्गेनिक चीनी मिल से होगी। हालांकि खतौली चीनी मिल को अगले महीने शुरू किया जाएगा, जिसके नवंबर माह के पहले सप्ताह में शुरू करने की तैयारी है। चीनी मिलों के पेराई सत्र शुरू होने की किसानों के लिए राहत भरी खबर है, जिनका गन्ना खेतो में कटाई के लिए तैयार है। मंसूरपुर चीनी



मिल से शुरू होगा पेराई सत्र इस जारी शेड्यूल के अनुसार, जिले में पेराई सत्र का आगाज सबसे पहले मंसूरपुर स्थित धामपुर बायॉ ऑर्गेनिक (24-26 अक्टूबर) और बुढ़ाना स्थित बजाज हिंदुस्तान (25-26 अक्टूबर) से होगा। इसके बाद अन्य मिलें एक-एक कर चालू होंगी। जिले की सबसे बड़ी चीनी मिल त्रिवेणी इंजीनियरिंग, खतौली में 1 या 2 नवंबर से पेराई कार्य शुरू हो जाएगा। किसानों को मिलेगा समय पर इंडेंट और पर्ची पेराई सत्र शुरू होने से ठीक पहले सभी चीनी मिल परिसरों में मेंटेनेंस और ट्रायल का काम अंतिम चरण में है। संबंधित मिल प्रबंधन और जिला गन्ना अधिकारी द्वारा सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए तैयारियां पूरी की जा रही हैं, ताकि किसानों को गन्ना तौलने और इंडेंट/पर्ची प्राप्त करने में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस क्रम से संचालित होगा पेराई सत्र मुजफ्फरनगर जिले की सभी 8 चीनी मिलों के पेराई सत्र शुरू करने की घोषित तिथियों के अनुसार, धामपुर बायॉ ऑर्गेनिक मंसूरपुर 24- 26 अक्टूबर 2026] बजाज हिंदुस्तान बुढ़ाना 25 26 अक्टूबर 2026, उत्तम शुगर मिल्स खैखेड़ी 27 28 अक्टूबर 2026, टिकौला शुगर मिल्स टिकौला 28 29 अक्टूबर 2026, इंडियन पोटाश लिमिटेड रोहाना कलाँ 29 30 अक्टूबर 2026, द गंगा किसान सहकारी चीनी मिल मोरना व इंडियन पोटाश लिमिटेड तितावी 30 31 अक्टूबर तथा त्रिवेणी इंजीनियरिंग (सबसे बड़ी चीनी मिल) खतौली 1 2 नवंबर 2026 गन्ना पेराई के लिए संचालित की जाएगी।

गन्ने के खेतों में जाने से कतरा रहे किसान, गंगनहर पटरी पर दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल

–मीरापुर क्षेत्र के भूम्मा गंगनहर पटरी पर नया गांव भूम्मा कुटी के पास झाड़ियों में दिखाई दिया जंगली जानवर

मीरापुर। मीरापुर क्षेत्र में तेंदुए की आहट ने एक बार फिर ग्रामीणों और किसानों की चिंता बढ़ा दी है। भूम्मा गंगनहर पटरी के पास झाड़ियों में तेंदुआ दिखाई देने का दावा करते हुए दो युवकों ने उसका वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद भूम्मा, चुड़ियाला, कुतुबपुर और नया गांव सहित आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि इन दिनों गन्ने की कटाई का सीजन चल रहा है और किसानों को रोजाना खेतों में जाना पड़ता है। ऐसे में यदि क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी है तो किसानों, खेतों में काम करने वाले मजदूरों और ग्रामीणों के लिए खतरा बढ़ सकता है। रास्ते से गुजर रहे युवकों की नजर झाड़ियों में बैठे जंगली जानवर पर पड़ी जानकारी के अनुसार, ग्राम भूम्मा निवासी रजत एक मिल में कर्मचारी है। बताया गया कि वह अपने साथी शक्ति के साथ किसी काम से जा रहा था। चुड़ियाला से कुतुबपुर होते हुए गंगनहर पटरी के रास्ते भूम्मा लौटते समय जब दोनों युवक नया गांव भूम्मा कुटी के पास पहुंचे, तो उनकी नजर सड़क किनारे झाड़ियों में मौजूद एक जंगली जानवर पर पड़ी। दोनों ने पास से देखने पर उसे तेंदुआ बताया। अचानक तेंदुआ दिखाई देने से दोनों युवक सतर्क हो गए। उन्होंने दूरी बनाए रखते हुए उसका वीडियो बना लिया। बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दिया गया। देखते ही देखते यह वीडियो क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों के बीच तेंदुए की मौजूदगी को लेकर तरह-तरह की चचाएं होने लगीं। हालांकि, वायरल वीडियो के आधार पर तेंदुए की मौजूदगी की आधिकारिक पुष्टि



होना अभी बाकी है।

गन्ने की कटाई के बीच बढ़ी किसानों की चिंता

क्षेत्र में इन दिनों गन्ने की कटाई का काम चल रहा है। खेतों में खड़ी ऊंची फसल और आसपास की झाड़ियां जंगली जानवरों के छिपने के लिए अनुकूल स्थान बन सकती हैं। ऐसे में तेंदुए की आहट से किसानों की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। किसानों को आशंका है कि खेतों में काम करते समय या गन्ना काटने के दौरान अचानक तेंदुए से सामना हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में काम करने वाले किसान और मजदूर कई बार सुबह जल्दी या शाम के समय भी खेतों में पहुंचते हैं। गंगनहर पटरी से होकर गुजरने वाले लोगों को भी अब सतर्कता बरतनी पड़ रही है। तेंदुए की मौजूदगी की चर्चा के बाद लोग अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं और एक-दूसरे को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं।

चार गांवों के लोगों में दहशत, वन विभाग से कार्रवाई की मांग

भूम्मा, चुड़ियाला, कुतुबपुर और नया गांव सहित आसपास के क्षेत्र में तेंदुए को लेकर चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों की मांग है कि वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर क्षेत्र का निरीक्षण करे और वायरल वीडियो की जांच कर तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि करे। इसके साथ ही गंगनहर पटरी और आसपास के खेतों में निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि लोगों को किसी संभावित खतरे से बचाया जा सके। ग्रामीणों ने वन विभाग और पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा जरूरत पड़ने पर पिंजरा लगाने की व्यवस्था करने की मांग की है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित कदम उठा लिए जाएं तो किसी अप्रिय घटना की आशंका को कम किया जा सकता है।

पिता की तेरहवीं पर बेटी के सिर बंधी पगड़ी, रूढ़ियों को तोड़ मेधावनी ने संभाली परिवार की विरासत

–मुखाग्नि देने से लेकर पगड़ी की रस्म निभाने तक, हर कदम पर पिता के भरोसे पर खरी उतरी बेटी, जावन गांव में बदली परंपरा ने दिया

मुजफ्फरनगर। पिता की चिता को मुखाग्नि देने वाली बेटी ने अब उनकी तेरहवीं पर सिर पर पगड़ी बंधवाकर परिवार की जिम्मेदारी भी अपने कंधों पर उठा ली। जावन गांव में 19 वर्षीय मेधावनी ने उस परंपरा को नई दिशा दी, जिसमें आमतौर पर पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी सौंपने के प्रतीक के रूप में बेटे के सिर पर पगड़ी बांधी जाती है। परिवार की इकलौती संतान मेधावनी ने पगड़ी बंधवाने की इच्छा जताई तो परिजनों और समाज के लोगों ने सहमति जताते हुए इस पहल का समर्थन किया। सोमवार को पिता शिवकुमार की रस्म तेरहवीं के दौरान परिवार और रिश्तेदारों की मौजूदगी में उसके सिर पर पगड़ी बांधी गई। यह रस्म केवल एक परिवार की परंपरा में बदलाव नहीं, बल्कि बेटियों की क्षमता, अधिकार और जिम्मेदारी को स्वीकार करने का संदेश भी बन गई। जावन गांव निवासी शिवकुमार मुजफ्फरनगर की एक निजी कंपनी



में काम करते थे। 60 वर्षीय शिवकुमार का निधन 15 अक्टूबर को हो गया था। उनके परिवार में कोई बेटा नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी इकलौती बेटी मेधावनी को कभी बेटे से कम नहीं समझा। पिता के इसी विश्वास को बेटी ने भी अपने व्यवहार से कायम रखा। पिता की मृत्यु के बाद मेधावनी ने स्वयं मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई। इसके बाद तेरहवीं पर उसने परिवार की जिम्मेदारी संभालने की परंपरागत रस्म भी अपने नाम करने का निर्णय लिया। मेधावनी की यह इच्छा परिवार के सामने आई तो उसे विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। परिवार और रिश्तेदारों ने उसका साथ दिया। तेरहवीं के अवसर पर भाजपा नेता मनवीर सिंह, जयप्रकाश तोमर, यशपाल, सुधीर कुमार, मा. प्रमोद और मा. चेतन की मौजूदगी में उसके सिर पर पगड़ी बांधी गई। इस दौरान मौजूद लोगों ने पहल की सराहना करते हुए इसे बेटियों के प्रति बदलती सामाजिक सोच का उदाहरण बताया। पिता ने बेटी को कभी बेटे से कम नहीं समझा मेधावनी ऋषिकेश में योग का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी है।

भोपा सीएचसी की महिला डाक्टर बिना सूचना के ड्यूटी से गायब: वेतन रोककर जांच शुरू, जारी हुआ कारण बताओ नोटिस

20 दिन तक अनुपस्थित रहने से मेडिकोलीगल व स्वास्थ्य सेवाएं हुईं प्रभावित; जांच के आदेश दिए गए

मुजफ्फरनगर। जिले के भोपा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात महिला चिकित्साधिकारी के बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के लगातार अनुपस्थित रहने का गंभीर मामला सामने आया है। ड्यूटी से नदारद रहने के कारण अस्पताल में मेडिकोलीगल (डॉक्टरी-कानूनी) जांच और सामान्य चिकित्सकीय परीक्षण बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. सुनील कुमार तेवतिया ने मामले का संज्ञान लेते हुए महिला चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। वहीं अनुपस्थिति की अवधि का वेतन रोकने का आदेश जारी करते हुए पूरे मामले की विभागीय जांच बैठा दी गई है।

20 दिनों तक ठप रहा मेडिकोलीगल कार्य

विभागीय सूत्रों के अनुसार, भोपा सीएचसी पर तैनात महिला चिकित्साधिकारी डॉ. यशस्वी जैन पिछले करीब 20 दिनों से बिना किसी लिखित



भोपा सीएचसी की महिला डाक्टर बिना सूचना के ड्यूटी से गायब

स्वीकृत अवकाश के अपने कर्तव्य से अनुपस्थित चल रही थीं। अस्पताल में महिला चिकित्सक के उपलब्ध न होने के कारण दूर-दराज से आने वाली महिला मरीजों के इलाज के साथ-साथ पुलिस व अदालती मामलों से जुड़े मेडिकोलीगल परीक्षण अटके रहे। स्वास्थ्य सेवाओं में आई इस बाधा की शिकायतें मिलने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया है। एसीएमओ को सौंपी गई जांच, वेतन रोकने के निर्देश सीएमओ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार को मामले की निष्पक्ष जांच का जिम्मा सौंपा है। एसीएमओ डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि चिकित्सक के लंबे समय तक बिना अनुमति गैरहाजिर रहने के कारण अस्पताल की प्रशासनिक और चिकित्सकीय व्यवस्था पर असर पड़ा। इसी के चलते कार्रवाई करते हुए अनुपस्थिति अवधि के वेतन भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। मेडिकल सर्टिफिकेट की हो रही जांच महिला चिकित्साधिकारी की ओर से कार्रवाई के बाद अपनी अनुपस्थिति का कारण बीमारी बताया गया है और स्वास्थ्य विभाग को एक मेडिकल सर्टिफिकेट सौंपा गया है। एसीएमओ ने जानकारी दी कि प्रस्तुत किए गए मेडिकल सर्टिफिकेट को सत्यापन के लिए प्रभारी चिकित्साधिकारी, सीएचसी भोपा के पास भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की वैधानिक कार्रवाई तय की जाएगी। 'मौखिक सूचना दी थी, दस्तावेज भी जमा कराए' दूसरी ओर, अपने ऊपर लगे आरोपों पर सफाई देते हुए महिला चिकित्साधिकारी डॉ. यशस्वी जैन ने कहा कि उन्होंने अपनी अस्वस्थता (बीमारी) के संबंध में सीएचसी प्रभारी चिकित्साधिकारी को मौखिक रूप से पहले ही अवगत करा दिया था। इसके बाद स्वस्थ होने पर आवश्यक चिकित्सीय दस्तावेज और मेडिकल सर्टिफिकेट भी विभाग को उपलब्ध करा दिए गए थे।

बंद मकान में लगी भीषण आग, छत का जाल तोड़कर अंदर घुसे दमकलकर्मी, लाखों का सामान जलकर राख

संतोष विहार में मंगलवार दोपहर मची अफरातफरी, कारोबारी के घर पर लटका था ताला; एफएसओ रामकिशोर यादव के नेतृत्व में दो

मुजफ्फरनगर। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के संतोष विहार में मंगलवार दोपहर एक कारोबारी के बंद मकान में अचानक आग लगने से अफरातफरी मच गई। मकान से धुआं उठता देख आसपास के लोगों को आग लगने का पता चला, जिसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती मकान में प्रवेश करने की थी, क्योंकि घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगा हुआ था और अंदर कोई मौजूद नहीं था। ऐसे में दमकलकर्मियों ने सीढ़ियां लगाकर छत तक पहुंच बनाई और छत पर लगे जाल को तोड़कर मकान के भीतर प्रवेश किया। एफएसओ रामकिशोर यादव के नेतृत्व में दो दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक एक कमरे में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो चुका था। शुरूआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी



जा रही है। दोपहर 12 बजे बंद मकान से उठने लगा धुआं, आसपास के लोगों में मची हलचल घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। संतोष विहार निवासी कारोबारी शुभम कुमार सिंह सुबह ही किसी काम से घर से बाहर चले गए थे। मकान पर ताला लगा हुआ था और उस समय घर के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था। इसी दौरान मकान के भीतर आग लग गई। कुछ ही देर में धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। मकान से धुआं निकलता देखकर आसपास के लोगों में हलचल मच गई। लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद आग बुझाने के लिए टीम मौके पर पहुंची। मुख्य दरवाजे पर ताला, छत का जाल तोड़कर मकान में दाखिल हुए दमकलकर्मी दमकल विभाग की टीम जब संतोष विहार पहुंची तो मकान बंद मिला। मुख्य दरवाजे पर ताला लटका होने के कारण दमकलकर्मियों के लिए सीधे अंदर पहुंचना संभव नहीं था। आग लगातार फैलने की आशंका को देखते हुए टीम ने वैकल्पिक रास्ते से मकान में प्रवेश करने का प्रयास किया। दमकलकर्मियों ने सीढ़ियां लगाकर छत तक पहुंच बनाई। इसके बाद छत पर लगे जाल को तोड़कर घर के भीतर प्रवेश किया और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। इस दौरान टीम ने आग को नियंत्रित करने के लिए लगातार प्रयास किए। कुछ देर बाद कारोबारी शुभम कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मकान का मुख्य गेट खोल दिया, जिससे दमकलकर्मियों को अंदर पहुंचने और आग बुझाने में काफी सहूलियत मिली। दो दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा, घंटों बाद बुझी आग आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने दो गाड़ियों को मौके पर लगाया। एफएसओ रामकिशोर यादव के नेतृत्व में पहुंचे दमकलकर्मियों ने मकान के अंदर लगी आग पर काबू पाने के लिए काफी देर तक मशक्कत की। बंद मकान के भीतर आग बुझाने और उसे दूसरे हिस्सों तक फैलने से रोकने के लिए टीम को सावधानी के साथ काम करना पड़ा। दमकलकर्मियों के लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि मकान के अंदर आग बुझाने के दौरान किसी के मौजूद होने की जानकारी सामने नहीं आई।

खतौली में मदरसे से लापता हुए दो मासूम छात्र: दुकान पर सामान लेने गए थे, पुलिस तलाश में जुटी

बागपत जिले के रहने वाले हैं 11 व 13 वर्षीय दोनों बच्चे

खतौली (मुजफ्फरनगर)। मुजफ्फरनगर जिले के खतौली स्थित भूड़ क्षेत्र के मोहल्ला इस्लामाबाद में संचालित मदरसा फैजान उस्माने गनी से दो नाबालिग छात्र अचानक लापता हो गए हैं। रविवार को दुकान से सामान लेने निकले दोनों छात्र जब देर शाम तक वापस नहीं लौटे, तो मदरसा प्रशासन में हड़कंप मच गया। मदरसा प्रबंधक ने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर छात्रों की तलाश शुरू कर दी है। दुकान पर सामान लेने गए थे दोनों मासूम मदरसा प्रबंधक मोहम्मद सुहैल के अनुसार, 11 वर्षीय मोहम्मद अली और 13 वर्षीय समीर मदरसे में ही आवासीय



खतौली में मदरसे से लापता हुए दो मासूम छात्र

व्यवस्था के तहत रहकर पढ़ाई कर रहे थे। रविवार को दोनों छात्र मोहल्ले में ही स्थित एक स्थानीय दुकान से कुछ सामान खरीदने के लिए निकले थे, लेकिन इसके बाद वापस नहीं आए। काफी देर तक लौटने पर मदरसे के कर्मचारियों ने आसपास के इलाकों में उनकी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। लापता मासूमों में मोहम्मद अलीः निवासी ग्राम चौबली, थाना छपरौली (जनपद बागपत) और समीरः निवासी ग्राम जलालपुर, थाना बड़ौत (जनपद बागपत) शामिल हैं। परिजनों के साथ थाने पहुंचे प्रबंधक, केस दर्ज छात्रों के अचानक गायब होने की सूचना तुरंत बागपत स्थित उनके परिजनों को दी गई। सोमवार को मदरसा प्रबंधक और चिंतित परिजन खतौली कोतवाली पहुंचे और पुलिस को पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए लिखित तहरीर सौंपी। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी दिनेश चंद ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर दोनों छात्रों की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। पुलिस की विशेष टीमें गठित कर दी गई हैं, जो आसपास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही हैं।

बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की छात्रा की मौत से मचा हड़कंप, कमरे में मिला शव

–चतुर्थ वर्ष में पढ़ रही छात्रा की मौत के मामले में पुलिस ने शुरू की जांच, फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जुटाए साक्ष्य, उच्चाधिकारियों ने भी किया निरीक्षण

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के बेगराजपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष की छात्रा की मौत का मामला सामने आने से कॉलेज परिसर में हलचल मच गई। सोमवार को छात्रा का शव उसके कमरे में मिला। पुलिस को सूचना दी गई कि छात्रा ने अपने कमरे में आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही मंसूरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस के उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले





की जानकारी ली। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया। मेडिकल कॉलेज जैसे संस्थान में पढ़ने वाली छात्रा की मौत की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस के सामने सबसे पहले घटनास्थल का निरीक्षण करने, उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित करने और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया पूरी करने की जिम्मेदारी थी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और फोरेंसिक विशेषज्ञों की सहायता से साक्ष्य संकलित कराए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस पुलिस के अनुसार थाना मंसूरपुर को बेगराजपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष की छात्रा द्वारा अपने कमरे में आत्महत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को भी जानकारी दी गई, जिसके बाद उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

संपादकीय

जवाबदेही की कमी, हादसों से सबक लेने को तैयार नहीं व्यवस्था

हैरानी की बात है कि अमूमन हर ऐसे हादसे के कारणों के समान होने के बावजूद कहीं कोई एहतियात नहीं देखी जाती। एक हादसे की त्रासदी का सबक हर हाल में यह होना चाहिए कि अगली बार सभी स्तर पर इस तरह के इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि आए दिन होने वाले हादसों और उसमें लोगों के मारे जाने की घटनाओं के बावजूद किसी को भी सावधानी बरतना या याद रखना जरूरी नहीं लगता। खासतौर पर धार्मिक आयोजनों में अक्सर ऐसी लापरवाही आम देखी जा रही है, जिसमें हादसों की आशंका के बावजूद थोड़ी भी एहतियात नहीं बरती जाती।सवाल है कि इस तरह की लापरवाही के लिए क्या कभी किसी को जिम्मेदार ठहराया जाता है या कुछ भी ऐसा किया जाता है, ताकि आगे ऐसी घटना न हो? कोलकाता के एक प्रमुख दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार को हुई भगदड़ में उन्नीस लोगों के मरने और कम से कम पच्चीस के घायल होने की खबर ने एक बार फिर यही साबित किया है कि कार्यक्रम के आयोजकों से लेकर पुलिस-प्रशासन या सरकार तक को कोई फिक्र नहीं है कि मामूली गलती भी कितने बड़े हादसे की वजह बन सकती है।विडंबना यह है कि ऐसी हर घटना के बाद सरकार की ओर से हादसे के कारणों की जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई, पीड़ितों या उनके परिजनों को राहत या मुआवजा आदि की घोषणा करने में तो तत्परता दिखाई जाती है, लेकिन ऐसी त्रासदी न हो, इसका पूर्व-इंतजाम करने को लेकर कोई गंभीरता या संवेदनशीलता नहीं दिखाई देती।खबरों के मुताबिक, कोलकाता के चोरबागान पूजा पंडाल में काफी संख्या में लोग जमा थे और लोगों के आने-जाने का तांता लगा हुआ था, लेकिन इसी बीच लाउडस्पीकर से कोई घोषणा की गई, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों में भारी अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। इसके बाद लोगों के सामने केवल खुद को बचाने के लिए वहां से निकलने की कोशिश करने का विकल्प ही बचा था, जिसकी संभावना वहां की संकरी जगह और भीड़ की वजह से बेहद कम थी। जाहिर है, बचने की कोशिश में स्थिति और बिगड़ती गई, नतीजतन, उन्नीस लोगों की जान चली गई।ऐसा लगता है कि धार्मिक आयोजनों या स्थलों पर ज्यादा से ज्यादा लोगों के जमा होने की उम्मीद तो की जाती है, उसके लिए कई बार प्रचार अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन वहां की व्यवस्था के चाक-चौबंद होने को लेकर किसी भी स्तर पर ध्यान रखना अनिवार्य नहीं समझा जाता। देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर किसी धार्मिक आयोजन या स्थल पर या फिर राजनीतिक रैलियों में सिर्फ लापरवाही और संवेदनहीनता की वजह से होने वाली भगदड़ में लोगों की जान जाने की खबरें आती रहती हैं।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफा की मांग, विपक्ष का हठ और संस्थाओं की साख

(अशोक भाटिया)

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के भीतर समय-समय पर क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच वैचारिक और सीटों के बंटवारे को लेकर अंतर्विरोध उभरते रहते हैं। ऐसे समय में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक साझा, राष्ट्रीय और भावनात्मक रूप से संवेदनशील मुद्दे की आवश्यकता होती है।

भारतीय लोकतंत्र का सबसे मजबूत खंभा उसकी निष्पक्ष चुनाव प्रणाली रही है। वैश्विक पटल पर जब भी भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की मिसाल दी जाती है, तो निर्वाचन सदन यानी भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका को अग्रिम पंक्ति में रखा जाता है। किंतु, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर वर्तमान में जो अभूतपूर्व राजनीतिक और संवैधानिक गतिरोध पैदा हुआ है, उसने इस प्रतिष्ठित संस्था की निष्पक्षता को इतिहास के सबसे गंभीर दोराहे पर ला खड़ा किया है। देश की राजनीति इस समय इस सवाल को लेकर सुलग रही है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा मांगना कांग्रेस और समूचे विपक्ष की एक सैद्धांतिक लड़ाई है, या फिर यह उनकी सोची-समझी राजनीतिक विवशता और नैरेटिव सेट करने की मजबूरी का हिस्सा है? केरल विधानसभा द्वारा देश के इतिहास में पहली बार किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए प्रस्ताव पारित करना और कांग्रेस द्वारा सड़कों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मोर्चा खोलना यह दर्शाता है कि यह विवाद महज एक प्रशासनिक विसंगति नहीं, बल्कि एक गहरे राजनीतिक संग्राम का रूप ले चुका है।

इस विवाद की शुरुआत द इंडियन एक्सप्रेस की एक खोजी रिपोर्ट से हुई, जिसने निर्वाचन आयोग के भीतर के बंद दरवाजों के मतभेदों को सार्वजनिक कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, मतदाता सूची के व्यापक पुनरीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर आयोग के भीतर ही गहरा बिखराव था। दावा किया गया कि अन्य दो चुनाव आयुक्तों–सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी–ने पिछले 10 महीनों में मतदाता सूची से नाम हटाने, नए नाम जोड़ने और डेटा प्रबंधन की प्रक्रियाओं पर करीब 14 बार औपचारिक और लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। लोकतंत्र का स्थापित नियम और सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस यह स्पष्ट करती हैं कि निर्वाचन आयोग में कोई भी निर्णय बहुमत या सर्वसम्मति से होना चाहिए। विपक्ष का सीधा आरोप है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अन्य आयुक्तों की चिंताओं और आपत्तियों को दरकिनार करते हुए एकतरफा फैसले लिए। जब किसी संवैधानिक संस्था के भीतर ही इस स्तर का आंतरिक असंतोष और अविश्वास सतह पर आ जाए, तो उसकी साख पर उंगलियां उठना स्वाभाविक है। गविपक्ष के इस उग्र आंदोलन के केंद्र में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की प्रक्रिया है। इस कवायद के तहत देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों से लगभग 13.30 करोड़ नामों को हटा दिया गया है, जो भारत के कुल मतदाता वर्ग का लगभग 13 प्रतिशत है। चुनाव आयोग का तर्क है कि यह प्रक्रिया बोगस, दोहरे और अपात्र मतदाताओं को हटाने तथा सूची को शुद्ध करने के लिए की गई वैधानिक प्रशासनिक कार्रवाई है। इसके विपरीत, कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इसे कृत्रिम हेरफेर और वोट चोरी की संज्ञा दे रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए जानबूझकर एक निश्चित वर्ग और विपक्ष के पारंपरिक झुकाव वाले मतदाताओं के नाम काटे गए हैं ताकि आगामी चुनावों के परिणामों को प्रभावित किया जा सके। राहुल गांधी का दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शन, पुलिस द्वारा उन्हें हिरासत में लिया जाना और शशि थरूर जैसे नेताओं द्वारा संसद में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाने की चेतावनी यह स्पष्ट करती है कि विपक्ष इस मुद्दे को तार्किक परिणति तक ले जाने के लिए आमादा है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प और सूक्ष्म पहलू यह है कि आखिर कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर इस कदर क्यों अड़ी है? क्या ज्ञानेश कुमार का पद से हट जाना ही इस समस्या का अंतिम समाधान है? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस आक्रामक रुख के पीछे कांग्रेस की रणनीतिक और राजनीतिक मजबूरियां छिपी हुई हैं। लगातार चुनावी चुनौतियों और कई राज्यों में सत्ता से बाहर रहने के बाद, कांग्रेस के लिए अपने कार्यकर्ताओं के भीतर यह विश्वास जगाना जरूरी है कि उनकी वैचारिक या सांगठनिक कमजोरी के कारण पराजय नहीं हो रही है। ज्ञानेश कुमार पर सीधा और तीखा हमला करके राहुल गांधी देश के मानस में यह नैरेटिव सेट करने में सफल हो रहे हैं कि हम चुनाव मैदान में परास्त नहीं हो रहे, बल्कि सरकारी मशीनरी और चुनाव आयोग के तंत्र का दुरुपयोग करके हमें जानबूझकर हरवाया जा रहा है। यदि भविष्य में ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दे देते हैं, तो विपक्ष इसे अपनी बहुत बड़ी नैतिक जीत बताएगा और यह साबित करने



की कोशिश करेगा कि पूरी चुनावी प्रक्रिया ही दूषित थी।

इसके साथ ही, विपक्षी गठबंधन इंडिया के भीतर समय-समय पर क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच वैचारिक और सीटों के बंटवारे को लेकर अंतर्विरोध उभरते रहते हैं। ऐसे समय में भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक साझा, राष्ट्रीय और भावनात्मक रूप से संवेदनशील मुद्दे की आवश्यकता होती है। मतदाता के अधिकार और वोट की चोरी एक ऐसा संवेदनशील विषय है, जिस पर वामपंथी दलों, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और आम आदमी पार्टी समेत पूरा विपक्ष आंख मूंदकर एक सुर में खड़ा हो सकता है। कांग्रेस के लिए इस आंदोलन का नेतृत्व करना गठबंधन के भीतर अपनी धुरी वाली भूमिका को बनाए रखने की विवशता भी है।

इसके अतिरिक्त, राहुल गांधी ने 2023 में पारित उस कानून (मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023) की धारा 16 को विशेष रूप से निशाने पर लिया है, जो चुनाव आयुक्तों को उनकी सेवा के दौरान और बाद में किसी भी कानूनी जांच या अदालती कार्यवाही से पूर्ण उन्मुक्ति (ब्लैकेट इम्युनिटी) प्रदान करता है। विशेषज्ञों ने भी सवाल उठाए हैं कि ऐसा संरक्षण तो राष्ट्रपति या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को भी प्राप्त नहीं है। कांग्रेस इस सुरक्षा कवच को लोकतांत्रिक जवाबदेही के सिद्धांत के खिलाफ बताकर सरकार की मंशा पर सीधे सवाल उठा रही है।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे हार के डर से पैदा हुई हताशा करार दिया है। भाजपा का तर्क है कि चुनाव आयोग एक बहु-सदस्यीय संस्था है, जहां विचारों की भिन्नता और आंतरिक आपत्तियां एक स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण हैं, न कि किसी साजिश का हिस्सा। लाखों बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किए गए सत्यापन को वोट चोरी कहना उन जमीनी कर्मचारियों के परिश्रम का अपमान है।

इसके अलावा, संवैधानिक दृष्टिकोण से देखें तो मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाना कोई सरल खेल नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल उसी रीति और उन्हीं आधारों पर हटाया जा सकता है, जैसे सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को (यानी संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित करके)। वर्तमान संसद के संख्या बल को देखते हुए विपक्ष के लिए महाभियोग को तार्किक परिणति तक पहुंचाना व्यावहारिक रूप से असंभव है। इसके बावजूद, यदि विपक्ष सड़कों पर पुतले फूंक रहा है और संसद ठप करने की चेतावनी दे रहा है, तो उसका लक्ष्य ज्ञानेश कुमार को हटाना कम, बल्कि उनके बहाने सरकार को जन-अदालत में कटघरे में खड़ा करना ज्यादा है।

अब यह गंभीर और संवेदनशील विवाद देश की सर्वोच्च अदालत की चौखट पर पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल निलंबित करने के अंतरिम आदेश से तो इनकार कर दिया है, लेकिन केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। माननीय अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि आयोग के भीतर आम सहमति या बहुमत के नियमों की अनदेखी कर एकतरफा फैसले लेने के साक्ष्य मिलते हैं, तो न्यायालय उन फैसलों की समीक्षा करने या उन्हें वापस लेने पर विचार कर सकता है। यह रुख इस बात का संकेत है कि न्यायपालिका इस संस्था की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर गंभीर है।

अंततः, लोकतंत्र केवल संख्याओं, बहुमत के आंकड़ों या संसद की सीटों का जोड़-घटाव नहीं है। लोकतंत्र की आत्मा देश की संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और उन संस्थाओं के प्रति आम नागरिक के अटूट विश्वास में बसती है। यदि मुख्य चुनाव आयुक्त और मतदाता सूची की पूरी प्रक्रिया ही हर चुनाव से पहले संदेह के कोहरे में घिर जाएगी, तो जनता का इस पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही भरोसा उठ जाएगा। ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा भले ही कांग्रेस के लिए चुनावी नैरेटिव की एक मजबूरी हो, लेकिन चुनाव आयोग की आंतरिक शुचिता और पारदर्शिता को बहाल करना भारतीय लोकतंत्र की महती आवश्यकता है।

कथाकारों और प्रवचनकर्ताओं की ताकत- कैसे सदियों से भारतीय समाज को जोड़ रही है यह परंपरा?

(राकेश सिन्हा)

जेएल ऑस्टिन की 1955 में एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक प्रकाशित हुई थी, जिसका नाम था 'हाउ टू डू थिंग्स विद वर्ड्स'। यह पुस्तक उनके विलियम जेम्स व्याख्यान पर आधारित थी। उन्होंने इसमें कहा है- 'किसी कथन का उच्चारण करना ही एक क्रिया है।'

कथाकारों और प्रवचनकर्ताओं की भूमिका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में राजनेताओं, शिक्षाविदों, बौद्धिकों के सम्मिलित योगदानों से अधिक है। यह और बात है कि भारत के सामाजिक अध्ययन केंद्रों या विश्वविद्यालयों ने कथाकारों और प्रवचनकर्ताओं की भूमिका और प्रभाव पर शोध की आवश्यकता नहीं समझी है। यह अपने आप में भारत के समाजशास्त्र का एक आकलन भी है। अगर हुआ भी है तो बहुत ही विशिष्ट संदर्भों में। कथाकारों या प्रवचनकर्ताओं की बोली सुनने सैकड़ों लोग बिना किसी प्रचार-प्रसार के एकत्रित होते हैं।

श्रोताओं में अनुशासन और ग्रहणशीलता दोनों होती हैं। वे धार्मिक ग्रंथों, रामायण, महाभारत, पुराणों, उपनिषदों, भगवद्गीता आदि की कथाओं और संदेशों को रोचक बनाकर परोसते हैं। उसमें प्रासंगिकता का भी बोध होता है। वर्तमान संकट, चाहे वह नवउदारवाद से प्रताड़ित होता हमारा जीवन है, जिसे न छोड़ते बनता है, न उसमें चैन का अनुभव होता है, या नशीले पदार्थों का तेजी से हो रहा संक्रमण- इन सब बातों पर सरस और प्रभावी आख्यान लोग सुनते हैं। जिन्होंने कभी नहीं सुना या सिर्फ सोशल मीडिया पर कुछ पंक्तियों या उनके कथनों को सुना, वे उस प्रवचन के वातावरण और प्रभाव के दायरे की कल्पना नहीं कर सकते हैं। उन्हें तो वे आध्यात्म का सिर्फ 'मौखिक साक्षर' मानेंगे।

जेएल ऑस्टिन की 1955 में एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक प्रकाशित हुई थी, जिसका नाम था 'हाउ टू डू थिंग्स विद वर्ड्स'। यह पुस्तक उनके विलियम जेम्स व्याख्यान पर आधारित थी। उन्होंने इसमें कहा है- 'किसी कथन का उच्चारण करना ही एक क्रिया है।' यानी बोले गए शब्दों में कर्म कराने के प्रभाव की एक छिपी हुई ताकत होती है।

प्रश्न उठता है हम शब्दों को कैसे, कब, कहां और क्यों उपयोग करते हैं। भारत के राजनीतिकों को प्रवचन पंडाल के उद्घाटन से अधिक का वक्त नहीं होता है। एकाध प्रवचन सुनना उनकी जिह्वा और मानस, दोनों के लिए स्वास्थ्यवर्धक रहेगा।

भारत की यह एक आध्यात्मिक-बौद्धिक परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है। सबसे सुखद बात है कि युग बदलते गए, लेकिन परंपरा जीवित रही। अनेक लोग जो उच्च शिक्षा में पारंगत रहे, इस प्रवचन-कथा की विद्या से जुड़ रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार इनकी संख्या देश में एक लाख के आसपास है। इसकी एक विशेषता है। यह एक केंद्र से संचालित नहीं है। बहुकेंद्रित और बहुआयामी है। विकेंद्रीकरण किसी समाज या व्यवस्था की कमजोरी नहीं, ताकत होती है। वह उसकी आयु को बढ़ाती है और उसमें नयापन लाती है। यही विकेंद्रीकरण अध्यात्म में है। इसमें संपर्क का दायरा बढ़ाना और शक्तिशाली बनाने के नाम पर एकत्रित करना इस परंपरा के साथ विश्वासघात है।

वे जंगल के पेड़-पौधों की तरह हैं। ये स्वयं विकसित, प्रस्फुटित और पोषित होते हैं। उन्हें बगीचा बनाना उन पर दासत्व थोपना है। फिर उसका स्वाभाविक सुगंध समाप्त हो जाता है। इनकी एक और विशेषता है। वे आलोचनात्मक दृष्टि से कथाओं की व्याख्या करते हैं। भारतीय अध्यात्म की यह अद्भुत ताकत है। आलोचनात्मक चिंतन ही इसे अप्रासंगिक या अप्रभावी नहीं होने देता है। यह विशिष्टता भारत के अकादमिक और सामाजिक-राजनीतिक जीवन में न्यूनता बन जाने के कारण न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई है। इसलिए प्रवचनकर्ताओं एवं कथाकारों को सिर्फ धर्मग्रंथों का 'प्रेस वक्तव्य' समझना भूल होगी।

समय-समय पर उनकी भूमिका भी बदलती रहती है। समर्थ रामदास भजन-कीर्तन-प्रवचन से लोगों में स्वदेश के प्रति सम्मान और त्याग को जगा रहे थे, तो कबीर अपने समय में सामाजिक संकीर्णताओं से समाज को बाहर करने, मीरा व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए हठी होने का संदेश दे रही थीं। इनमें स्वतंत्रता, समानता और न्याय तीनों पक्षों का साक्षात्कार होता है। कथाकार/प्रवचनकर्ता जिस स्थान पर बैठते हैं, उसे 'व्यास पीठ' कहते हैं। यह वेद व्यास द्वारा ज्ञान को बचाकर रखने, उपयोगी बनाकर परोसने और उसमें वृद्धि करने के भाव का सूचक है।

ग्रामीण अंचलों में महीने-महीने भर यह क्रम चलता रहता है। उन्हें देखकर-सुनकर प्रश्न उठता है कि जितना स्वाध्याय, चिंतन-मनन और अभ्यास वे करते हैं, उसका कितना अंश शिक्षा से प्रत्यक्ष जुड़े लोग कर रहे हैं। अगर ऑस्टिन इन लोगों के बीच आते, तो उनकी पुस्तक और भी धारदार बन जाती। केरल में जुलाई-अगस्त के महीने को कर्क किदम (रामायण मास) के नाम से जानते हैं, तो असम में भाओना और मणिपुर में लाय हाराओबा। राजनीति में वामपंथ-दक्षिणपंथ का एक विभाजन रहा है।

करोड़ों नए शिक्षक ही काफी नहीं, शिक्षण कौशल भी जरूरी

भारत में शिक्षा सुधारों की चर्चा लंबे समय से होती रही है। सरकारें अपने-अपने स्तर पर नई नीतियों, योजनाओं और शिक्षण मॉडलों की उपलब्धियां गिनाती हैं। दावा किया जाता है कि प्राथमिक शिक्षा तक बच्चों की पहुंच बढ़ी है, विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है और शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार आया है। इन उपलब्धियों का महत्त्व असंदिग्ध है, लेकिन शिक्षा की सफलता का आकलन केवल नामांकन के आंकड़ों से नहीं किया जा सकता।

(सुरेश सेठ)

संदेश साफ है कि शिक्षा में क्रांति के दावे तभी सार्थक होंगे, जब वे कक्षाओं की वास्तविकता में दिखाई दें और हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर मिले। भारतीय समाज में शिक्षा को केवल डिग्री हासिल करने या रोजगार पाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण की बुनियाद माना गया है। मगर बदलती दुनिया में शिक्षा का अर्थ और उसकी जरूरतें तेजी से बदल रही हैं। डिजिटल तकनीक, कृत्रिम मेधा (एआइ), जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आर्थिक असमानता और रोजगार के नए स्वरूप ने शिक्षण व्यवस्था के सामने ऐसी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, जिनका सामना पुराने पाठ्यक्रमों और परंपरागत तरीकों से संभव नहीं है।

यूनेस्को की शिक्षा संबंधी नई रिपोर्ट इसी बदलाव की ओर ध्यान दिलाती है। संदेश साफ है कि शिक्षा में क्रांति के दावे तभी सार्थक होंगे, जब वे कक्षाओं की वास्तविकता में दिखाई दें और हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के समान अवसर मिले।

भारत में शिक्षा सुधारों की चर्चा लंबे समय से होती रही है। सरकारें अपने-अपने स्तर पर नई नीतियों, योजनाओं और शिक्षण मॉडलों की उपलब्धियां गिनाती हैं। दावा किया जाता है कि प्राथमिक शिक्षा तक बच्चों की पहुंच बढ़ी है, विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है और शिक्षक-छात्र अनुपात में सुधार आया है।

इन उपलब्धियों का महत्त्व असंदिग्ध है, लेकिन शिक्षा की सफलता का आकलन केवल नामांकन के आंकड़ों से नहीं किया जा सकता। असली सवाल यह है कि कितने बच्चे नियमित रूप से विद्यालय पहुंचते हैं, कितने पढ़ाई पूरी करते हैं और कितने बदलते समय की जरूरतों के अनुरूप ज्ञान हासिल कर पाते हैं। बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की समस्या गंभीर है। आर्थिक विवशता अनेक बच्चों को बाल श्रम या घरेलू कामकाज की ओर धकेल देती है। इससे शिक्षा का अधिकार कागज पर तो सुरक्षित दिखाई देता है, लेकिन उसका वास्तविक लाभ हर बच्चे तक नहीं पहुंच पाता।

इसी तरह, विद्यालयों में स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता के दावों के बीच शौचालयों की कमी, जर्जर इमारतें और संसाधनों का असमान वितरण चिंता पैदा करते हैं। कहीं एक शिक्षक कई कक्षाओं को संभाल रहा है, तो कहीं शिक्षकों और विद्यार्थियों में संतुलन नहीं है। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा करना कठिन है।

इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा पर पर्याप्त सार्वजनिक निवेश का अभाव है। लंबे समय से शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का छह फीसद खर्च करने की जरूरत पर जोर दिया जाता रहा है, लेकिन इस लक्ष्य को पूरी तरह हासिल नहीं किया जा सका है। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के निर्माण के लिए केवल नई घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। बजट, प्रशिक्षित शिक्षक, बेहतर विद्यालय भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं और डिजिटल सुविधाएं अनिवार्य हैं। सरकारी विद्यालयों को निजी स्कूलों के समकक्ष बनाना है, तो संसाधनों की खाई पाटनी होगी। गरीब परिवारों के बच्चों को भी वही अवसर मिलने चाहिए, जो संपन्न बच्चों को उपलब्ध हैं।

आज शिक्षा का एक बड़ा उद्देश्य डिजिटल दुनिया के लिए नई पीढ़ी को तैयार करना है। कंप्यूटर, इंटरनेट और कृत्रिम मेधा अब केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित विषय नहीं रह गए हैं। इनका प्रभाव खेती, उद्योग, चिकित्सा, प्रशासन, व्यापार और दैनिक जीवन के लगभग हर क्षेत्र पर पड़ रहा है। डिजिटल स्मार्ट बोर्ड और आधुनिक उपकरण उपयोगी हैं, लेकिन तकनीक को शिक्षा का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। उसका वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब शिक्षक प्रशिक्षित हों और तकनीकी संसाधनों तक सबकी पहुंच सुनिश्चित की जाए।

देश की बड़ी आबादी गांवों में रहती है, जहां अनेक स्थानों पर इंटरनेट की गुणवत्ता, बिजली की नियमित आपूर्ति और आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता अब भी चुनौती है। यदि डिजिटल शिक्षा को समान अवसर का माध्यम बनाना है, तो गांवों में दूरसंचार नेटवर्क, बिजली और तकनीकी सहायता का विस्तार करना होगा। अन्यथा, डिजिटल क्रांति शिक्षा में मौजूद असमानता को कम करने के बजाय और गहरा सकती है।

यूनेस्को की रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक दुनिया को करोड़ों अतिरिक्त शिक्षकों की जरूरत की ओर संकेत किया गया है। यह जरूरत केवल नए शिक्षकों की भर्ती तक सीमित नहीं है। सेवानिवृत्ति, पेशे से बाहर निकलने वाले शिक्षकों और बढ़ते शैक्षिक दायित्वों के कारण पैदा होने वाली रिक्तियों को भरने के साथ मौजूदा शिक्षकों को भी नए कौशलों से लैस करना होगा। पुराने पाठ्यक्रमों, पुस्तकों और परीक्षा प्रणालियों में बदलाव तभी कारगर होगा, जब शिक्षक इन बदलावों को समझें और कक्षा में लागू करने की क्षमता रखें।

इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण को नियमित और व्यावहारिक बनाना होगा। शिक्षक ज्ञान के मार्गदर्शक, आलोचनात्मक सोच के विकासकर्ता और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सहभागी हैं। इसके लिए उन्हें सम्मानजनक वेतन, सुरक्षित कार्य परिस्थितियां और पेशेवर विकास के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। यदि समान योग्यता वाले अन्य पेशों की तुलना में शिक्षकों को कम वेतन और सीमित सुविधाएं मिलेंगी, तो प्रतिभाशाली युवाओं को इस पेशे की ओर आकर्षित करना कठिन होगा।

बदलती शिक्षा व्यवस्था को जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से भी जोड़ना होगा। अनियमित वर्षा, बाढ़, सूखा और चरम मौसमी घटनाएं जनजीवन तथा आजीविका को प्रभावित कर रही हैं। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इन परिवर्तनों की समय रहते जानकारी और उनके प्रभावों की समझ विशेष महत्त्व रखती है। विद्यार्थियों को पर्यावरणीय जागरूकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आपदा से निपटने के कौशल सिखाने चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार के लिए तैयार करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है।

इसी के साथ समावेशन और लैंगिक समानता को भी शिक्षा के केंद्र में रखना होगा। प्रवासन और विस्थापन के कारण जिन बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है, उनके लिए लचीली व्यवस्था विकसित करनी होगी। विद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहां किसी बच्चे की आर्थिक स्थिति, सामाजिक पृष्ठभूमि या लैंगिक पहचान उसके सीखने के अवसरों में बाधा न बने।

एक और महत्त्वपूर्ण प्रश्न शिक्षा और रोजगार के संबंध का है। आज अनेक युवा डिग्रियां हासिल करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नई अर्थव्यवस्था में केवल प्रमाणपत्र पर्याप्त नहीं होंगे। व्यावहारिक कौशल, समस्या समाधान, संवाद क्षमता और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति भी जरूरी होगी। उच्च शिक्षा तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ इंटर्नशिप और पढ़ाई के दौरान अंशकालिक काम के अवसर विकसित किए जा सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को अनुभव मिलेगा और आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को पढ़ाई जारी रखने में मदद मिलेगी। हालांकि, काम और पढ़ाई के बीच संतुलन ऐसा होना चाहिए कि आर्थिक मजबूरी शिक्षा में बाधा न बने। भारत में पंजाब जैसे राज्यों के सामने अब चुनौती केवल अधिक बच्चों को विद्यालय तक पहुंचाने की नहीं, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और भविष्योपयोगी शिक्षा देने की है। शिक्षा क्रांति का वास्तविक प्रमाण चमकदार आंकड़े नहीं, बल्कि वह बच्चा होगा जो आर्थिक अभाव के बावजूद पढ़ सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर पाए। यही वह आधार है, जिस पर आधुनिक, समतामूलक और आत्मनिर्भर भारत की इमारत खड़ी हो सकती है।

थानाभवन के दयाल आश्रम में शस्त्र पूजन कर स्वयंसेवकों ने दिया हिंदू एकता और राष्ट्र रक्षा का संदेश

संघ के स्थापना दिवस पर हुआ बौद्धिक कार्यक्रम, हेडगेवार चौक पर स्वयंसेवकों ने किया दंड अभ्यास



थानाभवन। विजयदशमी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस के अवसर पर कस्बे के दयाल आश्रम में शस्त्र पूजन और बौद्धिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन कर सत्य की विजय, सामाजिक एकता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संकल्प लिया। इस दौरान संघ के विचारों, संगठन की भूमिका तथा वर्तमान समय में समाज को एकजुट रखने के महत्व पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के बाद स्वयंसेवकों ने अनुशासित तरीके से पथ संचलन करते हुए हेडगेवार चौक पर दंड अभ्यास किया। कार्यक्रम में सह विभाग शारीरिक प्रमुख रविंद्र ने बौद्धिक संबोधन देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी। विजयदशमी के अवसर पर शस्त्र पूजन की परंपरा सत्य की असत्य पर विजय और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हिंदू समाज की एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। राष्ट्र की मजबूती के लिए समाज का संगठित होना जरूरी है। स्वयंसेवकों को अपने आचरण, अनुशासन और सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देना चाहिए। उन्होंने संघ के उद्देश्यों और राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों पर भी प्रकाश डाला। बौद्धिक कार्यक्रम के बाद स्वयंसेवक दो पंक्तियों में अनुशासित तरीके से एकत्रित होकर दयाल आश्रम से कस्बे के बाजार स्थित हेडगेवार चौक की ओर रवाना हुए। यहां स्वयंसेवकों ने दंड अभ्यास किया। शारीरिक प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने अनुशासन, एकजुटता और संगठनात्मक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह शिवम ने किया, जबकि अध्यक्षता कर रहे अखिल तायल ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। उन्होंने भी संगठन, अनुशासन और सामाजिक दायित्वों के महत्व पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर राकेश कंबोज, कुशल सिंघल, मोंटी सैनी, कृष्ण कुमार, अमित, भारत भूषण, शालू राणा, बिन्नी राणा, संजय कश्यप और प्रदीप राणा सहित अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के संकल्प के साथ हुआ।

थानाभवन में धूमधाम से मनाया गया दशहरा, रावण दहन देखने उमड़ी हजारों की भीड़

शाम छह बजे हुआ रावण के पुतले का दहन, जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा दशहरा मैदान



थानाभवन। असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक विजयदशमी का पर्व मंगलवार को थानाभवन में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। दशहरा पर्व पर आयोजित रावण दहन कार्यक्रम को देखने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। शाम छह बजे जैसे ही बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया, पूरा दशहरा मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान लोगों में भारी उत्साह देखने को मिला और हर कोई इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए उत्सुक नजर आया। दशहरा पर्व को लेकर थानाभवन में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा। रावण दहन स्थल पर शाम होते-होते लोगों की भारी भीड़ जुट गई। परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने मेले का आनंद लिया। बच्चों में रावण दहन को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। जैसे ही रावण के पुतले में आग लगाई गई, उपस्थित लोगों ने जय श्रीराम के उद्घोष के साथ बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव मनाया। दशहरा मेले में लगी चाट-पकौड़ी, खिलौनों और विभिन्न प्रकार के सामान की दुकानों पर लोगों की खूब चहल-पहल रही। बच्चों ने खिलौनों की खरीदारी की, जबकि महिलाओं और पुरुषों ने मेले में लगी दुकानों पर खरीदारी कर पर्व का आनंद उठाया। पूरे क्षेत्र में मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। रावण दहन के दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रावण दहन कार्यक्रम के अवसर पर समाजसेवी अनमोल गर्ग, आशीष सिंघल, शिवम गोयल, शालू राणा, सुभाष सिंघल और भारत भूषण सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने सहभागिता की। भीड़ को देखते हुए दशहरा मैदान पर पुलिस एवं पीएसी के जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। पुलिसकर्मी पूरे कार्यक्रम के दौरान मुस्तैद रहे, जिससे रावण दहन और मेले का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। विजयदशमी का पर्व लोगों को सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने तथा बुराइयों का त्याग करने का संदेश देकर संपन्न हुआ।

शस्त्र पूजन हमारी प्राचीन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा: हिमांशु शर्मा

विश्व हिंदू परिषद के जिला कार्यालय पर हवन-यज्ञ और शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित



शामली। विश्व हिंदू परिषद के शामली जिला कार्यालय पर मंगलवार, 20 अक्टूबर को हवन-यज्ञ एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ कर समाज, राष्ट्र और धर्म की उन्नति एवं कल्याण की कामना की गई। इस-के साथ ही शस्त्र पूजन कर हिंदू संस्कृति, परंपराओं और धर्मरक्षा के संकल्प को मजबूत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के लक्ष्मीनगर विभाग के विभाग सह मंत्री हिमांशु शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि शस्त्र पूजन हमारी प्राचीन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह शस्त्रों के प्रति सम्मान के साथ-साथ समाज, राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। शस्त्र पूजन का उद्देश्य हिंसा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि आत्मरक्षा, अनुशासन, साहस और कर्तव्यबोध की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान संगठन की एकजुटता, सामाजिक जागरूकता तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया गया। उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए संकल्प लिया। कार्यक्रम के संयोजक नगर मंत्री रीतिक अरोरा रहे, जबकि मुख्य यजमान संगठन मंत्री शुभम रहे। इस दौरान जिला मंत्री शालू राणा, जिला सह मंत्री रवि कुमार, जिला उपाध्यक्ष परवीन चौहान, जिला उपाध्यक्ष भारतभूषण, जिला संयोजक राहुल, सह संयोजक अर्जुन, जिला सेवा प्रमुख विनोद राणा सहित आर्यन, आयुष, यश, अनुज, अमन, वैभव एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

8वीं वाहिनी एनडीआरएफ में श्रद्धा, शौर्य एवं उल्लास के साथ मनाया गया विजयादशमी पर्व





गाजियाबाद। कमला नेहरू नगर स्थित 8वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआ-रएफ), गाजियाबाद परिसर में विजयादशमी का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातःकाल विधिवत शस्त्र पूजन किया गया। इसके उपरांत बैंड-बाजे एवं ढोल-नगाड़ों के साथ माता रानी की भव्य झांकी निकाली गई। जिसमे वाहिनी के समस्त अधिकारीगण, रेस्क्यूअर, उनके परिवारजन एवं बच्चे उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए। सायंकाल रावण के पुतले का दहन किया जाएगा, जो बुराई पर अच्छाई तथा असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इस अवसर पर वाहिनी के कमांडेंट श्री सुदेश कुमार ने सभी रेस्क्यूअर एवं उनके परिवारजनों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह पर्व भारतीय संस्कृति में वीरता, शौर्य एवं धर्म के प्रति आस्था का संदेश देता है। कमांडेंट महोदय ने आगे कहा कि एनडीआरएफ केवल एक बल ही नहीं, बल्कि एक परिवार है,

जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक विविधताओं का सम्मान करते हुए सभी त्योहार आपसी सौहार्द, एकता एवं भाईचारे के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाए जाते है।

मेरठ.सहारनपुर खंड स्नातक चुनाव सपा के प्रमेंद्र भाटी को मिला प्रत्याशी प्रदीप सैनी का समर्थन



मेरठ.सहारनपुर मंडल स्नातक चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी रहे प्रदीप सैनी एवं उनकी टीम के सदस्यों ने पूर्व सपा जिलाध्यक्ष श्यामलाल बच्ची सैनी (चुनाव प्रभारी स्नातक मंडल के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी एडवोकेट प्रमेंद्र भाटी को अपना समर्थन दिया। गौरतलब है कि निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप सैनी का नामांकन पत्र निरस्त हो गया था। इसके बाद उन्होंने चुनाव लड़ा रही अपनी टीम के साथ समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी एडवोकेट परमिंदर भाटी को समर्थन देने का निर्णय लिया। सपा एमएलसी प्रत्याशी प्रमेंद्र भाटी व पूर्व सपा जिलाध्यक्ष व चुनाव प्रभारी श्यामलाल बच्ची सैनी ने प्रदीप सेनी व उनकी पूरी टीम का चुनाव में समर्थन के लिए आभार जताया।

गाजियाबाद के वैशाली में तीन स्पा सेंटरों पर छापेमारी, 20 महिलाएं रेस्क्यू, 11 लोग हिरासत में



गाजियाबाद। गाजियाबाद के वैशाली इलाके में कौशांबी पुलिस ने तीन स्पा सेंटरों पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की पुलिस ने मौके से 20 महिलाओं को रेस्क्यू किया, जबकि 11 लोगों को हिरासत में लिया है मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।एसीपी कौशांबी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि 19 अक्टूबर 2026 को थाना कौशांबी क्षेत्र में मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वैशाली स्थित तीन स्पा सेंटरों पर छापेमारी की। इस दौरान कुल 20 महिलाओं को रेस्क्यू किया गया और 11 लोगों को हिरासत में लिया गया। एसीपी सूर्य बली मौर्य ने बताया मामले में थाना कौशांबी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है रेस्क्यू की गई महिलाओं से पूछताछ की जा रही है, वहीं हिरासत में लिए गए लोगों के संबंध में जानकारी जु-टाई जा रही है पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। फिलहाल जांच के आधार पर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा रहा है।

मुश्किलों को पीछे छोड़ चमकीं मेरठ की प्रीति पाल: एशियन पैरा गेम्स में देश के लिए जीता सिल्वर

मेरठ। एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारतीय पैरा एथलीट प्रीति पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 200 मीटर टी-35 स्पर्धा में रजत पदक जीता। शहर में गंगानगर की रहने वाली प्रीति ने 29.53 सेकंड में दौड़ पूरी कर यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता की खास बात यह है कि उन्होंने पिछले एशियन पैरा गेम्स में चौथे स्थान पर रहने के बाद अपने प्रदर्शन में 2.66 सेकंड का सुधार किया है। वर्ष 2022 के एशियन पैरा गेम्स में प्रीति 32.19 सेकंड का समय निकाला था, जबकि इस बार 29.53 सेकंड में दौड़ पूरी कर पदक अपने नाम किया। प्रीति की यह उपलब्धि उनकी लगातार मेहनत, तकनीक में सुधार और मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है। अब उनकी नजर बुधवार को होने वाली महिलाओं की 100 मीटर टी-35 स्पर्धा पर है। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 1:45 बजे निर्धारित है। बचपन में झेली मुश्किलें, खेल ने दिखाई नई राह मुजफ्फरनगर के किसान परिवार में जन्मी प्रीति पाल के लिए जिंदगी की राह आसान नहीं रही। जन्म के कुछ ही दिन बाद उनके निचले शरीर पर प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। पैरों में कमजोरी और असामान्य बनावट के कारण उन्हें बचपन से ही कई शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने कैलिपर्स पहनना शुरू किया और करीब आठ साल तक उनका सहारा लिया। इन मुश्किलों के बावजूद प्रीति ने हार नहीं मानी। 17 वर्ष की उम्र में इंटरनेट मीडिया पर पैरालिंपिक खेलों को देखने के बाद उनके भीतर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का सपना जागा।

रंग संसार

जहां से विधायक हैं यूपी सीएम उस शहर की प्रति व्यक्ति आय कितनी, वाराणसी से कम या ज्यादा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में एक जिला है गोरखपुर। यह जिला इस लिए भी खास है क्योंकि यहीं से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधायक हैं। वह उत्तर प्रदेश विधानसभा में गोरखपुर शहरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इससे पहले वह 1998 से लेकर 2017 तक गोरखपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सांसद थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद वह विधायक बने और लगातार 9 साल से विधायक हैं। यह शहर पूर्वांचल क्षेत्र की राजनीति का एक मुख्य केंद्र हैं। यहीं से गोरखपुर प्रेस रामायण, महाभारत और गीता जैसी धार्मिक पुस्तकों का प्रकाशन करती है। यहां स्थिति गोरखनाथ मंदिर नाथ पंथ का एक प्रमुख केंद्र है। गोरखनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर गोरखपुर की प्रति व्यक्ति आय कितनी है? क्या इस शहर के लोग वाराणसी से ज्यादा अमीर हैं या नहीं। आइए जानते हैं। कितनी है गोरखपुर की प्रति व्यक्ति आय? उत्तर प्रदेश के अर्थ एवं सांख्य विभाग द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी किए गए डेटा के अनुसार गोरखपुर की प्रति व्यक्ति आय 106510 रुपये है। यानी यहां रहने वाले लोगों की औसत आय 106510 रुपये प्रति वर्ष है। वहीं, बात करें इस शहर की जीडीपी की तो इस शहर की जीडीपी 6365733 करोड़ रुपये है। गोरखपुर की प्रति व्यक्ति आय वाराणसी से ज्यादा या कम पीएम मोदी के सांसदी क्षेत्र वाराणसी की प्रति व्यक्ति आय 114685 रुपये है। वहीं, गोरखपुर की प्रति व्यक्ति आय 106510 रुपये है। यानी पर कैपिटा इनकम के मामले में वाराणसी, गोरखपुर से आगे है। वहीं, अगर वाराणसी की जीडीपी की बात करें तो इसकी जीडीपी 56899.78 करोड़ रुपये है। यानी जीडीपी के मामले में गोरखपुर आगे है।

राज कपूर

14 साल की मेहनत से बना था करीना कपूर का बेहद दर्दभरा गाना, आंखों में आंसू ला देता है कल्ट सॉन्ग

नई दिल्ली। बॉलीवुड के रोमांटिक या लव सॉन्ग्स के करोड़ों लोग दीवाने हैं क्योंकि इंडस्ट्री ने हर दिली अहसास पर कोई ना कोई धुन या गाना बनाया है जिससे आम लोग रिलेट कर पाते हैं। एक ऐसा ही गाना है करीना कपूर की फिल्म का जो बेहद मेलोडियस है और दिलचस्प बात ये है कि इसे परफेक्ट बनाने के लिए इस पर 14 सालों तक काम किया गया था। 14 सालों की मेहनत से बना दर्दभरा सॉन्ग करीना कपूर और शाहिद कपूर की रोमांटिक फिल्म 'जब वी मेट' के सभी गाने हिट हुए थे लेकिन 'आओगे जब तुम साजना' की म्यूजिक की दुनिया में एक अलग ही जगह है। ये गाना एक सैड सॉन्ग है लेकिन म्यूजिक प्रेमी इसके लिरिक्स, धुन और मेलोडी की काफी सराहना करते हैं। इसके लिरिक्स सीधा दिल को छूते हैं और धुन मन को सुकून पहुंचाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं इस गाने को कंपोज करने वाले म्यूजिशियन संदेश शांडिल्य ने इस गाने की धुन को निखारने में 14 साल लगा दिए? जिसके बाद आखिरकार यह गाना फिल्म में शामिल हो पाया। संदेश शांडिल्य ने इस गाने की शुरूआती धुन मूल रूप से 1993 में बनाई थी; यानी, 2007 की फिल्म 'जब वी मेट' में शामिल होने और पूरी तरह तैयार होने से पहले, यह धुन लगभग 14 सालों तक उनके पास रही। बाद में इम्तियाज अली को यह धुन बहुत पसंद आई और उन्होंने शांडिल्य से अपनी 2007 की रोमांटिक कॉमेडी 'जब वी मेट' के लिए इस गाने को पूरा करने को कहा। शांडिल्य का मानना था कि इसे केवल एक बेहतरीन क्लासिकल सिंगर ही गा सकता है, जिसने लंबे समय तक गहरा रियाज किया हो। शरूआती हिचकिचाहट और बजट की कमी के बावजूद, शांडिल्य की रिक्वेस्ट पर उस्ताद राशिद खान मान गए; उन्होंने मुंबई में रिहर्सल की और कोलकाता में इस ट्रैक को रिकॉर्ड किया। इस गाने को करीना कपूर और शाहिद कपूर पर फिल्मा गया। इसके लिरिक्स फैज अनवर ने लिखे और उस्ताद राशिद खान ने इसे आवाज दी।

दैनिक राशिफल बुधवार 21 अक्टूबर 2026

मेष – योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मङ्कषचतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा।

वृष – व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

मिथुन : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है।

कर्क – सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

सिंह– अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी।

कन्या – आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। बुरी संगति से बचे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है।

तुला – कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

वृश्चिक – नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें।

धनु – कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा।

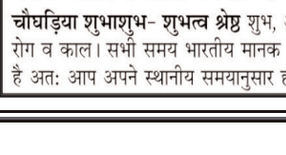
मकर – भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी।

कुंभ – जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे।

मीन – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

दैनिक पंचांग

21 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृश्चिक	08.03 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.19 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.24 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.10 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	15.43 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.14 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	18.54 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	20.52 बजे से
		कर्क	23.05 बजे से
		सिंह	01.22 बजे से
		कन्या	03.33 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2026 वर्ष का 294 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 14.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 19.48 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 00.33 बजे रात्र को समाप्त।
करण गर 14.12 बजे तदनन्तर वणिज 02.27 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 10.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 10° 37'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872869
जूलियन दिन 2461334.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल **तारीख** 09
विशेष बंगाल विजयादशमी, मैसूरु दशहरा, काशी भरत मिलाप, मध्वाचार्य जयंती, पुलिस स्मृति दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41	से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22	से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12	से 08.44	बजे तक
काल	08.15	से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44	से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19	से 11.47	बजे तक	चर	10.16	से 11.47	बजे तक
रोग	11.47	से 01.16	बजे तक	रोग	11.47	से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16	से 02.44	बजे तक	काल	01.19	से 02.51	बजे तक
चर	02.44	से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51	से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12	से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23	से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भोपा के सीकरी शरीफ दरगाह पर 57वां उर्स: सांसद पत्नी यशिका चौहान ने की ज़ियारत, क्षेत्र के विकास का दिया भरोसा

यशिका चौहान ने दिया 'सूफी परंपरा में मानवता व भाईचारे का संदेश'

मोरना (मुजफ्फरनगर)। गाँव सीकरी शरीफ स्थित प्रसिद्ध सूफी संत बाबा अब्दुल लतीफ साबरी नईमी के 57वें वार्षिक उर्स के अवसर पर धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक सौहार्द का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। उर्स के दौरान दरगाह शरीफ पहुंचीं स्थानीय सांसद की पत्नी यशिका चौहान ने प्रसिद्ध ज़ियारत के दर्शन किए और धर्मगुरुओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सूफी परंपरा हमेशा से मानवता, प्रेम और आपसी भाईचारे का संदेश देती आई है।



तीन पीढ़ियों से परिवार का दरगाह से गहरा नाता

ज़ियारत के उपरांत अपने संबोधन में यशिका चौहान ने कहा कि उनके परिवार का दरगाह शरीफ से तीन पीढ़ियों पुराना आत्मिक संबंध रहा है। सीकरी शरीफ में अध्यात्म और असीम शांति का वास है। उन्होंने स्थानीय लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सीकरी क्षेत्र में जो भी विकास कार्य अधूरे पड़े हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा।

सीकरी शरीफ को बड़े तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की मांग

दरगाह के सज्जादा नशीन बाबा हबीबुररहमान लतीफी, सज्जादा नशीन बाबा शफाअत हसनैन लतीफी तथा मौलाना उमर अब्बास लतीफ सज्जादा नशीन ने बताया कि प्रतिवर्ष लाखों अकीदतमंद दरगाह शरीफ पर आकर मन्नतें मांगते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि धर्मगुरुओं की कृपा सर्वसमाज के लिए होती है। उन्होंने मांग उठाई कि सीकरी शरीफ की विश्वव्यापी ख्याति को देखते हुए इसे एक बड़े धार्मिक व आध्यात्मिक तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किए जाने की सख्त जरूरत है।

अनेक राजनीतिक दिग्गजों और धर्मगुरुओं की मौजूदगी

आयोजन के दौरान पूर्व सांसद स-ईदुज्जमा, सलमान सईद तथा एआ-ईएमआईएम उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष नय्यर काजमी ने भी शिरकत की। वहीं, रात्रि में आयोजित ईदमिलादुन्नबी कार्यक्रम में सैयद अमीनुल कादरी, दरगाह साबिर पाक के सज्जादा नशी अली शाहमियां और दारुल उलूम बरकाते रजा कलियर शरीफ से मुस्तफा रजा ने अपने संबोधन से जायरीनों को निहाल किया।

22 अक्टूबर की रात अदा होगी कुल शरीफ की रस्म

उर्स मेले में बिजनौर, मुरादाबाद, बरेली, कलियर शरीफ, मेरठ, हरियाणा और दिल्ली समेत देश भर से भारी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे हैं। आगामी 22 अक्टूबर की रात को कुल शरीफ की रस्म अदा की जाएगी। मेले में लगे झूलों, सौंदर्य प्रसाधनों और सीकरी के मशहूर पेड़े तथा हलुआ परांठे की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। सीओ भोपा राधा रमण सिंह ने बताया कि उर्स और मेले में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मोरना, भोपा और ककरौली में रावण दहन: जय श्रीराम के नारों से गूंजा क्षेत्र, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कलाकारों ने किया राम-रावण युद्ध का जीवंत मंचन, जिला पंचायत प्रशासक ने कलाकारों को किया सम्मानित

मोरना (मुजफ्फरनगर)। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का पर्व विजयादशमी क्षेत्र में अत्यंत धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाया गया। लंका विजय के उपरांत मोरना, भोपा, ककरौली सहित आसपास के अनेक गांवों में ग्रामीणों की भारी उपस्थिति के बीच रावण के विशाल पुतलों का दहन किया गया। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाकर पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। भोपा में राम-रावण युद्ध का सुंदर अभिनय



भोपा में आयोजित भव्य दशहरा महोत्सव के दौरान रामलीला के कलाकारों द्वारा राम-रावण युद्ध का अत्यंत जीवंत और भावपूर्ण अभिनय प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। रावण के विशालकाय पुतले को जलते देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में पहुंचे जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने कलाकारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। भोपा के आयोजन को सफल बनाने में युवा रामलीला कमेटी के शुभम शर्मा, अंकित शर्मा, आशीष सैनी, योगेश सैनी, मनोज शर्मा, संजय कुमार, अनिल कांत शर्मा, दिनेश धीमान, अर्जुन कुमार और आर्यन राठी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों व समाजसेवियों की सक्रिय भूमिका रही।

मोरना के कई गांवों में हुआ पुतला दहन

उधर, मोरना में शुक्रताल मार्ग पर रावण के विशाल पुतले का दहन किया गया, जहां आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे दर्शकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इसके अलावा ग्रामीण अंचलों में भी विजयादशमी का उत्साह देखते ही बना। ग्राम खुजेड़ा, ककरौली, बेहड़ा सादात, ढांसरी और भुवापुर में भी रावण के पुतले जलाए गए।

पुलिस बल रहा तैनात

आयोजनों के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। क्षेत्राधिकारी भोपा राधा रमण सिंह, भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार और ककरौली थानाध्यक्ष विकास चौधरी पुलिस बल के साथ भ्रमणशील रहे और सभी स्थलों पर शांतिपूर्ण माहौल में दहन संपन्न कराया।

खतौली में रावण वध और पुतला दहन: श्रीराम के जयकारों से गूंजा मैदान, सुरक्षा और व्यवस्था दुरुस्त

ताराचंद शिवालय मैदान में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

खतौली (मुजफ्फरनगर)। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक दशहरा पर्व खतौली कस्बे में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके उपरांत ताराचंद शिवालय (जीटी रोड) स्थित मैदान में भगवान श्रीराम और लंकापति रावण की सेनाओं के बीच भीषण युद्ध का मनमोहक मंचन हुआ। रावण वध और पुतला दहन देखने के लिए हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा।



शोभायात्रा के साथ युद्ध मैदान पहुंचे श्रीराम और रावण

मंगलवार शाम को ठाकुरद्वारा बड़ा बाजार से श्रीरामलीला महोत्सव के तहत विशेष शोभायात्रा निकाली गई। भगवान श्रीराम और रावण अपनी-अपनी सेनाओं के साथ भव्य रथों पर सवार होकर ताराचंद शिवालय स्थित मैदान में पहुंचे। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखे संवाद और फिर भीषण युद्ध की शुरूआत हुई। कलाकारों ने युद्ध के विभिन्न प्रसंगों का इतना प्रभावशाली मंचन किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध होकर मैदान में डटे रहे।

नाभि में तीर लगते ही धराशायी हुआ रावण

युद्ध के अंतिम चरण में जैसे ही भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में अग्निबाण मारा, रावण धराशायी हो गया। रावण वध होते ही पूरा मैदान 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। इसके तुरंत बाद आतिशबाजी के बीच रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन किया गया। पुतला दहन के साथ ही मुख्य आयोजन संपन्न हुआ और लोगों ने असत्य पर सत्य की विजय का उत्सव मनाया।

सफाई व जलापूर्ति की व्यवस्था रही दुरस्त

दशहरा पर्व पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए नगर पालिका परिषद की ओर से मुस्तैदी दिखाई गई। चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू के सख्त निदेर्शों पर आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया तथा पीने के पानी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित की गई, जिससे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिली।

सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहा प्रशासन

कार्यक्रम को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसडीएम ललित कुमार मिश्रा, सीओ रुपाली रॉय चौधरी और कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद्र बघेल भारी पुलिस बल के साथ मौके पर डटे रहे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। इस अवसर पर ठाकुरद्वारा रामलीला महोत्सव कमेटी के अध्यक्ष गणेश शंकर पालीवाल, मुकेश शर्मा, बृजभूषण शर्मा, दुष्यंत अन्नू, अरुण कर्णवाल, मास्टर तेजपाल शर्मा, सतीश वर्मा, अमित त्यागी और संजय मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक व बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

खतौली में दुर्गा अष्टमी की धूम: मातृशक्ति ने किया शस्त्र पूजन, डांडिया महोत्सव पर झूमीं महिलाएं

केके पब्लिक स्कूल की बालिकाओं ने प्रस्तुत किए नवदुर्गा के मनमोहक स्वरूप

खतौली (मुजफ्फरनगर)। विश्व हिंदू परिषद की मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी (खतौली इकाई) की ओर से दुर्गा अष्टमी के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मां दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना के साथ विधिवत शस्त्र पूजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और सामूहिक 'नवदुर्गा डां-डिया महोत्सव' आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं और बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पूरे वातावरण को भक्ति और उल्लास के रंग में रंग दिया।



दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

समारोह की शुरूआत विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय टोली के मुख्य वक्ता डॉ. चंद्रमोहन शर्मा, राकेश गुप्ता, सतीश अग्रवाल, राजेंद्र वर्मा और आलोक गोयल द्वारा मां दुर्गा एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा माल्यार्पण के साथ की गई। तत्पश्चात संगीतमय गणेश वंदना और सरस्वती वंदना के साथ सांस्कृतिक संध्या का आगाज हुआ।

नवदुर्गा के स्वरूपों ने मोहा मन

केके पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने नवदुर्गा के नौ विभिन्न रूपों का जीवंत और आकर्षक मंचन किया। इसके साथ ही बालिकाओं ने देशभक्ति व धार्मिक भजनों पर मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सभागार में मौजूद महिला-पुरुषों ने तालियां बजाकर सभी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया।

शास्त्र और शस्त्र की परंपरा के साथ विधिवत पूजन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पश्चात दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति की टीम द्वारा मंत्रोच्चार के बीच पारंपरिक रूप से शस्त्र पूजन किया गया। इसके तुरंत बाद आयोजित नवदुर्गा डांडिया महोत्सव में महिलाओं ने पार पारंपरिक परिधानों में धार्मिक धुनों और भजनों पर आकर्षक डांडिया नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूनम तायल ने की तथा संयोजन व कुशल संचालन प्रतिभा गोयल एवं सोनिया नारंग ने संयुक्त रूप से किया। व्यवस्थापकों व अतिथियों की उपस्थिति

इस आयोजन को सफल बनाने में अंजली सिंह, अंजू विश्वकर्मा, सीमा गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, स्वाति गुप्ता, नीता गुप्ता, सुमन शर्मा, प्रीति गोयल, बबीता तायल, रेखा गुप्ता सहित सैकड़ों महिलाओं का सक्रिय योगदान रहा। इस अवसर पर विहिप अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता, मंत्री आतिश गुप्ता, सत्संग प्रमुख प्रदीप गुप्ता, अंकुर, विजय शंकर, सचिन, जयवंश, रामकुमार राठी, केशव अग्रवाल, विपिन, दीपक, सुरेश, राहुल, ठाकुर प्रसाद और कैलाश चंद सहित संस्था के अनेक गणमान्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खतौली में आरएसएस का मना स्थापना दिवस: शिवाजी शाखा में विजयदशमी उत्सव, राष्ट्रसेवा और सामाजिक एकता का संकल्प

संघ पदाधिकारियों और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने दर्ज कराई उपस्थिति

खतौली (मुजफ्फरनगर)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की खतौली स्थित शिवाजी शाखा, माधव बस्ती में संघ का स्थापना दिवस एवं विजयदशमी उत्सव अत्यंत श्रद्धा, अनु-शासन और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर नगर के गणमान्य संघ पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।



राष्ट्रसेवा और सामाजिक समरसता पर बल समारोह के दौरान स्वयंसेवकों ने संगठन के प्रति अपनी अटूट निष्ठा, अनु-शासन और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि विजयदशमी का पर्व अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। संघ द्वारा इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम समाज में सेवा भाव, संस्कार और राष्ट्रीय चेतना को जगाने का कार्य करते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी बढ़ाया उत्साह स्थापना दिवस और विजयदशमी के इस संयुक्त उत्सव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता मदन छाबड़ा, राकेश प्रजापति, सभासद अमित त्यागी और संजय चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में शामिल होकर संघ के ध्येय और राष्ट्र सेवा के संकल्पों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

संघ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर संघचालक चंद्रकांत, नगर कार्यवाह दीनदयाल, सह नगर कार्यवाह संजय सनातन, जिला सेवा प्रमुख विकास, अनंत, शुभम, संजय भुर्जी, संजय बागड़ी, प्रभात, आलोक तथा डी.डी. आर्य सहित भारी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बुढ़ाना में धूं-धूं कर जला रावण का पुतला: धूमधाम से मना दशहरा, भरत मिलाप का सुंदर मंचन

चांदनी वाला मंदिर परिसर में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। कस्बा एवं देहात क्षेत्रों में असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक 'विजयदशमी' पर्व पारंपरिक तौर-तरीकों व धार्मिक उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर कस्बे के विभिन्न स्थानों पर चल रही रामलीलाओं का सकुशल समापन हुआ। शाम के समय अहंकारी रावण के विशालकाय पुतले को आग के हवाले किया गया, जिसके साथ ही बुराई का अंत और धर्म की स्थापना हुई। चांदनी वाला मंदिर में उमड़ी दर्शकों की भारी भीड़



कस्बे के प्रसिद्ध चांदनी वाला मंदिर प्रांगण में सायं चार बजे से संपूर्ण रामलीला का विशेष प्रदर्शन शुरू हुआ। श्रीराम और रावण के बीच हुए युद्ध के प्रसंगों को देखने के लिए श्रद्धालुओं और खेल प्रेमियों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर के आसपास लगे मेले में महिलाओं और बच्चों ने जमकर खरीदारी की तथा भांति-भांति के झूलों का आनंद लिया।

रावण दहन के बाद लगे 'जय श्रीराम' के जयकारे

देर शाम मंचन के अंतिम चरण में जैसे ही भगवान श्रीराम के स्वरूप ने रावण पर बाण चलाया, अहंकारी रावण का पुतला धूं-धूं कर जल उठा। रावण दहन होते ही पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयघोषों से गूंज उठा। पुतला दहन के साथ ही लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया और एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई दी।

पैठ बाजार में हुआ भावुक 'भरत मिलाप' का मंचन

रावण वध के उपरांत कस्बे के पैठ बाजार में भव्य 'भरत मिलाप' का सुंदर और भावुक चित्रण किया गया। लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या लौटने पर भरत के साथ उनके मिलन के दृश्य को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। तत्पश्चात श्रीराम के राजतिलक के साथ इस वर्ष के रामलीला महोत्सव का विधिवत समापन किया गया।

समिति के सदस्य और कलाकार रहे मौजूद

समारोह के दौरान श्रीरामलीला कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य तथा रामलीला के सभी बाल व युवा कलाकार मंच पर मौजूद रहे। आयोजन समिति ने सफल मंचन और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सभी नगरवासियों व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

मीरापुर में उधार के पैसों को लेकर विवाद, जैद के साथ मारपीट तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मीरापुर। उधार के पैसों को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर मीरापुर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मीरापुर थाना क्षेत्र के थावर वाली मस्जिद के पास निवासी जीशान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके भाई जैद के मेहरबान पर भैंस खरीदने के रुपये उधार थे। जैद कई बार अपने रुपये मांग चुका था, लेकिन पैसे नहीं मिले। इसी बात को लेकर कैफ के साथ कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि 18 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे जैद ग्राम किथौड़ा से अस्पताल के पास से आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में कैफ, अलीशान और तीन अन्य लोगों ने उसे रोक लिया। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों, लात-घूंसों और धारदार हथियार से मारपीट की, जिससे जैद के सिर में चोट लग गई। पीड़ित के अनुसार, आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह के अनुसार, मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जायेगा।

मुजफ्फरनगर के पटेलनगर में रावण दहन: गूंजा 'जय श्रीराम' का गगनभेदी उद्घोष

श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति के 51वें रामलीला महोत्सव में राम-रावण युद्ध का मंचन

मुजफ्फरनगर। अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का अमर संदेश देते हुए शहर के पटेलनगर स्थित श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित 51वें श्रीरामलीला मंचन महोत्सव का भव्य समापन हुआ। रामचरितमानस में वर्णित लंकाकांड के प्रसंगों के आधार पर प्रस्तुत राम-रावण युद्ध के मंचन ने दर्शकों को उस ऐतिहासिक क्षण से जोड़ दिया, जब अहंकारी लंकापति रावण का अंत हुआ। भगवान श्रीराम के हाथों रावण वध होते ही पूरा मैदान 'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंज उठा।



रावण व कुंभकर्ण के पुतलों का दहन

मैदान पर रामा दल और रावण दल के बीच हुए भीषण युद्ध के दृश्यों ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। लीला के माध्यम से संदेश दिया गया कि अपार शक्ति और वैभव के बावजूद अहंकार का अंत विनाशकारी होता है, जबकि सत्य की ही सदैव विजय होती है। रावण वध के पश्चात अतिथियों ने भगवान श्रीराम के स्वरूप के साथ रावण और कुंभकर्ण के विशाल पुतलों का दहन किया। रावण दहन के बाद श्रीराम की भव्य विजय यात्रा निकाली गई, जिसके अयोध्या पहुंचने पर भावुक 'भरत मिलाप' का मंचन हुआ और श्रीराम के राज्याभिषेक की तैयारियां शुरू की गईं। इससे पूर्व राम-रावण युद्ध की लीला का मंचीय प्रस्तुतिकरण हुआ। व्यवस्था में जुटे रहे पदाधिकारी व कलाकार रावण दहन उत्सव में सु-रेन्द्र अग्रवाल, अमित गर्ग, विशाल गर्ग, अरविन्द भारद्वाज, राजीव गर्ग, धर्मेन्द्र पंवार नीटू आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में व्यवस्था बनाने और मंचन में मुख्य प्रबंधक अनिल ऐरन, कार्यक्रम संयोजक विकल्प जैन, जितेन्द्र कुच्छल, सुरेन्द्र मंगल, विजय मित्तल, प्रमोद गुप्ता, पंकज शर्मा, पीयूष शर्मा, नारायण ऐरन, विजय गुप्ता, मुकेश गोयल, मनीष कपूर, र-किश बंसल, जितेन्द्र नामदेव, राजेश मित्तल, भगवती, तनिष्क भारद्वाज, डीके जैन, गौरव मित्तल, अनिल लोहिया, अंशुल गुप्ता,)षभ जैन, अमर चौधरी, प्रदीप बॉबी, विपिन जैन, हरिओम मास्टर, आकाश गोयल, सोनू सिंह, विपुल मोहन, यश गर्ग, प्रियांशु, पंकज शर्मा, शिवांश ठाकुर, कृष्णा नामदेव, स्पर्श गर्ग, विवेक सिंघल सहित अन्य कलाका-रों की उपस्थिति रही।

सनातन धर्म इंटर कॉलेज में हुआ भव्य दंगल, सैकड़ों पहलवानों ने दिखाए दमदार दांवपेंच

मीरापुर। विजयदशमी के अवसर पर कस्बे के सनातन धर्म इंटर कॉलेज के मैदान में भव्य विराट दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सैकड़ों पहलवानों ने अपने शानदार दांवपेंच दिखाकर दर्शकों का मन मोह लिया। दंगल देखने के लिए आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान 51 हजार, 21 हजार और 5100 रुपये सहित विभिन्न इनामी राशि की कुश्तियां कराई गईं। 51 हजार रुपये की कुश्ती में सुमित पहलवान खड़खड़ी ने जीत हासिल की। दंगल के आयोजक अंकुर भाटी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विजयदशमी पर दंगल का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से आए पहलवानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) वंदना वर्मा, विशिष्ट अतिथि रविंद्र भाटी और थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह मौजूद रहे। इनके साथ मीडिया सेंटर मीरापुर के अध्यक्ष वासुदेव ह्मा, महासचिव आफताब आलम, कोषाध्यक्ष कोमल कुमार और जोगेंद्र चैधरी ने पहलवानों के बीच कुश्तियां छुड़वाकर उनका उत्साहवर्धन किया। दंगल में सत्यम व भोला, साहिब व अक्षत, असवद व साहिल, गुल्लू व समीर, शिवांश व यश तथा अर्णव व राजा सहित सैकड़ों पहलवानों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। महिला पहलवानों की कुश्तियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। मीरापुर की नाजिया और मुजफ्फरनगर की नगमा के बीच मुकाबले को देखने के लिए दर्शकों में विशेष उत्साह रहा। 51 हजार रुपये की इनामी कुश्ती में सुमित पहलवान खड़खड़ी और शेरा जलालाबाद के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। रोमांचक संघर्ष के बाद सुमित पहलवान खड़खड़ी ने जीत दर्ज की। इस कुश्ती को दंगल का मुख्य आकर्षण माना गया। आयोजन को सफल बनाने में सिद्धार्थ राजवंशी, अरुण शर्मा, रविंद्र कुमार, जान मोहम्मद मेवाती, कुलदीप, धर्मवीर, मनोज प्रधान, विजेंद्र कुमार, नीतू खेड़ी और नरेश पाल सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा।



गौशाला में छह गोवंश मृत मिलने पर गौसेवकों का विरोध, बड़े आंदोलन की चेतावनी

रामराज। चूहापुर गौशाला में छह गोवंश मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मंगलवार रात करीब आठ बजे राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन के पदाधिकारियों और सैकड़ों कार्यकताओं ने गौशाला पहुंचकर मामले की जानकारी ली। गोवंशों की मौत को लेकर गौसेवकों में भारी नाराजगी दिखाई दी। संगठन ने गौशाला की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए जिलाधिकारी से निरीक्षण कराने और निष्पक्ष जांच की मांग की। राष्ट्रीय हिंदू शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष युवा गौरव चैधरी के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने गौशाला कर्मचारियों से गोवंशों की मृत्यु के कारणों और देखभाल की व्यवस्था के बारे में जानकारी मांगी। संगठन का आरोप है कि कर्मचारियों की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया और जानकारी मांगने पर अभद्र व्यवहार किया गया। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। गौरव चैधरी ने आरोप लगाया कि गौशाला में पर्याप्त चारे और बीमार गोवंशों के उपचार की व्यवस्था को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि करीब तीन माह पहले भी गोवंश मृत मिलने का मामला सामने आया था। इसके बावजूद व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने का आरोप लगाया गया है। संगठन के जिलाध्यक्ष युवा अजय सिंह तोमर ने प्रशासन से गौशाला की व्यवस्थाओं की जांच कराने साफ.सफाई चारे और पशु चिकित्सा सुविधाओं की निगरानी के लिए विशेष टीम गठित करने की मांग की। संगठन ने जिलाधिकारी से स्वयं गौशाला का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेने की अपील की। मामले की गंभीरता को देखते हुए रामराज पुलिस मौके पर मौजूद रही। संगठन ने चेतावनी दी कि उचित कार्रवाई नहीं होने पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान अमित चैधरी, विजय सिंह तोमर, प्रदीप जैन सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और गौसेवक मौजूद रहे। अब गोवंशों की मृत्यु के कारणों की आधिकारिक जांच और प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार है।



नोना में विवाहिता की मौत के मामले में नया मोड़, दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज

पति समेत आठ लोगों पर मुकदमा, सास-ससुर गिरफ्तार कर भेजे जेल; पति दिल्ली में उपचाराधीन

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव नोना में विवाहिता की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। पति-पत्नी द्वारा कथित रूप से जहरीले पदार्थ का सेवन करने के बाद पत्नी की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने और उसकी हत्या करने का आरोप लगाया। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत आठ लोगों के खिलाफ दहेज हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मंगलवार, 20 अक्टूबर को पुलिस ने मामले में वांछित सास मूर्ति देवी और ससुर रतन सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं, पति दिनेश का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस के अनुसार, गांव नोना निवासी दीपा, जिसकी उम्र लगभग 28 वर्ष बताई गई है, के मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि उसे ससुराल में अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और



मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। सोमवार, 19 अक्टूबर को पति-पत्नी द्वारा कथित रूप से जहरीले पदार्थ का सेवन किए जाने की घटना सामने आई थी। हालत बिगड़ने पर दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान दीपा की मौत हो गई, जबकि दिनेश की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली रेफर किया गया। वह फिलहाल अस्पताल में भर्ती है।

भाई की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दीपा की मौत की सूचना मिलने पर मायके पक्ष में कोहराम मच गया। मृतका के भाई अमरीश पुत्र राजकुमार निवासी हुसैनपुर बोपाड़ा ने थाना मंसूरपुर पुलिस को तहरीर देकर ससुराल पक्ष के लोगों पर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने और जहरीला पदार्थ देकर दीपा की मौत का कारण बनने का आरोप लगाया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति दिनेश पुत्र रतन, सास मूर्ति देवी, ससुर रतन सिंह, जेठ मिंटू, ननद मोनिका, ननद आरती, ग्राम जंधेड़ी निवासी मुकेश तथा देवर सर्वेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 309/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 85 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में अभियोग पंजीकृत किया है।

सोन्टा रोड से सास-ससुर गिरफ्तार

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राय के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी निरीक्षक विपिन कुमार त्यागी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार को सोन्टा रोड पर होटल मिडवे के सामने से दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रतन सिंह पुत्र धूम सिंह और उसकी पत्नी मूर्ति देवी निवासी ग्राम नोना, थाना मंसूरपुर के रूप में हुई है। दोनों मृतका के सास-ससुर हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद दोनों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई और उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस कर रही मामले की जांच

विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतका के मायके पक्ष द्वारा लगाए गए दहेज उत्पीड़न और हत्या के आरोपों की जांच के साथ अन्य नामजद आरोपियों के संबंध में भी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विपिन कुमार त्यागी, उपनिरीक्षक शिखर चौधरी, कांस्टेबल मोहित यादव, विवेक कुमार, महिला कांस्टेबल मोनिका और आंचल शामिल रहीं। फिलहाल सास-ससुर की गिरफ्तारी के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। पुलिस का कहना है कि विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पति दिनेश का अस्पताल में उपचार जारी है।

खेड़ी फिरोजाबाद और जौली में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग, राज्यमंत्री दिनेश खटीक को सौंपा मांग पत्र

मंत्री ने समस्याओं को गंभीरता से सुना, शीघ्र समाधान का दिया आश्वासन

मुजफ्फरनगर। खेड़ी फिरोजाबाद एवं जौली ग्राम में बरसात के पानी की निकासी की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर राष्ट्रीय लोकदल की नेत्री सुप्रिया पाल निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में उन्होंने आज उत्तर प्रदेश सरकार के जलशक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक से भेंट कर दोनों गांवों में जल निकासी की समस्या से संबंधित मांग पत्र सौंपा और क्षेत्रवासियों को होने वाली परेशानियों से अवगत कराया।



सुप्रिया पाल ने मंत्री के समक्ष बरसात के पानी की निकासी की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए इसके स्थायी समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से ग्रामीणों को विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में समस्या का स्थायी समाधान होना बेहद जरूरी है, ताकि ग्रामीणों को भविष्य में इस परेशानी से राहत मिल सके। इस दौरान राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने प्रस्तुत मांग पत्र में उठाई गई समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। सुप्रिया पाल ने कहा कि जनहित और क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। खेड़ी फिरोजाबाद एवं जौली ग्राम में बरसात के पानी की निकासी की समस्या का स्थायी समाधान कराने के लिए उनके प्रयास लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि संबंधित स्तर पर आवश्यक कार्रवाई होने से ग्रामीणों को राहत मिलेगी।

मोरना चीनी मिल पर किसानो का प्रदर्शन: 25 अक्टूबर से पेराई की मांग, गन्ना लेकर पहुंचेंगे किसान

भाकियू की समय पर पेराई सत्र शुरू न होने पर आंदोलन की चेतावनी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल मोरना में आगामी पेराई सत्र को लेकर किसानों और मिल प्रशासन के बीच खींचतान तेज हो गई है। पेराई सत्र 25 अक्टूबर से शुरू कराने की मांग को लेकर मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकर्ताओं ने मिल प्रांगण में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए किसानों ने स्पष्ट कर दिया कि यदि मिल प्रशासन ने समय पर तैयारियां पूरी नहीं कीं, तो भी किसान 25 अक्टूबर को अपना गन्ना लेकर मिल पहुंचेंगे।

चारे और बरसीम की बुवाई का संकट

धरने को संबोधित करते हुए भाकियू के ब्लॉक अध्यक्ष अनुज राठी ने कहा कि पूर्व में मिल समिति की वार्षिक निकाय बैठक में एडीएम प्रशासन की मौजूदगी में 25 अक्टूबर से पेराई शुरू करने का निर्णय लिया गया था। वर्तमान में किसानों के सामने पशुओं के चारे की भारी समस्या खड़ी हो गई है। इसके अलावा खेतों को खाली कर बरसीम की बुवाई भी करनी है। ऐसे में यदि पेराई समय पर शुरू नहीं हुई तो किसानों को दोहरा नुकसान झेलना पड़ेगा।

ब्याज और सब्सिडी का ब्योरा दे प्रशासन

जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रधान ने न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए मांग की कि गन्ना मूल्य भुगतान में हुई देरी का ब्याज किसानों को तत्काल दिया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी मांग उठाई कि मिल प्रशासन की ओर से कीटनाशक और यूरिया



पर दी जा रही सब्सिडी का पारदर्शी विवरण सार्वजनिक किया जाए ताकि किसानों को इसका वास्तविक लाभ मिल सके।

कैन यार्ड में बुनियादी सुविधाओं की मांग

संगठन मंत्री मघिन्द्र बालियान ने मिल परिसर की अव्यवस्थाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि कैन यार्ड में किसानों के लिए स्वच्छ पेयजल की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने मिल प्रशासन से पेराई सत्र शुरू होने से पहले पीने के पानी और पूरे परिसर में साफ-सफाई का पुख्ता इंतजाम करने की मांग की।

जिलाधिकारी से वार्ता का आश्वासन

किसानों के उग्र तेवर को देखते हुए चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक वीपी पांडेय धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि वे जल्द ही जिलाधिकारी से मुलाकात कर पेराई सत्र शुरू करने की आधिकारिक तिथि निर्धारित कराने का प्रयास करेंगे। हालांकि, प्रधान प्रबंधक के आश्वासन के बावजूद भाकियू नेताओं ने अपने अल्टीमेटम को दोहराया और चेतावनी दी कि किसान 25 अक्टूबर को ही गन्ना लेकर मिल पहुंचेंगे, इसलिए प्रशासन अपनी तैयारियां पूरी रखे।

धरना स्थल पर ये रहे मौजूद

धरने की अध्यक्षता प्रकाश राठी ने की और संचालन युवा प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष राजा देशवाल ने किया। इस मौके पर भाकियू के भोकरहेड़ी नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार, मोंटी राठी, भूरा चौधरी, अजय कादीपुर, विनीत, गोल्डी राठी, श्यामवीर सिंह, अनिल, राहुल त्यागी, सुभाष अहलावत, शिव कुमार और देवीलाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिवसेना कार्यालय पर विजयादशमी के अवसर पर हुआ शस्त्र पूजन

प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी के नेतृत्व में विधि-विधान से की गई पूजा-अर्चना

मुजफ्फरनगर। विजयादशमी यानी दशहरा के पावन अवसर पर शिवसेना के प्रकाश चौक स्थित पार्टी कार्यालय पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा एवं शिवसेना भवानी सेना की महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विधि-विधान के साथ शस्त्र पूजन किया। इस दौरान भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर समाज में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई।

कार्यक्रम में प्रदेश महासचिव बिट्टू सिखेड़ा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व सत्य, धर्म और न्याय की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, बुराइयों का सामना करने तथा समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि विजयादशमी का संदेश प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए और समाजहित में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।



महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनम चौधरी ने कहा कि विजयादशमी का पर्व नारी शक्ति, साहस और आत्मसम्मान का भी प्रतीक है। महिलाओं को संगठित होकर समाज में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए पर्व को आपसी प्रेम, एकता और सद्भाव के साथ मनाने का आह्वान किया।

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में शिवसेना पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूजा-अर्चना के उपरांत सभी ने एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं तथा समाज में शांति, सद्भाव और खुशहाली बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर देवेंद्र चौहान, पूनम चौधरी, बिट्टू सिखेड़ा, पवन कुमार, नितिन चौधरी, ब्रह्मपाल, निशा वर्मा, सोनू कश्यप, दाताराम, वेद प्रकाश, संजीव वर्मा, राम शंकर यादव, राजेंद्र तायल, शशि सूजड्, प्रमोद अग्रवाल, अन्नू मलीरा, राखी पाल, सविता, रेखा पाल, सुधेश पाल, अमित कुमार, आशा पाल, अंजू, महेश, सरस्वती पाल, मोनिका प्रजापति, संध्या पाल, अंकित कुमार, अमित मित्तल, आरती शर्मा, अंजू चौधरी, संगीता और सुभाष जोगी सहित शिवसेना के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एकत्रीकरण कार्यक्रम आयोजित, राष्ट्र प्रथम का दिया संदेश

मुजफ्फरनगर में गऊशाला नयाबांस, श्रीबावन जी मंदिर और पटेलनगर में जुटे स्वयंसेवक, संघ के 100 वर्ष की यात्रा पर डाला प्रकाश

मुजफ्फरनगर। विजयदशमी के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में जनपद के गऊशाला नयाबांस, श्रीबावन जी मंदिर तथा गांधी कॉलोनी के पटेलनगर में एकत्रीकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान राष्ट्र के प्रति समर्पण, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा और समाज को संगठित करने का संदेश दिया गया। गांधी कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में विभाग संघचालक प्रमोद मुख्य वक्ता रहे, जबकि पटेलनगर में जिला कार्यवाह संजय लखान ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। श्रीबावन जी मंदिर में आयोजित एकत्रीकरण कार्यक्रम में नगर सह संघचालक जयप्रकाश मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा, समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान तथा स्वयंसेवकों की सामाजिक जिम्मेदारियों पर विस्तार



से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता जयप्रकाश ने कहा कि वर्ष 1925 में संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयदशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। इसी परंपरा के अंतर्गत संघ प्रत्येक वर्ष विजयदशमी पर देशभर में कार्यक्रमों, पथ संचलन और एकत्रीकरण के माध्यम से स्वयंसेवकों को संगठित करता है। उन्होंने संघ की शताब्दी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इन 100 वर्षों में संगठन ने समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का निरंतर प्रयास किया है।

उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे समाज के बीच रहकर सेवा, सहयोग और संगठन की भावना को मजबूत करें। प्रभु श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने सभी को साथ लेकर सत्य की विजय का मार्ग प्रशस्त किया। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक समरसता के साथ कार्य करना चाहिए।

जयप्रकाश ने युवाओं से राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय के मन में राष्ट्र प्रथम की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और परंपराओं के प्रति सजग रहना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ युवाओं में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने और समाज को संगठित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने सामाजिक समरसता पर जोर देते हुए कहा कि हिंदू समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव और छुआछूत नहीं होना चाहिए। सभी लोगों को आपसी सद्भाव के साथ मिलकर रहना चाहिए और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में कार्य करे, उसके लिए राष्ट्र का हित सबसे पहले होना चाहिए। कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रामपुरी में विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन, पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित करने और राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान

मुजफ्फरनगर। विजयदशमी पर्व के अवसर पर मंगलवार को रामपुरी स्थित लक्ष्मण बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन निकाला गया। पथ संचलन में स्वयंसेवकों ने अनुशासन, एकता और संगठन की भावना का परिचय दिया। रामपुरी की विभिन्न गलियों से निकले पथ संचलन का क्षेत्रवासियों ने अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में जिला सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख आलोक ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 1925 में संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयदशमी के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। संघ ने अपनी 100 वर्षों की यात्रा में समाज और राष्ट्र के प्रति योगदान देने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने संघ की शताब्दी यात्रा का उल्लेख करते हुए स्वयंसेवकों को समाज के बीच सक्रिय रहकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

आलोक ने कहा कि जिस प्रकार प्रभु



श्रीराम ने सामान्य जन और वन में रहने वाले लोगों को संगठित कर रावण पर विजय प्राप्त की थी, उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज को संगठित करने तथा उसकी सुप्त शक्ति को जागृत करने का कार्य करता है। समाज की सामूहिक शक्ति को राष्ट्रहित में लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करना संघ के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम ने सभी वर्गों को साथ लेकर सत्य की विजय का मार्ग प्रशस्त किया। इसी प्रकार हम सभी को समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर सामाजिक समरसता और आपसी सद्भाव के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

पथ संचलन लक्ष्मण शाखा के संघ स्थान से प्रारंभ होकर रामपुरी की विभिन्न गलियों से गुजरा। इस दौरान स्वयंसेवक अनुशासित ढंग से कदमताल करते हुए आगे बढ़े। क्षेत्रवासियों ने विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया। पूरे आयोजन में उत्साह और संगठन के प्रति समर्पण का वातावरण दिखाई दिया। कार्यक्रम में हनुमान नगर के नगर संघचालक श्रीपाल, जिला अन्य कार्य प्रमुख फूलचंद, नगर कार्यवाह संजीव, सह नगर कार्यवाह योगेश, नगर बौद्धिक प्रमुख डॉ. ललित, नगर प्रचार प्रमुख सहदेव, नगर शारीरिक शिक्षण प्रमुख गौरव, नगर सहसेवा प्रमुख नरेंद्र तथा बस्ती प्रमुख राजकुमार सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पथ संचलन का समापन भारत माता की जय के गगनभेदी उद्घोष के साथ हुआ। इसके बाद स्वयंसेवकों के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक एकता, अनुशासन, समरसता और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया गया।

डीएवी कृषक विद्यालय लखान के बरामदे का शिलान्यास, स्वामी आर्यवेश और सांसद हरेंद्र मलिक ने रखी आधारशिला

शिक्षा के साथ बच्चों को अच्छे संस्कार देना भी जरूरी: स्वामी आर्यवेश आर्य समाज के योगदान से देश में सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागरूकता बढ़ी: सांसद हरेंद्र मलिक

मुजफ्फरनगर। जनपद के डीएवी कृषक विद्यालय लखान में मंगलवार को विद्यालय के बरामदे का शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश तथा मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक ने संयुक्त रूप से शिलान्यास कर विद्यालय के विकास कार्य की आधारशिला रखी। इस अवसर पर आर्य समाज से जुड़े पदाधिकारियों, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, शिक्षकों तथा क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

समारोह को संबोधित करते हुए स्वामी आर्यवेश ने कहा कि समाज के निर्माण में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बालक का पहला शिक्षक उसकी माता, दूसरा शिक्षक पिता और तीसरा शिक्षक विद्यालय का आचार्य होता है। एक अच्छे समाज के निर्माण में इन तीनों का विशेष योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि जिसका आचरण श्रेष्ठ होता है, वही आचार्य कहलाता है। इसलिए शिक्षकों का आचरण आदर्श एवं अनुकरणीय होना चाहिए। आज के समय में बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनमें अच्छे संस्कार विकसित करना भी अत्यंत आवश्यक है। संस्कारवान बच्चे



ही आगे चलकर एक अच्छे समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय समाज निर्माण की महत्वपूर्ण इकाई है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज को सही दिशा प्रदान की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आर्य समाज का विस्तार होने से सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन और समाज में जागरूकता बढ़ाने में सहायता मिलती है, जबकि आर्य समाज का प्रचार-प्रसार कम होने से सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा मिलता है। देश को आजाद कराने में भी आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने विद्यालय के विकास के लिए अपनी ओर से हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। शिलान्यास समारोह में जिला आर्य प्रतिनिधि सभा मुजफ्फरनगर के संरक्षक शांता प्रकाश शास्त्री, मंत्री अनूप सिंह राठी आर्य एडवोकेट, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पुंडीर एडवोकेट, योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य, आर्य समाज काजी खेड़ा के प्रधान संजीव मलिक आर्य, अनिल कुमार, डीएवी कृषक विद्यालय की कार्यकारिणी के अध्यक्ष पंकज गर्ग, प्रबंधक मंजू आर्या, कोषाध्यक्ष कंवरपाल शर्मा तथा रमेश पुंडीर आर्य सहित ग्राम लखान के आर्यजन एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य, समस्त स्टाफ और विद्यालय प्रबंधन समिति का विशेष सहयोग रहा। समारोह के दौरान विद्यालय के विकास तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक संस्कार प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया गया।

खतौली में डांडिया नाइट में प्रतिभागियों ने बिखेरा जलवा: विजेताओं को मिला सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

रैंप वॉक, ग्रुप डांस और मिस डांडिया प्रतियोगिताओं से उत्सवमय हुआ माहौल

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जीटी रोड स्थित एक बैंक्वेट हॉल में 'रा वाइब मैचर्स' के तत्वावधान में भव्य 'डांडिया नाइट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने डांडिया की धुनों और मनमोहक संगीत पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में आयोजित रैंप वॉक, ग्रुप डांस और 'मिस डांडिया नाइट' प्रतियोगिताओं में युवाओं ने अपनी कला और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतिष्ठित अतिथियों और निर्णायकों की उपस्थिति

समारोह की अध्यक्षता प्रवीण ठकराल, सतीश कंसल, कमल गर्ग, दीनदयाल शर्मा और चंद्रकांत सहगल ने संयुक्त रूप से



की। प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. कविता नागर और संगीता अग्रवाल उपस्थित रहीं। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, वेशभूषा, मंच प्रस्तुति और कलात्मक कौशल के आधार पर विजेताओं का चयन किया।

रैंप वॉक, डांस प्रतियोगिता में इन्होंने मारी बाजी

प्रतियोगिता के तहत रैंप वॉक में अगम्या ने प्रथम, वामिका ने द्वितीय तथा देविका ने तृतीय स्थान हासिल किया। जबकि रैंप वॉक (द्वितीय समूह) प्रतियोगिता में प्रियांशी ने प्रथम, स्पृहा ने द्वितीय तथा वीरा राठौर ने तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अलावा डांस प्रतियोगिता में नित्या और स्पृहा की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि पवित्रा डांस स्टूडियो को द्वितीय तथा पीहू और अग्रणी की जोड़ी को तृतीय स्थान मिला।

मिस डांडिया नाइट प्रतियोगिता में सोनिया अव्वल

यहां आयोजित प्रतियोगिता के दौरान मिस डांडिया नाइट में सोनिया सिंघल ने प्रथम स्थान हासिल करके बाजी मारी। जबकि शिवानी गौतम को द्वितीय और प्रीति वर्मा को तृतीय स्थान मिला।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर विजेताओं का सम्मान

प्रतियोगिता के समापन पर अतिथियों और निर्णायकों द्वारा सभी विजेताओं को पुरस्कार व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल युवाओं को अपनी छिपी हुई प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है, बल्कि हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति और परंपराओं का संवर्धन भी होता है।

सफल आयोजन में इनका रहा विशेष योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में अश्वनी शर्मा, मीरा शर्मा, कुलदीप शर्मा, निष्ठा शर्मा, वैभव शर्मा, आकाश प्रजापति, चंद्रकांत सहगल, विकास जैन, देवेश शर्मा, मनजीत राजवंशी, वरुण सिंह बेनीवाल, वंश शर्मा, कृष्णा, सचिन, राघव जैन, अभय शर्मा, प्रगति शर्मा, वंशिका शर्मा, पुष्कर गोस्वामी, ओमप्रकाश अग्रवाल और संजय जैन का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, निर्णायकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।



दुनिया भर के नेचर पार्क में खास मेहमान सुनहरी कलगी वाला 'गोल्डन फीजेंट'

गोल्डन फीजेंट अर्थात सुनहरी तीतर, जिसे अपने शानदार रंग संयोजन और सुनहरे लाल पंखों के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। इनके शरीर पर पाई जाने वाली रंगों की विविधता के चलते इन्हें 'इंद्रधनुषी तीतर' भी कहा जाता है। इंद्रधनुषी रंगों से सजा हुआ यह पक्षी अपनी सुंदरता के चलते दुनिया भर के नेचर पार्क में खास मेहमान होता है।

चीन में माना जाता है गुडलक

चीन के पहाड़ी जंगलों के अलावा यह यूके, कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, कोलंबिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में भी पाया जाता है। चीन में इसे गुडलक पक्षी माना जाता है।

ज्यादा ऊंचा नहीं उड़ पाता

यह एक बड़ा तीतर है। जिसकी लंबाई 90 से 105 मीटर तक और वजन 500 से 800 ग्राम तक होता है। इसकी लंबी पूंछ शरीर के दो तिहाई भाग के बराबर होती है। यह अपने छोटे पंखों के कारण यह ज्यादा ऊंचाई पर उड़ तो नहीं सकता पर तेज दौड़ता जरूर है।

जामुन है मुख्य भोजन

इसका मुख्य भोजन जामुन जैसे बेरी फल हैं। तरह-तरह के बीज और पत्तियां भी खाते हैं। गकड़ी भी खा लेते हैं। अपने भोजन के लिए सुबह और शाम को निकलते हैं। आसपास के पेड़ों पर रात्रि विश्राम करते हैं।

एक बार में देते हैं 5 से 12 अंडे

अप्रैल में प्रजनन करते हैं। मादा घास के मैदान में 5 से लेकर 12 अंडे देती है और 22 से 23 दिन तक इनकी देखभाल करती है।

शिकार के चलते घट रही संख्या

जंगलों के घटने और इनके शिकार के कारण इनकी संख्या दुनिया भर में तेजी से घट रही है।









दुनिया की 5 सबसे महंगी सब्जियां
दाम सुन उड़ जाएंगे होश

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज हैं, जिन्हें अपनी अलग-अलग खासियत की वजह से पहचाना जाता है। कोई चीज अपने अंदर मौजूद गुणों की वजह से पहचानी जाती है, तो किसी की सुंदरता उसे प्रसिद्ध बनाने का काम करती हैं। बहुत सी चीज ऐसी भी हैं जो अपने महंगे और सस्ते होने की वजह से प्रसिद्ध हैं।

बाजार में आप कुछ भी लेने निकल जाएं। वह आपको महंगा और सस्ता दोनों ही तरह का मिलेगा क्योंकि हर इंसान का बजट होता है और वह उसी के मुताबिक खरीदी करता है। आपने कई सारी चीजों की खरीदी की होगी। इनका मोलभाव भी किया होगा। लेकिन क्या यह कभी सोचा है कि दुनिया की सबसे महंगी सब्जी कौन सी होगी। सब्जी हमारे दैनिक उपयोग में आने वाली सबसे जरूरी चीज है। बाजार में बहुत से बहुत 50 से 60 रूपये प्रति किलो तक कोई भी सब्जी आसानी से मिल जाती हैं। हालांकि सब्जियों की यह कीमत यही तक सीमित नहीं है। कुछ ऐसी सब्जियां मौजूद हैं जो लाखों रुपए में मिलती है।

गुच्छी मशरूम



यह बहुत ही महंगा मशरूम है और भारत में यह 30 से 50 हजार रुपए प्रति किलो तक मिलता है। यह जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके में प्राकृतिक रूप से उगता है। यहां रहने वाले लोग अपनी जान की बाजी लगाकर पहाड़ों पर चढ़ते हैं। यह दुनिया में लग्जरी फूड के नाम से प्रसिद्ध है।

मत्सुटेक मशरूम



जापान में उगने वाला यह मशरूम बहुत ही दुर्लभ है। इसकी दुर्लभता ही इसे महंगा बनाने का काम करती है। इसकी कीमत 75000 से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक रहती है। इसकी मार्केट में काफी डिमांड है।

यूरोपियन व्हाइट ट्रफल

यह एक तरह का मशरूम है जो लाखों रुपए का है। यह खुद ही पेड़ों पर उग जाता है। इसकी कीमत 5 लाख रूपये प्रति किलो तक जाती है। यह दुनिया का सबसे महंगा मशरूम माना जाता है। यह आसानी से नहीं मिलता और इसे खोजने में बहुत मशक्कत करनी पड़ती है।

हॉप शूट्स

यह घास की तरह नजर आने वाली सब्जी है। बेचैनी, तनाव और घबराहट में यह बहुत कम आती है। इसका दाम 85000 से 1 लाख रुपए प्रति किलो तक होता है। यह दुनिया की सबसे महंगी और कीमती सब्जी है।

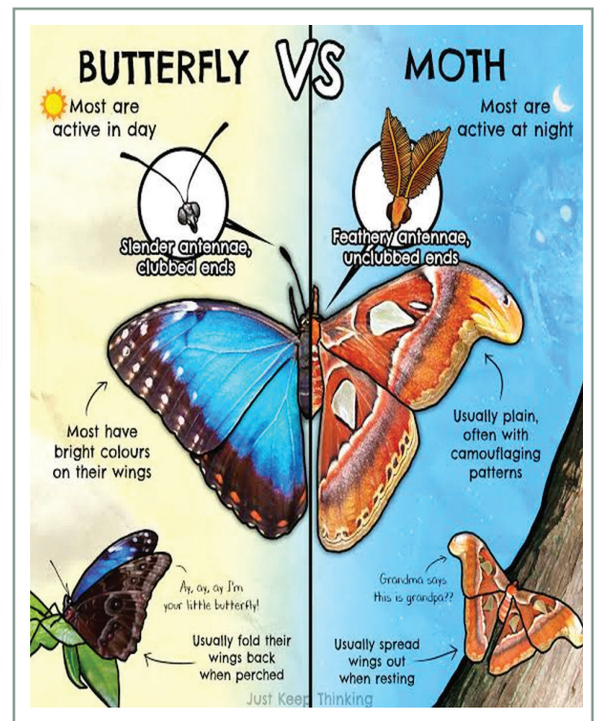




ला बोनेट आलू



आलू तो एक ऐसी सब्जी है जो हर किचन की जान होती है। इसे किसी भी दूसरी सब्जी के साथ मिक्स करके बनाया जा सकता है और इसके तरह-तरह के पकवान भी बनते हैं। यह दुनिया का सबसे महंगा और दुर्लभ आलू है। यह फ्रांस के एक द्वीप पर उगाया जाता है। साल में केवल इसका 100 टन ही उत्पादन होता है। इसकी कीमत 40000 से 80000 रुपए प्रति किलो होती है।



क्या है तितली और पतंगे के बीच का कन्फ्यूज़न

तितलियों और पतंगों में बहुत समानताएं हैं, जिसके चलते इन्हे पहचानने में लोग अक्सर धोखा खा जाते हैं। मगर, इन बातों से आप नहीं खाएंगे धोखा।

बारिश का मौसम इन जीवों के नाम है क्योंकि हरियाली और कीट-पतंगों का साथ बिलकुल क्लोज फ्रेंड्स जैसा है। आजकल तितलियां सुबह की गुनगुनी धूप में अपने पंख सेक रही हैं वहीं पतंगे चांद की रोशनी में अठखेली कर रहे हैं। लगता हैं इन जीवों ने चांद-सूरज को आपस में बांट लिया है। तुम अगर पतंगों का रूप-रंग देखोगे तो लगेगा की ये प्रकृति की पतंगें यानी काइट्स हैं जो केवल शाम के धुंधलके या रात के अंधेरे में ही उड़ते हैं। विज्ञान के मुताबिक ये दोनों जीव एक ही वर्ग लेपिडोप्टेरा में आते हैं। इसका अर्थ है वे प्राणी जिनके पंखों पर स्केल्स चिपके रहते हैं। इन्ही की बदौलत इन जीवों को रंग -बिरंगे पंख मिलते हैं। वास्तव में तो इनके पंख पारदर्शी होते हैं। अतः जहां स्केल्स लगे रहते हैं,वह हिस्सा हमें रंगीन नजर आता हैं। टसर सिल्क मॉथ के पंखों का वह भाग हमें पारदर्शी दिखाई देता हैं जहां स्केल्स नहीं होते। इसे देख ऐसा लगता हैं जैसे प्रकृति ने इन पर गोल-गोल कांच लगा दिए हों। तितलियों और पतंगों में बहुत समानताएं हैं, जिसके चलते लोग अक्सर धोखा खा जाते हैं, इन्हे पहचानने में। जैसे दोनों उड़ते हैं, दोनों के पंख रंगीन होते हैं। इनको फूलों पर मंडराते भी देखा जा सकता हैं। दोनों अंडे देते हैं और इनके लारवा पत्ती खाते हैं। कुल मिलाकर दोनों का पता-ठिकाना एक ही है। अतः इनकी चिट्ठी अक्सर गलत पते पर पहुंच जाती हैं। यानी कि कई लोग भ्रम में आकर तितली को पतंगा और पतंगे को तितली का नाम दे दिया करते हैं। परन्तु अच्छा पोस्टमैन तो वही है न जो अधूरा पता लिखा होने पर भी पत्र को सही जगह पहुंचा दे। तो यह लेख पढ़ कर तुम भी अच्छे पोस्टमैन बन सकते हो।

- जब तितली फूल या पत्ती पर बैठती हैं तब उसके पंख सीधे खड़े रहते हैं जबकि पतंगों के पंख आड़े होते हैं। ऐसा ज्यादातर प्रजातियों में होता है कुछ अपवादों को छोड़कर।
- अधिकांश तितलियां दिनचर होती हैं और पतंगे निशाचर। हांलाकि कुछ नियम भंजक यहां भी होते हैं।
- तितलियों के स्पर्शक (एंटीना) आगे से मोटे हनुमानजी के सोटे की तरह होते हैं। जबकि पतंगों के शाखित,धागेनुमा या चिड़ियों के पंख जैसे होते हैं।
- पतंगों का पेट काफी मोटा होता हैं वहीं तितलियों का पतला।
- तितलियों और पतंगों दोनों के ही जीवन चक्र में अंडा, लार्वा, प्यूपा और वयस्क चार अवस्थाएं मिलती हैं।
- तितली के प्यूपा पत्तियों या टहनी पर लगे होते हैं,जबकि पतंगों के प्यूपा एक कोकून में बंद रहते हैं जो अधिकांश सूखी पत्तियों के बीच या जमीन में ढीली -ढाली मिट्टी के अंदर दबे रहते हैं। कुछ पेड़ों की छाल पर भी चिपके पाए जाते हैं। तो ये है कहानी तितलियों और पतंगों की। जो सिल्क की साड़ी तुम्हारी मम्मी या बहन पहनती है वह सिल्क वर्म के कोकून से बनती हैं।



भविष्य में जीवन को अधिक आसान बनाएगा 15 मिनट सिटी कॉन्सेप्ट

अगर हमें घर से निकलते ही सिर्फ 15 मिनट की दूरी पर सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हो जाएं तो जीवन कितना आसान हो जाएगा। जल्दी ही ऐसा हो सकता है, क्योंकि अमेरिका सहित कई बड़े देशों के बड़े शहरों में अब '15 मिनट सिटी कॉन्सेप्ट' पर काम किया जा रहा है।

क्या है 15 मिनट सिटी का यह कॉन्सेप्ट

यह एक ऐसा डिजाइनिंग कॉन्सेप्ट है, जहां एक व्यक्ति को सभी उपयोगी चीजें और सुविधाएं वहां से 15 मिनट की पैदल दूरी के भीतर ही मिल सकें, जहां वे रहते हैं। इससे लोगों का ईंधन पर खर्च बचेगा और कम समय में उन्हें जरूरी चीजें भी मिल जाएंगी।

इन देशों में किया जा रहा काम

15 मिनट सिटी कॉन्सेप्ट पर कई देशों में काम किया जा रहा है। हाल के वर्षों में यह कॉन्सेप्ट चीन में विशेष रूप से लोकप्रिय हुआ है। इसके अलावा जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस और नीदरलैंड्स के भी कई शहरों के लिए इस योजना पर विचार किया जा रहा है।

अमेरिका: 7400 घरों के लिए बनेगी ऐसी सिटी

अमेरिका के उपनगर फीनिक्स में एक ऐसे ही कार फ्री प्रोजेक्ट 'द प्वाइंट' पर कार्य किया जा रहा है। जहां इसे बनाने का प्रस्ताव दिया गया है, वहां इस वक्त एक जेल है जिसे इस साल गर्मियों में ध्वस्त कर दिया जाएगा। इस कांसेप्ट से जुड़े विशेषज्ञ इसे 15 मिनट सिटी कॉन्सेप्ट' के लिए सबसे उपयुक्त जगह मान रहे हैं। इस सिटी में 7,400 घर शामिल होंगे और सभी की कनेक्टिविटी ऐसी होगी कि व्यक्ति 15 मिनट में ही अपनी तमाम जरूरी सुविधाएं हासिल कर सकें।

कैसे रहेगी फायदेमंद

- इस सिटी कॉन्सेप्ट में अधिकतम पैदल सफर होगा। सड़क पर कारों को अनुमति दी जाएगी, लेकिन बाइक लेन और चौड़े फुटपाथों को अधिक प्राथमिकता दी जाएगी।
- रहवासी कार फ्री लाइन पार्क के जरिए वॉक कर सकेंगे।
- आस-पड़ोस में रहने वाले लोग पास के शहरों के लिए बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के जरिए सवारी कर सकेंगे।
- मोबिलिटी हब के जरिए कार, बाइक और स्कूटर शेयरिंग में भी यूज कर सकेंगे।



महर्षि नगर रामलीला में कुंभकर्ण, मेघनाद और अहिरावण वध का मंचन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

नोएडा। नोएडा शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में आयोजित दुर्गा पूजा एवं श्रीरामलीला महोत्सव में सोमवार को रामायण के महत्वपूर्ण प्रसंगों का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस दौरान कुंभकर्ण वध, सुलोचना और मंदोदरी के बीच संवाद, मेघनाद वध तथा अहिरावण वध के प्रसंगों ने दर्शकों को रामकथा के विभिन्न भावों से रूबरू कराया। युद्ध के रोमांचक दृश्यों के साथ पारिवारिक संवेदनाओं और करुणा से जुड़े प्रसंगों ने भी दर्शकों को प्रभावित किया।

ए के लाल मीडिया प्रभारी ने बताया कि मुख्य अतिथि कैप्टन विकाश गुप्ता दर्जा प्राप्त मंत्री भाजपा, चौधरी तेज सिंह, चौधरी नवाब सिंह, श्यामू पाठक, नीतू गुप्ता, सुषमा सिंह, पूजा गुप्ता, मिनी श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह, रिंकी गुप्ता.



नोएडा,रामलीला देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों का लगातार आना-जाना लगा रहा। परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने रामकथा के प्रसंगों का आनंद लिया और धार्मिक आयोजन में सहभागिता की। मंच पर जैसे-जैसे कथा आगे बढ़ती रही, दर्शक भी उसके भावनात्मक और प्रेरणादायी प्रसंगों से जुड़ते नजर आए। रामलीला का यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों और अधर्म पर धर्म की विजय के संदेश को समझने का अवसर भी बना हुआ है।

महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, वेदपाठ, भजन-कीर्तन, प्रवचन और आरती सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सुबह के वैदिक अनुष्ठानों से लेकर शाम के भक्ति संगीत और रामलीला के मंचन तक महर्षि नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। रामलीला स्थल पर श्रद्धालुओं की निरंतर आवाजाही से आयोजन में उत्साह और रौनक बनी हुई है। लोग मां दुर्गा की आराधना करने के साथ रामकथा के माध्यम से भारतीय धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ रहे हैं।

आयोजकों के अनुसार, दुर्गा पूजा, विजयादशमी एवं श्रीरामलीला महोत्सव का उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है। रामलीला के माध्यम से नई पीढ़ी को सत्य, त्याग, सेवा, कर्तव्य, मर्यादा और पारिवारिक मूल्यों की सीख देने का प्रयास किया जा रहा है। मेघनाद वध जैसे प्रसंग यह संदेश देते हैं कि शक्ति का दुरुपयोग और अधर्म अंततः विनाश की ओर ले जाते हैं। वहीं, सुलोचना और मंदोदरी के संवाद युद्ध के बीच परिवारों की पीड़ा और मानवीय संवेदनाओं को उजागर करते हैं। ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था को मजबूत करने के साथ समाज में सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना का प्रसार भी करते हैं।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष एवं महर्षि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमान अजय प्रकाश श्रीवास्तव तथा श्री राहुल भारद्वाज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

श्री दुर्गा पूजा,विजया दशमी एवं रामलीला महोत्सव के संयोजक रामेंद्र सचान के साथ सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महर्षि नगर में आयोजित यह महोत्सव धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामुदायिक सहभागिता का सुंदर संगम बना हुआ है। रामलीला के मंचन और धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों की निरंतर भागीदारी इस बात को दर्शाती है कि रामकथा आज भी समाज को संस्कार, सद्भाव और मर्यादित जीवन की प्रेरणा दे रही है।

रावण,कुम्भकरण और मेघनाद के साथ दहन हुआ महंगाई, अतंकवाद एवं महिला उत्पीड़न का पुतला

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा रामलीला मैदान, सेक्टर-62, नोएडा में आयोजित रामलीला मंचन के दसवें दिन विजयदशमी पर्व धूमधाम से मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि गौतमबुद्धनगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ?महेश शर्मा, नोएडा के विधायक श्री पंकज सिंह एवं महामंडलेश्वर स्वामी आदियोगी पुरी जी महाराज द्वारा बाण चला कर रावण, कुम्भकरण और मेघनाद के पुतलों के साथ महंगाई, पाकिस्तान पोषित अतंकवाद और महिला उत्पीड़न के पुतलों का दहन किया गया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा सभी उपस्थितजनों व अतिथियों का स्वागत किया।समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल,कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग,कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग,सहकोषाध्यक्ष अनिल गोयल और समिति के सभी पदाधिकारियों ने पटका ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर सभी अतिथियों का सम्मान किया।

सर्वप्रथम अहिरावण श्रीराम से युद्ध करता है।रावण के कहने पर अहिरावण ने युद्ध से पहले युद्ध शिविर में उतरकर राम और लक्ष्मण का अपहरण कर लिया।वह दोनों को पाताल लोक ले गया और एक गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर रख लिया।राम और लक्ष्मण के अपहरण से वानर सेना भयभीत व शोकाकुल हो गई,लेकिन विभीषण ने यह भेद हनुमान के समक्ष प्रकट कर दिया कि कौन अपहरण करके ले जा सकता है।तब हनुमानजी वेग की गति से पाताल पुरी पहुंच गए।हनुमान जी ने अहिरावण का वध कर प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण को मुक्त कराया।मेघनाद,कुंभकरण व अहिरावण के वध के उपरांत रावण,श्रीराम से युद्ध के लिए प्रस्थान करता है।रावण सेना और राम सेना में भयंकर युद्ध होने लगता है।रावण अपनी सेना को विचलित देख धनुष उठाकर भयंकर युद्ध करता है।इसके बाद लक्ष्मण व रावण का युद्ध होता है। इसी बीच हनुमान जी रावण से युद्ध शुरू हो जाता है और हनुमान जी के एक प्रहार से रावण मूर्छित हो जाता है।रावण पुनः शक्ति प्राप्त करने के लिए यज्ञ करता है लेकिन वानर सेना उस यज्ञ का विध्वंस कर देती है।रावण व श्रीराम में भयंकर युद्ध होने लगता है।तब विभीषण रामजी को बताते हैं कि इसके नाभि कुण्ड में अमृत है तब भगवान राम रावण की नाभि में बाण मार देते हैं।श्रीराम जी के बाणों के वार से रावण के सिर व भुजाएं कट जाती है और रावण पृथ्वी पर गिर जाता है।इस तरह रावण अपने कुल सहित भगवान के परमधाम को जाता है।देवता आकाश से पुष्पों की वर्षा करते हैं।भगवान राम विभीषण का राजतिलक कर सिंहासन पर बैठाते हैं।हनुमान जी सीताजी को राम की विजय के बारे में बताते हैं।इसी के साथ दसवें दिन की लीला का समापन हुआ।सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त के बीच दशहरा पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समिति के सलाहकार मुकेश अग्रवाल,मनोज शर्मा,मुकेश गोयल,मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता,गिरिराज बहेड़िया,चक्रपाणि गोयल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल,चौधरी रविंद्र सिंह,तरुणराज,पवन गोयल,बजरंग लाल गुप्ता,एस एम गुप्ता,भानुप्रताप सिंह,नवीन पोरवाल,अनंत वर्मा,राजेश माथुर,साहिल चौधरी,दिनेश मित्तल,दयाशंकर तिवारी,बाबूराम शर्मा,मनीष चौहान,रामकुमार शर्मा,बीके राय,नरेंद्र आर्य,आरके उप्रेती,सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

दशहरे को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, रामलीला स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

गाजियाबाद। दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। जिले में अलग-अलग स्थानों पर आयोजित रामलीलाओं और रावण दहन कार्यक्रमों को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। बड़ी संख्या में लोगों के कार्यक्रमों में पहुंचने की संभावना के मद्देनजर पुलिस, यातायात पुलिस और अग्निशमन विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य है कि लोग बिना किसी परेशानी के परिवार के साथ दशहरा पर्व मना सकें और रावण दहन का आनंद ले सकें।

रामलीला स्थलों पर पुलिस बल तैनात: दशहरा पर्व के अवसर पर इंदिरापुरम समेत जिले के विभिन्न रामलीला स्थलों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रमुख आयोजन स्थलों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रामलीला और रावण दहन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और दर्शकों के पहुंचने के कारण भीड़ प्रबंधन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में पुलिसकर्मियों को सतर्क रहकर व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

यातायात व्यवस्था सुचारु रखने पर जोर: दशहरा कार्यक्रमों के दौरान सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ने और जाम की स्थिति बनने की आशंका को देखते हुए यातायात पुलिस भी मुस्तैद है। कार्यक्रम स्थलों के आसपास यातायात को सुचारु बनाए रखने और लोगों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के लिए ट्रैफिक व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है।

पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि रामलीला और रावण दहन देखने आने वाले लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो और भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न होने पाए।

महिला सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम: त्योहार के दौरान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भी विशेष व्यवस्था की गई है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा महिलाओं की सहायता के लिए महिला बूथ भी बनाए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर वे अपनी शिकायत या समस्या पुलिस तक पहुंचा सकें।

इन इंतजामों का उद्देश्य आयोजन स्थलों पर महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और किसी भी तरह की परेशानी की स्थिति में उन्हें सहायता मुहैया कराना है।

भंगेल सालारपुर व्यापार मंडल ने निकाली भव्य झांकी, किया महामाई का गुणगान





नोएडा। भंगेल सालारपुर व्यापार मंडल द्वारा रविवार को मां काली एवं हनुमान जी, राम दरबार, गणेश जी, कृष्ण गोपाल, आदि की झांकियां निकाली गई जो, की साई एनक्लेव गेजा रोड से शुरू होकर एलिवेटेड रोड के नीचे से सलारपुर चौकी से घूम कर सेक्टर 82 की मार्केट से होते हुए दोबारा साई,एनक्लेव पर समाप्त हुई। वहां पर उपस्थित नोएडा विधायक पंकज सिंह, राज्य मंत्री कैप्टन विकास गुप्ता, मनोज गुप्ता, समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, महासचिव विकास यादव, राघवेंद्र दुबे, बबलू चौहान, लखन यादव, समाजसेवी मुकेश शर्मा, अखिल अंतर्राष्ट्रीय वैश्य संगठन के अध्यक्ष विनय अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल, दनकौर के पूर्व अध्यक्ष महिपाल गर्ग, भंगेल व्यापार मंडल के अध्यक्ष मनोज गोयल, संदीप चौहान, बाबूलाल बंसल, योगेश राठी, पशुपतिनाथ उपाध्याय, आदित्य बाजपेई, मुनेश कंसल, मनोज सोनी, दिनेश सोनी, मुकुल कंसल, पंकज गुप्ता, पंकज त्यागी, बृजेश त्यागी, सुरेश त्यागी, बीजेपी और अनेकों व्यापारी उपस्थित हुए विधायक पंकज सिंह जी ने आरती कर शोभायात्रा को प्रारंभ किया।

सेक्टर-49 थाने में मॉडल मिशन शक्ति केंद्र का शुभारंभ, महिलाओं को मिलेंगी विशेष सुविधाएं

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत थाना सेक्टर-49 में मॉडल मिशन शक्ति केंद्र का शुभारंभ किया गया है, जहां महिलाओं को अब एक ही छत के नीचे कई तरह की विशेष सुविधाएं मिल सकेंगी। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा सुनिति के पर्यवेक्षण में यह नया कदम उठाया गया है। इस केंद्र का उद्घाटन अपर पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा मनीषा सिंह ने आरडब्ल्यूए सेक्टर-47 की अध्यक्ष के साथ मिलकर किया है। केंद्र को शुरू करने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को एक ही स्थान पर अपनी शिकायत दर्ज कराने से लेकर काउंसलिंग और पुनर्वास तक की सभी जरूरी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराना है।

पुलिस के अनुसार, पहले से चल रहे मिशन शक्ति केंद्र को और अधिक सुविधाजनक रूप दिया गया है, जिसमें कई नई व्यवस्थाएं जोड़ी गई हैं। इस केंद्र



में महिलाओं को शिकायत पंजीकरण के साथ-साथ काउंसलिंग, सहायता, आश्रय और पुनर्वास से जुड़ी तमाम सुविधाएं मिलेंगी। महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्र परिसर में एक फीडिंग रूम भी बनाया गया है। इसके अलावा, महिलाओं के साथ आने वाले छोटे बच्चों के लिए खिलौनों का इंतजाम भी किया गया है, ताकि केंद्र में आने वाली महिलाओं को किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े।

अपर पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा मनीषा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र में इन विशेष सुविधाओं को जोड़ने का मकसद महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, उनके सम्मान तथा उनके स्वावलंबन को बढ़ावा देना है। इन सभी नई व्यवस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को समय पर पूरा सहयोग और सहायता उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान वहां मौजूद महिलाओं और बालिकाओं को शासन की तरफ से चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जागरूक किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति अभियान के साथ-साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, वन स्टॉप सेंटर योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की तमाम योजनाओं के उद्देश्यों और उनसे मिलने वाले लाभों की पूरी जानकारी साझा की गई।

मिशन शक्ति अभियान 6.0 का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं के भीतर सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास की भावना को और ज्यादा मजबूत करना है। इसके साथ ही उन्हें उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध सहायता सेवाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना भी इस अभियान का एक बहुत बड़ा और अहम हिस्सा है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस की ओर से अलग-अलग विभागों और आम जनता के सहयोग से महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मॉडल मिशन शक्ति केंद्र को महिलाओं के लिए एक अधिक सुलभ और सुविधाजनक सहायता केंद्र के रूप में पूरी तरह विकसित किया गया है।

50 हजार के अवैध पटाखों के साथ दो गिरफ्तार

नोएडा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ अपना अभियान काफी तेज कर दिया है। इसी कड़ी में थाना दादरी पुलिस और स्वाट टीम ग्रेटर नोएडा ने संयुक्त रूप से एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने अवैध पटाखों के खिलाफ यह कदम उठाते हुए मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने पांच कार्टून पटाखे बरामद किए हैं। बरामद किए गए इन पटाखों की कुल कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है। त्योहारों के ठीक पहले सामने आई इस बड़ी कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध पटाखों के विरुद्ध पुलिस की कड़ी सख्ती के रूप में देखा जा रहा है।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने इस पूरी कार्रवाई के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि स्थानीय खुफिया सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद ली गई थी। इसी के आधार पर थाना दादरी पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई की योजना बनाई। इस दौरान पुलिस ने कस्बा दादरी से दो आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े



गए इन दोनों आरोपियों के नाम आरिस और निशांत हैं। पुलिस ने जब इनकी तलाशी ली तो इनके कब्जे से पांच कार्टून पटाखे बरामद हुए।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है। इनमें से एक आरोपी आरिस है, जो यामीन का बेटा है और उसकी उम्र करीब 19 वर्ष है। दूसरा आरोपी निशांत है, जो अर्जुन का बेटा है और उसकी उम्र करीब 23 वर्ष है। ये दोनों आरोपी गौतमपुरी के रहने वाले हैं जो कि थाना दादरी और गौतमबुद्धनगर के अंतर्गत आता है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना दादरी में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 5/9बी(1)(ख) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, जब आरोपियों से पूछताछ की गई तो एक बड़ा खुलासा सामने आया। पूछताछ में पता चला कि ये आरोपी आगामी त्योहारों के मद्देनजर पटाखों का अवैध रूप से भंडारण करने के लिए इस खेप को लेकर आए थे। अब पुलिस इस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही, पुलिस पटाखों की इस सप्लाई और भंडारण से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी पूरी जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान में विजयादशमी पर भव्य शस्त्र पूजन और हवन-यज्ञ का आयोजन

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान यानी सम्राट पृथ्वीराज चौहान भवन के परिसर में विजयादशमी के पावन अवसर पर भव्य शस्त्र पूजन एवं हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए इस कार्यक्रम के दौरान विश्व शांति, राष्ट्र की उन्नति और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस आयोजन में नोएडा के विधायक पंकज सिंह समेत विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रमुख हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और हवन में आहुतियां अर्पित कीं।

पारंपरिक गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया पर्व: संस्थान की ओर से विजयादशमी का पर्व पारंपरिक गरिमा और उल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में विधि-विधान के साथ हवन-यज्ञ की शुरुआत की गई। यज्ञ में देश की प्रगति और विश्व शांति की कामना के साथ आहुतियां दी गईं। इसके बाद भारतीय संस्कृति, परंपरा, वीरता और राष्ट्र रक्षा के प्रतीक माने जाने वाले शस्त्रों का विधिवत पूजन किया गया।

विजय का संदेश और सांस्कृतिक संरक्षण: इस अवसर पर विजयादशमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यह पर्व सत्य, धर्म और न्याय की विजय का संदेश देता है। शस्त्र पूजन वीरता, पराक्रम और राष्ट्र की रक्षा के संकल्प का प्रतीक माना जाता है। आयोजन में उपस्थित लोगों ने भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण तथा सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया।

मौजूद रहे समाज के कई गणमान्य लोग: इस कार्यक्रम में विधायक पंकज सिंह, पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह, पूर्व मंत्री मदन चौहान, भाजपा नोएडा जिलाध्यक्ष महेश चौहान, डॉ. आनंद चौहान, प्रकाश हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. वीएस चौहान, संस्थान के अध्यक्ष प्रेम चौहान, उपाध्यक्ष करतार सिंह चौहान, संरक्षक मान सिंह चौहान, एसपीएस राघव, एमपी सिंह, ठाकुर राकेश चौहान, प्रमोद राणा, सुधीर चौहान, कुलदीप परमार, ठाकुर एनपी सिंह, ठाकुर अनूप सिंह, ठाकुर नवीन राणा, ठाकुर कृपाल सिंह, ओमबीर राणा, मनोज राणा, ठाकुर संजय सिंह, रवि प्रधान, रोहताश चौहान, धर्मपाल चौहान, अंकुर चौहान मिंटू चौहान सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

वीर कुंवर सिंह शोध संस्थान पिछले कई वर्षों से विजयादशमी का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों और उत्साह के साथ मनाती आ रही है। इस वर्ष भी इस आयोजन के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति पूरा सम्मान व्यक्त किया गया।

नोएडा में 35 स्थानों पर रावण दहन और 200 से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन, सुरक्षा में तैनात रहे 2200 पुलिसकर्मी

नोएडा। दशहरा और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के मद्देनजर नोएडा में मंगलवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही है. जिले में करीब 35 स्थानों पर रावण दहन किया गया, जबकि 200 स्थानों पर स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया. इन आयोजनों के दौरान भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए 2200 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई. इस दौरान नोएडा स्टेडियम में लोगों की भारी भीड़ पहुंची. इसके अलावा जेवर, दादरी, रबूपुरा, कासना, बिलासपुर, सूरजपुर और दूसरे इलाकों में भी रावण दहन पर लोगों की भीड़ पहुंची।

अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि सभी प्रमुख आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. पुलिस ने रामलीला समितियों और दुर्गा पूजा आयोजकों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए थे. अधिकारियों का जोर भीड़ प्रबंधन, आग से सुरक्षा और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई पर अलर्ट रही.

तीनों जोन में पुलिस बल की तैनाती, आयोजकों को दिए निर्देश: जिले में 200 दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए थे, जबकि 35 स्थानों पर रामलीला का मंचन किया गया। दशहरे पर इन्हीं रामलीला स्थलों पर रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए। नोएडा जोन में 99 दुर्गा पूजा पंडाल थे और चार स्थानों पर रामलीला का मंचन किया गया था। यहां 13 जगह रावण दहन हुआ। पुलिस आयोजन स्थलों पर जुटने वाली भीड़ और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था संभालती दिखी।

अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र के अनुसार, तीनों जोन में पीएसी की तैनाती के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखे रहे।

नोएडा स्टेडियम में 80 फीट ऊंचे रावण का दहन: सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में दशहरा महोत्सव आयोजित किया गया। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया. इस बार रावण का पुतला 80 फीट, कुंभकरण का 75 फीट और मेघनाद का 65 फीट ऊंचा तैयार किया गया था। रंग-बिरंगी सजावट और बिजली की रोशनी से सजे पुतले कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहे। पुतला दहन के साथ आतिशबाजी भी हुई। इसके अलावा सेक्टर-62 और सेक्टर-46 में भी रावण दहन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में लोगों की भारी भीड़ जुटी. जिसके चलते पुलिस सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था रही।

आग से बचाव के लिए 26 गाड़ियां और 250 अग्निशमनकर्मी रहे तैनात: दुर्गा पूजा पंडालों और रावण दहन स्थलों पर आग लगने की आशंका को देखते हुए अग्निशमन विभाग अलर्ट दिखा। विभाग की 26 गाड़ियों के साथ 250 अग्निशमनकर्मी तैयार रहे। आयोजकों को पंडालों में बिजली के तारों, रोशनी और सजावट से जुड़े इंतजामों में सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी आयोजन स्थलों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया, ताकि आग लगने या किसी अन्य आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके. इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों पर नजर रखने के लिए दो टीमें बनाई गई थी। तीनों जोन के डीसीपी, एडीसीपी और अन्य अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

गजरौला में गरजे गुर्जर एकता के संदेश





नोएडा। एसएलजे डिग्री कॉलेज में मलखान सिंह द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के अभिनंदन समारोह में समाज के लोगों, प्रतिनिधियों एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वक्ताओं ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान का स्मरण करते हुए समाज की एकजुटता पर जोर दिया। साथ ही आगामी 27 अक्टूबर को दिल्ली में सरदार पटेल जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित गुर्जर स्वाभिमान रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुँचने का आह्वान किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी एवं अमरोहा सांसद कंवर सिंह तंवर उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, जयप्रकाश विकल, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुर्जर, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी एवं शशांक भाटी सहित अन्य प्रमुख लोगों ने शिरकत की। आयोजक समिति एवं समाज के लोगों ने अतिथियों को सम्मान की पगड़ी पहनाकर, पुष्पमालाओं, शॉल एवं सरदार पटेल की प्रतिमा भेंट कर भव्य स्वागत किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी डॉ. यशवीर सिंह ने की तथा संचालन यतेंद्र कटारिया ने किया।

वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में गुर्जर समाज के त्याग, संघर्ष और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज के ऐतिहासिक योगदान को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला है। उन्होंने शिक्षा एवं सामाजिक विकास में पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। विमुक्त एवं घुमंतू समुदायों से जुड़े आरक्षण और प्रतिनिधित्व के प्रश्नों पर आयोग गठित कर स्थिति स्पष्ट करने तथा पात्र समुदायों तक सुविधाओं का लाभ पहुँचाने की मांग भी उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सम्मान, अधिकारों और इन मांगों को प्रभावी ढंग से रखने के लिए दिल्ली में एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से गाँव-गाँव संपर्क कर रैली में भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सांसद कंवर सिंह तंवर ने भी अपने संबोधन में समाज की एकता पर बल देते हुए उपस्थित जनसमूह से दिल्ली पहुँचकर आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर संजय भाटी चेयरमैन, राहुल चौधरी, श्याम सिंह, धर्मवीर भाटी, देवेंद्र ठेकेदार, सुरेंद्र मास्टर जी, महिपाल सिंह, लोकेश प्रधान, चमन कसाना, आशुतोष अवाना, सतपाल तंवर, ओमवीर मुखिया, अशोक प्रमुख, ओम तट गुर्जर, जयचंद महाशय जी, रामचंद्र गुर्जर, महकर प्रधान, ओमकार प्रधान, महिपाल सिंह तंवर एवं जयपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विजयादशमी पर सेक्टर 51 में हुआ रावण दहन



नोएडा। विजयादशमी (दशहरा) के शुभ अवसर पर सेक्टर 51 नोएडा में अहंकार के अंत के प्रतीक विजयदशमी पर्व पर रावण दहन का प्रोग्राम आयोजित किया गया।

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक और अधर्म पर धर्म, की जीत के प्रतीक दशहरा त्योहार आज सेक्टर 51 नोएडा के एफ ब्लॉक में अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया।

रावण दहन के समय श्री रामचंद्र की जय के नारे चारों ओर गूंजने लगे। आरडब्ल्यूए सेक्टर 51 नोएडा महासचिव संजीव कुमार ने बताया, 'यह महोत्सव केवल एक पुतला दहन नहीं है, बल्कि हमारे भीतर के अहंकार, लोभ और सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प है।

सैलून के टेंडर को लेकर विवाद, डीजीएम से मारपीट का आरोप

नोएडा। सेक्टर-74 स्थित केपटाउन सोसाइटी में सैलून की दुकान के टेंडर को लेकर विवाद हो गया। मेंटेनेंस एजेंसी के डिप्टी जनरल मैनेजर (डीजीएम) ने दो एओए सदस्यों और एक अन्य व्यक्ति पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। डीजीएम की शिकायत पर सेक्टर-113 थाना पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, एओए सदस्यों ने आरोपों को गलत बताते हुए टेंडर प्रक्रिया में गड़बड़ी का विरोध करने की बात कही है। मेंटेनेंस एजेंसी में डीजीएम के पद पर तैनात दानिश पी. चौधरी ने पुलिस को शिकायत दी कि 11 अक्तूबर को सोसाइटी के क्लब परिसर में सैलून की दुकान के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही थी।

इस दौरान एओए अध्यक्ष और सचिव भी मौजूद थे। आरोप है कि एओए सदस्य नीरज शर्मा, राजीव रंजन और एक अज्ञात व्यक्ति वहां पहुंचे और उनके साथ अभद्रता करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। एओए अध्यक्ष और सचिव ने बीच-बचाव कराया तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। डीजीएम ने आरोप लगाया कि एओए सदस्य नीरज शर्मा और राजीव रंजन उन पर वेंडरों से रुपये एकत्र कर उन्हें देने का दबाव बनाते हैं। ऐसा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। वहीं, नीरज शर्मा और राजीव रंजन का कहना है कि सोसाइटी में एओए चुनाव नजदीक हैं। ऐसे में दूसरे पक्ष के कहने पर उन पर रुपये लेने के आरोप लगाए जा रहे हैं। उनका दावा है कि वे टेंडर प्रक्रिया देखने गए थे। वहां प्रक्रिया गलत तरीके से चलती देखकर विरोध किया तो डीजीएम ने अभद्रता की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हिस्ट्रीशीटर से गांजे की खेप बरामद

नोएडा। सेक्टर-126 थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में हिस्ट्रीशीटर मोहित अवाना को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से पांच किलो 150 ग्राम गांजा और 700 रुपये बरामद किए। पुलिस के मुताबिक आरोपी दिल्ली से गांजा लाकर नोएडा में बेचता था। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में हत्या, लूट, चोरी, अपहरण और गैंगस्टर एक्ट समेत गंभीर धाराओं में 30 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को साईं मंदिर जाने वाले कट के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान असगरपुर गांव निवासी मोहित अवाना के रूप में हुई है। 30 वर्षीय मोहित सेक्टर-126 थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली से अलग-अलग लोगों से गांजा खरीदकर लाता था। इसके बाद नोएडा में आने-जाने वाले लोगों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले मजदूरों को गांजा बेचता था। वह गांजे को छोटे और बड़े पैकेटों में बांटकर



बेचता था। इससे होने वाली कमाई से वह अपना खर्च चलाता था।

हत्या समेत गंभीर मामलों में नाम: आरोपी के खिलाफ वर्ष 2015 से आपराधिक मामले दर्ज होने शुरू हुए थे। उसके खिलाफ छिनैती, लूट, चोरी, हत्या के प्रयास, अपहरण, अवैध हथियार रखने, नशीले पदार्थों की तस्करी और गैंगस्टर एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। वर्ष 2024 में भी उसके खिलाफ हत्या से संबंधित मामला दर्ज हुआ था। इसके अलावा वर्ष 2026 में आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस हिस्ट्रीशीटर के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बिल्डर और खनन माफिया पर जमीन कब्जाने का आरोप लगाया

ग्रेटर नोएडा। जेवर में यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-22डी में मंगलवार सुबह 11 बजे से सैकड़ों किसान भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के पदाधिकारियों के साथ मंगलवार को धरने पर बैठ गए। किसानों का आरोप है कि एक बिल्डर और कुछ खनन माफियाओं ने उनकी जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। मामले में किसानों ने जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और पुलिस के आला अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

चपरगढ़ गांव के रहने वाले पीड़ित किसान जगदीश, सतवीर, तेजवीर, बिंदर, राजू, देवेंद्र, कपिल, अरुण, हैप्पी, अंकित, अमित और सुमित ने बताया कि उनकी जमीन का अभी तक प्राधिकरण ने अधिग्रहण नहीं किया है। इसके बावजूद एक बिल्डर पिछले करीब 10 साल से उनकी जमीन पर जबरन कब्जा किए हुए है।

किसानों के मुताबिक, मंगलवार को बिल्डर ने जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कराया तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर काम रुकवा दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि कुछ खनन माफिया भी उनकी जमीन से बालू और रेत का अवैध खनन कर रहे हैं। इस संबंध में कई बार संबंधित विभागों के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद सुनवाई नहीं होने से उन्हें धरने पर बैठने को मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक उनकी जमीन से जुड़े विवाद का समाधान और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

सड़क हादसे में फैक्ट्री कर्मी की मौत

नोएडा। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के सड़क हादसे में फैक्ट्रीकर्मी की मौत हो गई। सेक्टर-59 स्थित मामूरा कट पर सड़क पार करते समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान कानपुर के नवाबगंज स्थित फैलू कुम्हार का हाता निवासी योगेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह नोएडा के मामूरा में किराये के कमरे में रहते थे और सेक्टर-62 स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करते थे। मंगलवार तड़के वह फैक्ट्री से अपने कमरे पर लौट रहे थे। इसी दौरान मामूरा कट पर सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। परिजन शव लेकर अपने गांव चले गए हैं। उन्होंने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस शिकायत के आधार पर चालक की पहचान करने और उसकी तलाश में जुटी है।

अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-126 थाना पुलिस ने सेक्टर-94 में रायपुर जाने वाले रास्ते से हरियाणा की अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान असगरपुर निवासी 28 वर्षीय मस्तकीम उर्फ मुन्ना के रूप में हुई। उसके कब्जे से 57 पव्वे देसी शराब और 110 रुपये बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक आरोपी हरियाणा के फरीदाबाद से शराब खरीदकर नोएडा में राहगीरों, मजदूरों और रेहड़ी-पटरी वालों को महंगे दाम पर बेचता था। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

ग्रेनो में सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को विदा किया

नोएडा। शहर के विभिन्न स्थानों पर मंगलवार को मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने के बाद उन्हें विदा किया गया। इससे पहले सिंदूर खेला की रस्म निभाई गई। गौर सिटी का दादा-दादी और लेक व्यू पार्क में महिलाओं ने सिंदूर खेला के बाद माता को विदाई दी गई। भक्ति भाव में डूबे श्रद्धालु नाचते-गाते मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन करने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा बनाए गए वैकल्पिक तालाबों तक पहुंचे। विसर्जन के दौरान श्रद्धालु की आंखें नम हो गईं। लोगों ने मां से अगली साल फिर आने के लिए कहा।दादा-दादी पार्क में बंगाली कल्चरल एसोसिएशन द्वारा दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया गया।

राज सेन ने बताया कि सुबह सभी लोग 11:00 बजे पंडाल में एकत्रित हुए। जहां पर महिलाओं ने बंगाली परंपरा के अनुसार सिंदूर खेला की रस्म निभाई। माता की आरती और भोग लगाने के पश्चात ढोल नगाड़ों के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया।

दीवाली तक सात बिजली उपकेंद्र शुरू हो जाएंगे

नोएडा। बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति के लिए शहर में दीवाली तक सात उपकेंद्र शुरू किए जाएंगे। इससे जुड़े काम अंतिम चरण में है। अभी ट्रांसफार्मर लगाने और अर्थिंग का काम हो रहा है। इससे क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से राहत मिलेगी। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता तकनीकी विवेक कुमार पटेल ने बताया कि एनएसईजेड, सेक्टर-80 सी ब्लॉक, सेक्टर-132, सेक्टर-8, सेक्टर-65 और सेक्टर-94 में 33/11 केवी के बिजली उपकेंद्र बनाए जा रहे। इन उपकेंद्र के आसपास के लगभग 30 सेक्टरों में उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति मिलेगी। सभी उपकेंद्रों पर दस-दस एमवीए के दो-दो ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे।

उन्होंने बताया कि इन सात बिजली उपकेंद्रों के शुरू होने से आसपास के अन्य उपकेंद्रों का भार भी कम हो जाएगा। इससे बिजली उपकेंद्रों पर ट्रांसफार्मर फुंकने की संभावना भी कम हो जाएगी।अधीक्षण अभियंता ने बताया कि इन सात बिजली उपकेंद्रों के शुरू होने के बाद अन्य 12 बिजली उपकेंद्रों को भी मार्च 2027 तक शुरू करने का लक्ष्य रखा है। बिजली ढांचे की क्षमता बढ़ाने का काम लगातार जारी है।

नवरात्रि पर रजत विहार में हुआ 'सिंदूर' गरबा-डांडिया और दुर्गा पूजन का आयोजन

नोएडा। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर शक्ति, भक्ति और धर्म की प्रतीक माँ दुर्गा के नौ रूपों की आराधना एवं नारी शक्ति के सम्मान हेतु रजत विहार, सी-ब्लॉक में 19 अक्टूबर 2026 को यूनाइटेड रजत विहार के महिला मंडल द्वारा भव्य गरबा-डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रजत विहार की मातृशक्ति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का नाम 'सिंदूर' रखा गया है। कार्यक्रम में दुर्गा माता पूजन, आरती और गरबा-डांडिया का आयोजन हुआ।



यूनाइटेड रजत विहार परिवार के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में भक्ति, एकता और नारी शक्ति के सम्मान की भावना को जागृत करना है। विश्व हिंदू परिषद के जिला सह मंत्री राजीव शर्मा ने मातृशक्ति को नमन करते हुए इस भव्य कार्यक्रम की प्रशंसा की और कहा कि माँ ने हमेशा अपने भक्तों की राक्षसों और दुष्टों से रक्षा की है और आज भी मातृशक्ति रक्षक के रूप में है।

शीतल भाटी, ममता गौड़, इति पुरवार, उर्मिला बिष्ट, मोनिका शर्मा, रोली शर्मा, नेहा कुमार, अदिति सिंह, साधना अवस्थी, शशि शर्मा, सुषमा नागपाल, नीलम सिंह, कृतिका चौधरी, पूजा पांडे, मधु सिंह इत्यादि अन्य महिलाओं ने कार्यक्रम में प्रमुखता से भाग लिया, साथ ही कार्यक्रम में राजीव शर्मा, दिनेश सिंह, सुब्रत मोहाकुद, जितेन्द्र अवस्थी, राकेश दीक्षित, नवनीत पुरवार, के. यस.अनिल, शक्ती सिंह, महेन्द्र ध्यानी, रोहित शर्मा, पकंज कसाना, ओ.पी. अग्रवाल, महेश सिंह, नवीन चन्दर आदि ने सहभाग किया।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में आज से नहीं होगी गंगाजल की सप्लाई

नोएडा। गंगनहर की वार्षिक सफाई के चलते 21 अक्टूबर यानी आज से गाजियाबाद के रास्ते नोएडा पहुंचने वाली गंगाजल आपूर्ति करीब 7 नवंबर तक बंद रहेगी। इससे नोएडा के साथ ग्रेटर नोएडा ईस्ट में भी पेयजल किल्लत बढ़ने की आशंका है ऊपरी गंगनहर की सफाई के कारण ग्रेटर नोएडा ईस्ट में करीब 15 दिनों तक जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है और दीपावली तक व्यवस्था सामान्य होने पर भी संशय है।

संभावित कमी से निपटने के लिए नोएडा प्राधिकरण अगले 12 दिनों में नलकूपों की मरम्मत कराएगा और रेनीवेल दुरुस्त करेगा, ताकि जरूरत पड़ने पर उनसे पानी की आपूर्ति बढ़ाई जा सके। माना जा रहा है कि मंगलवार देर गंगाजल की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी. नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, आगामी 12 दिनों में नलकूपों की मरम्मत पूरी कर ली जाएगी। रेनीवेल को भी दुरुस्त किया जाएगा, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे अधिक पानी की आपूर्ति की जा सके। गंगाजल की सप्लाई बंद रहने के दौरान इन वैकल्पिक व्यवस्थाओं के माध्यम से शहरवासियों को पेयजल उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

कुछ दिन दिक्कत हो सकती है: नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग के महाप्रबंधक आरपी सिंह के मुताबिक, नलकूपों और रेनीवेल को उनकी पूरी क्षमता से संचालित किया जाएगा. फिर भी कुछ क्षेत्रों में पानी की किल्लत हो सकती है। ऐसे इलाकों में आवश्यकतानुसार टैंकरों के जरिए जलापूर्ति की जाएगी।

7 नवंबर की रात हरिद्वार से पानी छोड़ा जाएगा: गाजियाबाद गंगाजल प्लांट प्रभारी ब्रह्मानंद ने बताया कि 21 अक्तूबर की आधी रात को पानी बंद कर दिया जाएगा। सात नवंबर की आधी रात के बाद गंगनहर में हरिद्वार से पानी छोड़ा जाएगा।

कोर्ट में पलट गई पीड़िता, छेड़छाड़ और पॉक्सो केस में आरोपी बरी

नोएडा। सत्र अदालत ने गवाहों के पलटने से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के मामले में एनजीओ संचालक आरोपी को बरी कर दिया। सेक्टर-31 नोएडा निवासी आरोपी पर छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा चल रहा था।

अभियोजन के मुताबिक सेक्टर-20 थाने में 26 मार्च 2023 को मुकदमा दर्ज हुआ था। तहरीर में आरोप था कि 13 मार्च 2023 को आरोपी ने पीड़िता को अपने कार्यालय बुलाकर अभद्र व्यवहार किया और अश्लील हरकतें की। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभियोजन ने तीन गवाह पेश किए। पीड़िता ने बयान में कहा कि जिस एनजीओ में वह काम करती थी। उसके संचालक आरोपी कार्यालय के काम को लेकर डांटते थे। यह बात उसने मां को बताई तो मां ने थाने जाकर रिपोर्ट लिखवा दी। उसने कहा कि आरोपी ने कभी उसके साथ छेड़छाड़ या अभद्रता नहीं की। धारा-164 के तहत दर्ज बयान के बारे में उसने बताया कि वह साथ गई महिला पुलिसकर्मी के प्रभाव में दिया गया था।

वहीं पीड़िता के पिता ने बताया कि आरोपी एक संस्था चलाता है। जहां गरीब छात्रों को पढ़ाया जाता है और पीड़िता भी वहां पढ़ाती थी। दोनों के बीच कहासुनी हुई थी, लेकिन आरोपी ने कोई गलत काम नहीं किया। वहीं अदालत ने पाया पीड़िता घटना के समय 18 वर्ष से अधिक आयु की थी। इस कारण अदालत ने आरोपी को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

नवरात्रि के पावन अवसर पर अरावली अपार्टमेंट में माता की चौकी का आयोजन

नोएडा। सेक्टर-34 स्थित बी-3 अरावली अपार्टमेंट में नवरात्रि के उपलक्ष्य में 'माता की चौकी' का भव्य और भक्तिमय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अरावली अपार्टमेंट धार्मिक समिति एवं रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। अपार्टमेंट के सेंट्रल पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में सोसाइटी के बुजुर्गों, महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत निवासियों द्वारा माता के दरबार में ज्योति प्रज्वलित कर की गई।

इस अवसर पर शिवम शर्मा एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत माता की पूजा, चौकी और भजनों ने उपस्थित भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंडली द्वारा प्रस्तुत की गई मनमोहक झांकियों और देशभक्ति व भक्ति से सराबोर भजनों



पर महिला श्रद्धालु जमकर थिरकीं। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती और भोग के बाद विशाल भंडारे (प्रसाद वितरण) के साथ हुआ।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि इस तरह के धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप सिंह कृपाशंकर,अजय रस्तोगी अविनाश कुमार, ए. के. श्रीवास्तव, संजय आचार्य, नीरज शर्मा, आर. पी. वर्मा, अजय श्रीवास्तव, के. के. गुप्ता, संतराज सिंह, जितेंद्र कुमार मुनीश बाबू, सुरेश बने, दुर्गाचंद पातीय और राजेंद्र घोचायत सहित सोसायटी के अनेक गणमान्य निवासियों का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के पीरागढ़ी में बहुमंजिला इमारत की फैक्ट्रियों में लगी आग, पांच घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्वालापुरी क्षेत्र में पीरागढ़ी चौक के पास मंगलवार सुबह एक बहुमंजिला इमारत में चल रही फैक्ट्रियों में आग लग गई। दमकल विभाग को सुबह 5:40 बजे सूचना मिली। बेसमेंट में रबर मैट, भूतल पर हेलमेट और पहली व दूसरी मंजिल पर जूते व शॉल बनाने वाली फैक्ट्रियों में आग फैली थी। दमकल की आठ गाड़ियों, एक ब्रीदिंग फायर टेंडर और दो क्विक रिस्पांस वाहनों की मदद से सुबह 10:30 बजे आग पर काबू पाया गया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इसके बाद इमारत में कूलिंग की प्रक्रिया जारी रही।

दिल्ली श्रमिक स्वास्थ्य योजना से प्राइवेट कंपनियां बाहर



नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व के गड़बड़ी के अनुभवों को देखते हुए दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की निर्माण श्रमिक स्वास्थ्य योजना में अब केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) ही पात्र होंगे। पीएसयू ही आवेदन कर सकेंगे।

बोर्ड ने कार्यान्वयन एजेंसी के चयन संबंधी निविदा पर स्पष्टीकरण जारी किया है। एजेंसी के पास स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निर्धारित अनुभव होना अनिवार्य है। निजी कंपनियों के साथ गठबंधन कर संयुक्त रूप से आवेदन करने की अनुमति नहीं होगी। एजेंसी को पात्रता की सभी शर्तें स्वयं पूरी करनी होंगी। निविदा की प्रमुख शर्त यह है कि योजना लागू करने वाली एजेंसी सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होनी चाहिए। उसके पास स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निर्धारित अनुभव होना भी जरूरी है। निजी कंपनियों के साथ मिलकर संयुक्त समूह बनाकर निविदा में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई है। इस शर्त के कारण निजी कंपनियां स्वतंत्र रूप से या किसी सरकारी उपक्रम के साथ समूह बनाकर इस कार्य के लिए पात्र नहीं होंगी। निविदा में दूसरी महत्वपूर्ण शर्त जुर्माने से संबंधित है। एक ही चूक के लिए सेवा-स्तर संबंधी शर्तों और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नियमों के तहत दोहरा जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। हालांकि, अलग-अलग मानकों के उल्लंघन पर अलग कार्रवाई हो सकेगी। एक ही चूक दोनों प्रविधानों के दायरे में आने पर अधिक जुर्माना लागू होगा। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को प्राथमिकता देने के पीछे संभावित उद्देश्य एजेंसी की जवाबदेही, वित्तीय क्षमता और बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन का अनुभव सुनिश्चित करना हो सकता है। हालांकि, बोर्ड ने निजी कंपनियों को अपात्र रखने के पीछे कोई विशेष कारण बताया है या नहीं, इसकी पुष्टि उपलब्ध स्पष्टीकरण से नहीं होती। इसलिए इसे किसी निजी कंपनी की पिछली गड़बड़ी का परिणाम मानना उचित नहीं होगा। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के अनुसार 6.96 लाख पंजीकृत श्रमिकों का दावा किया, लेकिन केवल 1.98 लाख श्रमिकों का पूरा आंकड़ा उपलब्ध कराया। इनमें भी 1.19 लाख लाभार्थियों के साथ 2.38 लाख तस्वीरें जुड़ी मिलीं।

अब मशीनों का इंतजार खत्म', बिजली के तारों पर लटक रही टहनियों की अब होगी छंटाई

गाजियाबाद, एजेंसी। बिजली लाइनों के ऊपर झूलती पेड़ों की टहनियों की छंटाई के लिए अब विद्युत निगम को नगर निगम की मशीन का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

इसके लिए विद्युत निगम अपने स्तर पर मशीन खरीदेगा। आगामी बिजनेस प्लान के तहत उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को प्रस्ताव भेजा गया है। योजना के तहत जिले के तीनों जोन में एक-एक मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक मशीन की कीमत 50 लाख रुपये से अधिक होने का अनुमान है। जिले में बिजली व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के लिए विद्युत निगम समय-समय पर अनुरक्षण और मेंटेनेंस कार्य करता है। इस दौरान बिजली लाइनों के ऊपर से गुजरने वाली पेड़ों की शाखाओं की छंटाई करना जरूरी होता है। टहनियां तारों से टकराने पर फॉल्ट और बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा रहता है।

कैंसर की 137 दवाओं की कम होगी कीमत, लेकिन क्या अस्पताल के बिल में दिखेगा फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कैंसर के इलाज को सस्ता बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने 137 कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम खुदरा मूल्य के 30 प्रतिशत तक सीमित करने का फैसला किया है।

17 अक्टूबर को जारी सरकारी अधिसूचना के बाद ये संशोधित कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि इसका असली फायदा मरीजों को तभी मिलेगा जब इसे ठीक से लागू किया जाए और इसकी निगरानी की जाए, ताकि उनके मेडिकल बिल सच में कम हो सकें।

अस्पताल के अन्य खर्च बढ़ने की आशंका: इस फैसले से अस्पतालों को सप्लाई की जाने वाली दवाओं की कीमत और उनके स्त्रक्क के बीच का अंतर कम हो सकता है। लेकिन, स्वास्थ्य सेवा की कुल लागत पर इसका असर सीमित हो सकता है, क्योंकि अस्पताल अपने कम हुए मार्जिन की भरपाई करने के लिए अन्य चीजों जैसे कि



इस्तेमाल होने वाले सामान, जांच या प्रक्रियाओं के दाम बढ़ा सकते हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य और उद्योग विशेषज्ञों ने जानकारी देते हुए बताया कि 2017 में जब कार्डियक स्टेंट की कीमतें सीमित की गई थीं, तब भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला था उस समय कई निजी अस्पतालों ने एंजियोप्लास्टी पैकेज के दाम बढ़ा दिए थे।

9 नवंबर से लागू होंगी कीमतें

कैंसर की दवाएं चाहे वे ब्रांडेड हों या जेनेरिक और चाहे घरेलू कंपनियों की हों या स्त्रहृह्य की 9 नवंबर से नई कीमतों पर उपलब्ध होंगी। जीवन रक्षक इंजेक्शन वाली इन दवाओं की एक बड़ी आपूर्ति सीधे अस्पतालों को जाती है इसलिए इस आदेश के तहत अस्पताल ही यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मरीजों से नई कीमतें ही ली जाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि सभी मेडिकल उत्पादों के मार्जिन को तर्कसंगत बनाने की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि सभी मेडिकल बिलों को काफी हद तक कम करने के लिए सभी मेडिकल उत्पादों के मार्जिन को तर्कसंगत बनाने और अस्पतालों द्वारा लिए जाने वाले शुल्कों की कड़ी निगरानी करने की आवश्यकता है।

महंगी कैंसर दवाओं के घटेंगे दाम

इस फैसले से उन महंगी कैंसर दवाओं की कीमतों में गिरावट आएगी, जिनका स्त्रक्क प्रति पैक या शीशी 5 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। जिनमें प्रमुख दवाइयां पर्टुजुमैब और ट्रैस्टुजुमैब का कॉम्बिनेशन, एटेजोलिजुमैब, टेक्लिस्टमैब, इनोटुजुमैब ओजोगैमिसिन, डारातुमुमैब हैं।

शेयर बाजार पर असर

17 अक्टूबर को सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद सोमवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर प्रमुख अस्पताल कंपनियों के शेयर में गिरावट दर्ज की गई।

सौरव दास और आशुतोष रांका को राहत नहीं, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच करेगी 'ट्रेसपासिंग' केस की जांच



नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका पर दर्ज 'ट्रेसपास मामला' को दिल्ली पुलिस के क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया है। यह मामला जंतर-मंतर पर बिना अनुमति के प्रवेश करने से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस का आरोप है कि दोनों नेताओं ने बंद गेट को फांदकर परिसर में प्रवेश किया। जंतर-मंतर को पहले ही विरोध-प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों की लिस्ट से हटा दिया गया था। सीजेपी के दोनों नेताओं के लिए आज यह दूसरा झटका है।

दो दिनों की बढ़ी न्यायिक हिरासत

सौरव दास और रांका को आज विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने दो और दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीजेपी के चीफ अभिजीत दीपके और उनकी पार्टी के अन्य लोगों द्वारा लगातार यह आरोप लगाया गया कि दोनों नेताओं की रिहाई को रोकने के लिए जानबूझकर जमानत प्रक्रिया देर की गई।

सबसे पहले सौरव दास और आशुतोष रांका को पाबंदियों के उल्लंघन के आरोप में पांच दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। जिसके बाद आज दो दिनों के लिए और न्यायिक हिरासत बढ़ा दी गई।

200 रुपये की पुड़िया और 6 महीने की जांच, दिल्ली पुलिस ने ऐसे किया बरेली से जुड़े स्मैक सिंडिकेट का भंडाफोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी की गलियों में बिकने वाली स्मैक की पुड़िया का सिरा बरेली और फरीदाबाद तक जुड़ा मिला। ओखला औद्योगिक क्षेत्र में अप्रैल में दो पेडलरों की गिरफ्तारी से शुरू हुई जांच में दिल्ली पुलिस ने करीब छह महीने तक पूछताछ और सुरागों के आधार पर एक-एक कड़ी जोड़ी।

स्थानीय पेडलरों से शुरू हुई पड़ताल पहले महिला तस्कर तक पहुंची, फिर फरीदाबाद में बैठे बड़े भंडारणकर्ता और बरेली से होने वाली आपूर्ति की कड़ी सामने आई। इस तरह पुलिस ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश तक फैले स्मैक तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया।

जांच में चौंकाने वाले खुलासे

ओखला औद्योगिक क्षेत्र थाना में 27 अप्रैल को दर्ज मामले की जांच के दौरान पुलिस ने सबसे पहले अब्दुल्ला और करण को स्मैक के साथ दबोचा। इनसे मिली कड़ियों के आधार पर पुलिस ने किरण, नीरज और अशोक को गिरफ्तार कर स्मैक बरामद की।

जांच में सामने आया कि गिरोह का मुख्य सरगना गोपी सिंह बरेली से भारी मात्रा में स्मैक खरीदता था और फिर उसे दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में अपने एजेंटों के माध्यम से तस्करी करता था।



दो बार बच निकली महिला तस्कर

दिल्ली पुलिस ने दो बार नाकाम होने के बाद गुप्त रणनीति बनाकर महिला ड्रग तस्कर मनिया को विक्की और गुड्डू सहित गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 32 ग्राम स्मैक बरामद हुई। मनिया आटो से आकर 200 से 500 में स्मैक की पुड़िया बेचती थी। पूछताछ के बाद पुलिस ने फरीदाबाद में छापा मारकर मुख्य तस्कर सुनीत उर्फ नन्हे को 39 ग्राम स्मैक के साथ दबोचा। जांच में सुनीत के साले और मुख्य सरगना गोपी सिंह की संलिप्तता की बात सामने आयी। गिरोह फरीदाबाद से स्कूटी के जरिए रोजाना 200 पुड़िया स्मैक ओखला लाता था, जिसे महिला तस्कर 200 से 500 रुपये में दिल्ली में बेचती थी।

30 की उम्र तक ऐसे करें हड्डियों की देखभाल, बुढ़ापे में नहीं सताएगा ऑस्टियोपोरोसिस



नई दिल्ली, एजेंसी। हड्डियों की मजबूती की चिंता अक्सर तब होती है, जब वे कमजोर होने लगती हैं या फिर मामूली चोट और गिरने भर से फ्रैक्चर हो जाता है। आस्टियोपोरोसिस में हड्डियां धीरे-धीरे कमजोर और खोखली होने लगती हैं, आरंभिक अवस्था में इसके लक्षण स्पष्ट नहीं होते।

विशेषज्ञों का परामर्श है कि हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए बचपन और किशोरावस्था से ही सही खानपान व सक्रिय जीवनशैली अपनाना आवश्यक है, तभी हड्डिया उम्र भर मजबूत से आपका साथ देती रहेंगी। पर, इसके लिए केवल दूध पीना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कैल्शियम के साथ प्रोटीन और विटामिन डी भी आवश्यक हैं।

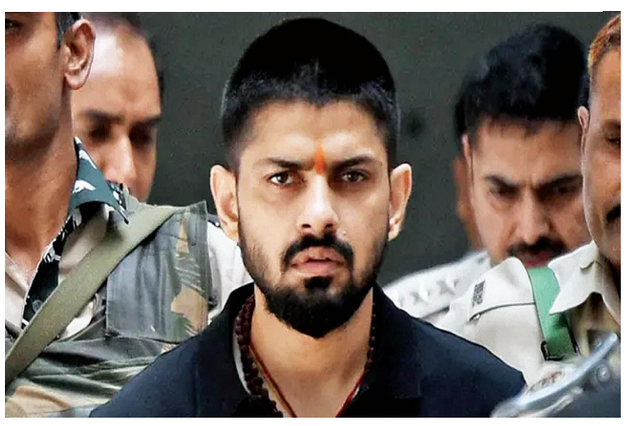
30 की उम्र तक हड्डियों की मजबूती पर दें ध्यान: बचपन और किशोरावस्था में हड्डियों का तेजी से विकास होता है। युवावस्था में हड्डियां अपनी अधिकतम मजबूती हासिल करती हैं। 30 वर्ष की उम्र तक हड्डियों के विकास और मजबूती पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। यह हड्डियों का बेहतर विकास भविष्य में आस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करने में मदद करता है।

थाली में शामिल करें कैल्शियम और प्रोटीन: दूध, दही, पनीर, रागी, दालें और हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम के अच्छे स्रोत हैं। दाल, दूध-दही, पनीर और सोया जैसे खाद्य पदार्थों से पर्याप्त प्रोटीन भी मिलता है। विटामिन डी शरीर को कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है। इसके लिए उचित धूप और संतुलित खानपान पर ध्यान देना चाहिए।

गलत दिनचर्या से कमजोर होती हैं हड्डियां: लंबे समय तक बैठे रहना, शारीरिक गतिविधियों की कमी, अत्यधिक डाइटिंग और धूम्रपान हड्डियों की सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। नियमित पैदल चलना, सीढ़ियां चढ़ना हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है।'हड्डियों की मजबूती की नींव बचपन में ही पड़ती है। पर्याप्त कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी के साथ नियमित शारीरिक गतिविधियां जरूरी हैं। इससे आस्टियोपोरोसिस का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है।' 'दूध कैल्शियम का अच्छा स्रोत है, लेकिन हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए सिर्फ इसी पर निर्भर रहना सही नहीं है। संतुलित आहार, पर्याप्त प्रोटीन, विटामिन डी और नियमित व्यायाम भी जरूरी हैं।'

सलाखों के पीछे सरगना लॉरेंस बिश्नोई तो कौन चला रहा गैंग... 5 हैंडलर ने संभाल रखी 'शैडो कैबिनेट'

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ पर जानलेवा हमले कोशिश के मामले में एक बार फिर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया है। ऐसे में एक सवाल उठ रहा है कि इस गिरोह का कुख्यात सरगना लॉरेंस बिश्नोई जब गुजरात की साबरमती जेल की एक हाई-सिक्योरिटी सेल में बंद है तो असल में इस नेटवर्क को कौन चला रहा है सूत्रों के हवाले से बताया गया कि लॉरेंस के खास सहयोगियों की एक 'शैडो कैबिनेट' (गुप्त कैबिनेट) चल रही है, जो विदेशों में सुरक्षित ठिकानों से बैठकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने ऑपरेशंस को अंजाम देती है।



शैडो कैबिनेट में कौन-कौन

इस गिरोह में टाइसन बिश्नोई, अनिल पंडित, हरि बॉक्सर, हरमन संधू और हिमांशु सोनीपत शामिल हैं। ये लोग नए लोगों को भर्ती करने, उन्हें काम सौंपने और लॉजिस्टिक्स का इंतजाम करने का काम करते हैं और आपस में स्क्रीनशॉट भी साझा करते हैं। आरजू बिश्नोई, शुभम लोनकर और रणदीप मलिक का एक अलग गिरोह है जो योजना बनाने, फंडिंग जुटाने और टारगेट चुनने का काम संभालता है। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों भी इसका हिस्सा था, लेकिन एफबीआई के ऑपरेशन हार्डबॉल शुरू करने के बाद वह अंडरग्राउंड हो गया।

कैसे दिया जाता है निर्देश

अमेरिका, कनाडा और यूरोप के कुछ हिस्सों से काम करते हुए इनका कमांड स्ट्रक्चर डिजिटल डराने-धमकाने और जमीनी स्तर पर वारदातों को अंजाम देने की निगरानी करता है। ये लोग सिग्नल, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए स्थानीय गुर्गों को निर्देश देते हैं।

सूत्रों के अनुसार, गिरोह के मुख्य सरगना रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ का अभी भी पूरा नियंत्रण है। उन्होंने जांचकर्ताओं को गुमराह करने के लिए लॉरेंस से अलग होने का झूठा दिखावा किया है। एक जांचकर्ता ने बताया, 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित ठिकानों से काम करने वाले ये बड़े मास्टरमाइंड, नेटवर्क के निचले स्तर के गुर्गों को रणनीतिक दिशा-निर्देश, आर्थिक मदद और सीमा पार से सुरक्षा मुहैया कराते हैं।'

माउथपीस है अनिल पंडित: मुख्य सार्वजनिक प्रवक्ता अनिल पंडित है। वह सोशल मीडिया पर गैंग के घोषणापत्र और जबरन वसूली की धमकियां पोस्ट करता है। पानीपत का रहने वाला यह व्यक्ति सिद्धू मूसेवाला की हत्या के एक साल बाद कनाडा के रास्ते अमेरिका चला गया था। हाल ही में हिमांशु ने सोनीपत में हरियाणवी गायक दिलेर खड़किया की रेंज रोवर पर की गई गोलीबारी और 20 अगस्त को हिसार कोर्ट परिसर के बाहर विरोधी गैंगस्टर विनोद काना की हत्या की जिम्मेदारी ली है। जहां टाइसन सार्वजनिक हस्तियों को ऑनलाइन धमकियां देता है, वहीं हरि जमीनी स्तर पर जबरन वसूली का काम संभालता है और हरमन स्थानीय गुर्गों के जरिए विदेशों से लॉजिस्टिक्स का समन्वय करता है।

दिल्ली पुलिस के सिपाही ने ही रची वसूली की पूरी साजिश

घड़ी के व्यापारी को अगवा कर मांगे डेढ़ लाख; गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में कानून लागू कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले दिल्ली पुलिस के एक सिपाही पर ही कानून का डर दिखाकर वसूली करने का आरोप लगा है।

उत्तरी जिले के साइबर थाने में तैनात कॉन्स्टेबल मोइन अली ने अपने एक साथी के साथ मिलकर जामा मस्जिद इलाके में घड़ियां बेचने वाले रवि का अपहरण कर लिया और उससे करीब डेढ़ लाख रुपये वसूलने की कोशिश की।

रुपये लेने के लिए बार-बार लोकेशन बदले जाने पर पीड़ित के दोस्त को शक हुआ, जिसके बाद उसने पुलिस को सूचना दे दी।

आधार पर वसूली की योजना बनाई गई: कोतवाली थाना पुलिस ने मामले में सिपाही और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी



के बाद सिपाही को निलंबित कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मोइन अली वर्ष 2024 बैच का सिपाही है और मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना का रहने वाला है।

उसके गांव में रहने वाले दोस्त अख्तर ने उसे रवि के बारे में जानकारी दी थी। अख्तर ने बताया था कि रवि जामा मस्जिद इलाके में घूम-घूमकर अवैध तरीके से घड़ियां बेचता है।

उसने मोइन को यह भी बताया कि कानून का डर दिखाने पर रवि आसानी से रुपये दे सकता है। इसी जानकारी के आधार पर वसूली की योजना बनाई गई।

सुबह साढ़े पांच बजे गाड़ी में बैठाया: आरोप है कि रविवार सुबह करीब 5:30 बजे मोइन ने जामा मस्जिद के गेट के पास से रवि को गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद उसे गाड़ी में घुमाते हुए कानून का डर दिखाया गया और करीब डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई। रुपये जुटाने के लिए रवि ने अपने दोस्त से संपर्क किया। आरोप है कि रकम लेने के लिए बार-बार जगह बदले जाने से दोस्त को संदेह हुआ। उसने मामले की जानकारी पुलिस को दे दी।

तकनीकी जांच से खुला मामला: अपहरण की सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस ने जांच शुरू की। तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस आरोपित सिपाही तक पहुंची और रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसकी निशानदेही पर उसके साथी को भी पकड़ लिया गया। पुलिस मामले में दोनों आरोपितों की भूमिका की जांच कर रही है।

जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर जांच के दौरान भागा युवक, अंडरगारमेंट में छिपाया था 155 ग्राम पाउडर; सीआईएसएफ जवान ने दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर एक बैग में संदिग्ध वस्तु लेकर पहुंचा। जांच के दौरान उसने भागने की कोशिश की, लेकिर वहां तैनात सीआईएसएफ के जवान ने तेजी भागकर उसे मेट्रो स्टेशन के गेट से पकड़ लिया। उसके बैग से करीब 155 ग्राम संदिग्ध पाउडर बरामद हुआ। युवक ने पाउडर को बैग में रखे अंडरगारमेंट के अंदर छिपा रखा था।

मुजफ्फरनगर का रहने वाला है संदिग्ध: सीआईएसएफ के जवानों ने तलाशी के दौरान उसे पकड़ा और दिल्ली पुलिस को सौंप दिया। बाद में जांच में स्पष्ट हुआ कि बरामद पाउडर कोई मादक पदार्थ नहीं है। हालांकि, युवक इसके मालिकाना हक से संबंधित दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ दिल्ली पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की। पकड़े गए युवक की पहचान मोहम्मद शोएब के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। उसने मलेशिया के कुआलालंपुर में भी अपना पता बताया है। पुलिस के मुताबिक, घटना सोमवार को जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन के स्टेशन कंट्रोलर से सीआईएसएफ द्वारा एक युवक को पकड़े जाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे एएसआइ मसूम रजा को सीआईएसएफ जवानों ने युवक और उससे बरामद संदिग्ध पाउडर के बारे में जानकारी दी। सीआईएसएफ जवानों ने बताया कि बैग की जांच के दौरान संदिग्ध पदार्थ दिखाई दिया था।

संक्षिप्त समाचार

क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का बैन

पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने ट्रेनिंग कैंप छोड़ने पर ₹255 जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर 30 दिन का बैन लगाया है। उन पर करीब 27,154 रुपए (₹255) का जुर्माना भी लगाया गया है। फेडरेशन ने यह कार्रवाई पुर्तगाल के ट्रेनिंग कैंप से जाने के मामले में की। रोनाल्डो ने हालिया इंटरनेशनल ब्रेक के दौरान कैंप छोड़ा था। यह फैसला 30 सितंबर से लागू माना गया है। इसलिए रोनाल्डो 14 नवंबर को पुर्तगाल के अगले इंटरनेशनल मैच से वापसी



कर सकेंगे। 41 साल के फॉरवर्ड के खिलाफ फेडरेशन ने औपचारिक कार्रवाई शुरू की थी। वह टीम के कप्तान भी हैं।

कोच पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया था

सितंबर के आखिर में नॉर्वे के खिलाफ पुर्तगाल की 2-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो बेंच पर बैठे रहे थे। इसके बाद उनकी कोच जॉर्ज जीसस से कहासुनी हुई थी। रोनाल्डो का दावा था कि जीसस ने उन्हें पहले करीब 30 मिनट खिलाने का भरोसा दिया था। मैच के दौरान जीसस ने उन्हें वॉर्म-अप करने को कहा, लेकिन मैदान पर नहीं उतारा। रोनाल्डो इस फैसले से नाराज थे। उन्हें लगा कि कोच ने उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया। रोनाल्डो ने यह भी आरोप लगाया था कि जीसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थिति पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने का दूसरा वादा किया था। बाद में ऐसा नहीं हुआ।

डेनमार्क मैच से पहले कैंप छोड़ा था

तनाव बढ़ने के बाद अल-नसर के कप्तान ने डेनमार्क के खिलाफ मैच से पहले पुर्तगाल का ट्रेनिंग कैंप छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से सार्वजनिक रूप से लंबी माफी मांगी। उन्होंने माना कि राष्ट्रीय टीम छोड़ने पर उन्हें सजा मिलनी चाहिए। अल-नस्र के फॉरवर्ड ने उचित सजा देने की मांग भी की। उन्होंने कहा कि रोल मॉडल होने के कारण उनके काम की सख्ती से जांच जरूरी है। जीसस के फैसलों की आलोचना के बावजूद पुर्तगाल के कप्तान ने कहा कि वह अपने फैसले के नतीजे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

थ्10 अक्टूबर को शुरू हुई थी कार्रवाई- 10 अक्टूबर को पुर्तगाली फुटबॉल फेडरेशन ने बताया था कि उसने रोनाल्डो के खिलाफ औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। अंतिम फैसले तक रोनाल्डो पर बैन लगने की संभावना बनी हुई थी। अब फेडरेशन ने 30 दिन का बैन और ₹255 का जुर्माना लगाया है। इस वजह से वह 14 नवंबर को वापसी कर सकेंगे। उस दिन पुर्तगाल का अगला इंटरनेशनल मैच तय है।

पैरा एशियन गेम्स में भारत को पांचवां गोल्ड

दीप्ति ने 400द्ब दौड़ में रिकॉर्ड के साथ सोना जीता, आज 3 सिल्वर, 8 ब्रॉन्ज भी मिले



नई दिल्ली। भारतीय एथलीट दीप्ति जीवनजी ने मंगलवार को पैरा एशियन गेम्स में गोल्ड जीता। उन्होंने 400 मीटर ञ्र20 दौड़ की विमेंस कैटेगरी में यह मेडल अपने नाम किया। दीप्ति ने 56.36 सेकेंड का समय निकालकर नया गेम्स रिकॉर्ड भी बनाया। यह नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में भारत का पांचवां गोल्ड है। भारत ने अब तक कुल 23 मेडल जीत लिए हैं। इनमें से 4 गोल्ड एथलीट्स ने दिलाए। एक गोल्ड शूटिंग में आया। आज भारत ने 1 गोल्ड, 3 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज सहित कुल 12 मेडल जीते।

- **दीप्ति ने लगातार दूसरी बार सोना जीता-** दीप्ति ने लगातार दूसरी बार इस इवेंट का गोल्ड जीता है। उन्होंने 2022 में 56.59 सेकेंड का समय लिया था। इस बार उन्होंने अपने समय में 0.23 सेकेंड का सुधार किया। जापान की नीना कानो ने सिल्वर और अकारी काटो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 23 साल की दीप्ति तेलंगाना की रहने वाली हैं। वे 2 बार पैरा वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुकी हैं। उन्होंने 2024 में गोल्ड मेडल जीता था। वह इसी स्पर्धा में पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडल भी जीत चुकी हैं। ञ्र20 कैटेगरी के खिलाड़ियों को जानकारी समझने, ध्यान लगाने और रेस की योजना बनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- **प्रदीप को सिल्वर, आयुष ने जीता ब्रॉन्ज-** पुरुषों के जैवलिन थ्रो ञ्र53/54 इवेंट में भारत ने दो मेडल जीते। प्रदीप कुमार ने लगातार दूसरी बार सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 34 कटेगरी में 37.45 मी. के पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। आयुष वर्मा ने 17.88



मनीष नरवाल ने 10 मीटर पिस्टल स॥1 में सिल्वर जीता

भारतीय शूटर मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स॥1 कैटेगरी का सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने 8 खिलाड़ियों के फाइनल में 233.7 अंक बनाए। मनीष ने 2028 लॉस एंजिलिस पैरालिंपिक्स का कोटा भी हासिल किया। उनसे पहले मोना अग्रवाल और अवनी लेखरा कोटा दिला चुकी हैं। साउथ कोरिया के जो जोंगडू ने 241.3 अंक के साथ एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल जीता। चीन के यांग चाओ ने 213.6 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

पैरा पावरलिफ्टिंग में अशोक ने सिल्वर जीता

पैरा पावरलिफ्टिंग में अशोक ने पुरुषों के 65 किग्रा तक वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 192 किग्रा वजन उठाया। चीन के झोउ यी ने 216 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड जीता, जबकि भारत के मार्गोनो 177 किग्रा वजन के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहे। चीन के एक अन्य खिलाड़ी झोउ शिवेई ने 210 किग्रा वजन उठाने का प्रयास किया, लेकिन तीनों कोशिशों में असफल रहे। अगर वे एक बार भी सफल होते, तो अशोक दूसरे स्थान से खिसक सकते थे। तीनों प्रयास विफल रहने के कारण झोउ शिवेई का स्कोर दर्ज नहीं हुआ।

टेबल टेनिस में 4 ब्रॉन्ज मेडल आए

भारतीय पैडर्स ने पैरा टेबल टेनिस में चार ब्रॉन्ज जीते। रवि बेबी साहना और प्राची पांडे एशियन पैरा गेम्स की स्टैंडिंग कैटेगरी में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी बने। भाविना पटेल और सोनलबेन पटेल ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीते।



सृष्टि अरोड़ा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया। भारत की सृष्टि अरोड़ा ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में अपने पदार्पण पर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच 1 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। मंगलवार को हुए फाइनल में उन्होंने 214.7 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय शूटर ने ईरान की फैजेह अहमदी (जिन्होंने 237.3 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता) और उन्हीं की हमवतन सारेह जवानमर्दी (जिन्होंने 237.0 अंकों के साथ सिल्वर मेडल जीता) के बाद पोडियम पर अपनी जगह बनाई। शीर्ष दो स्थानों के लिए हुए कड़े मुकाबले में ईरानी निशानेबाज, भारतीय खिलाड़ी से आगे रहीं।

इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पैरा शूटिंग के क्षेत्र में भारत के पदकों की संख्या में सृष्टि अरोड़ा के इस पदक से और इजाफा हुआ है। फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सुमेधा पाठक 111.4 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहीं। एशियन पैरा गेम्स 2026 में शूटिंग में भारत के लिए यह चौथा मेडल है। इससे पहले मंगलवार को, मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच 1 स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता और लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 के लिए अपना कोटा पक्का किया। सोमवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 स्पर्धा में मोना अग्रवाल पहले और अवनि लेखरा दूसरे स्थान पर रहीं। एसएच 1 वर्गीकरण में ऐसे एथलीट शामिल होते हैं जिनके ऊपरी या निचले अंगों में कुछ शारीरिक अक्षमताएं होती हैं, लेकिन वह अपनी बंदूक को स्वतंत्र रूप से संभाल सकते हैं और उन्हें बंदूक का वजन उठाने के लिए किसी शूटिंग स्टैंड की आवश्यकता नहीं होती है। मोना ने 250 का स्कोर बनाकर एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड कायम किया और गोल्ड मेडल जीता, जबकि अवनि ने 249.6 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। फाइनल में एक समय पांचवें स्थान पर खिसकने के बाद मोना ने शानदार वापसी की और पोडियम तक पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने अन्य खिलाड़ियों की चुनौती को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। मोना और अवनि के पीछे, साउथ कोरिया की युनरी ली ने 227.9 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना ने अपनी ही देश की अवनि का 249.6 का 'एशियाड पैरा गेम्स' रिकॉर्ड तोड़ा।

चोट के कारण निंगबो ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी इगा स्वियातेक

नई दिल्ली। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने निंगबो ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीए फाइनल्स में पहुंचने की रेस से भी बाहर हो गई हैं। स्वियातेक ने यह फैसला अपनी जांघ की चोट के कारण लिया है। उन्हें यह चोट वुहान ओपन के सेमीफाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी माजा चवालिनस्का के खिलाफ खेलते समय



लगी थी। इस फैसले के साथ ही पोलैंड की इस खिलाड़ी के लिए डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाएं खत्म हो गई हैं। अब उनके पास साल के अंत में होने वाले इस टूर्नामेंट में खेलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह एक वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर इसमें शामिल हों। 2023 की डब्ल्यूटीए फाइनल्स विजेता स्वियातेक, फिलहाल साल के अंत में होने वाले टूर्नामेंट की रेस में 9वें स्थान पर हैं। क्वालीफिकेशन के लिए अब केवल एक ही जगह बची है। स्वियातेक के साथ इस जगह के लिए चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा भी रेस में थीं, जो फिलहाल सातवें स्थान पर हैं।

बेबी सहाना रवि ने पैरा टेबल टेनिस क्लास 9 में जीता ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल

भाविना पटेल हारीं सेमीफाइनल मुकाबला

नागोया। भारत की बेबी सहाना रवि ने पैरा टेबल टेनिस महिला सिंगल्स क्लास 9 इवेंट में ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। एशियन पैरा गेम्स में 'स्टैंडिंग कैटेगरी' (खड़े होकर खेलने वाली श्रेणी) में भारत का यह पहला मेडल है। महिला सिंगल्स क्लास 9 के सेमीफाइनल में उन्हें चीन की माओ जिंगडियन के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। तमिलनाडु के होसुर की रहने वाली सहाना ने 2014 में जब वह 5वीं कक्षा में थीं, तो उन्होंने टेबल टेनिस खेलना शुरू किया। 2015 में वह 'कोरोनेशन क्लब' से जुड़ीं, जहां उनके पहले कोच राज अरविंदन अलगार ने खेल के प्रति उनके जुनून को निखारा। 9वीं कक्षा के बाद उन्होंने रेगुलर स्कूल जाना छोड़ दिया और 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग' (एनआईओएस) के जरिए अपनी पढ़ाई जारी रखी, साथ ही वे रोजाना 6-8 घंटे ट्रेनिंग करती रहीं। सहाना ने बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में अपना सीनियर मल्टी-स्पोर्ट डेब्यू किया और हांगझोऊ में हुए एशियन पैरा गेम्स 2022 में 5वें स्थान पर रहीं। सितंबर 2022 में वह चेन्नई के एसडीएटी-एकेजी टेबल टेनिस डेवलपमेंट सेंटर चली गई, जहां वह कोच मुरलीधर राव (जो अचंता शरत कमल के पूर्व कोच भी रहे हैं) की देखरेख में ट्रेनिंग लेती हैं।



जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए...

शेफाली वर्मा को दंडित किया गया



नई दिल्ली। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को रविवार, 18 अक्टूबर को रायपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है और एक अंक काटा गया है। 22 वर्षीय शेफाली को जिम्बाब्वे की पारी के दौरान कैच छूटने पर निराशा में गेंद जमीन पर फेंकने के लिए दंडित किया गया। यह घटना 12वें ओवर में घटी जब श्री चरानी की गेंदबाजी पर शफाली ने मिड-ऑफ पर चिपो मुगेरी-तिरिपानो का कैच छोड़ दिया। शफाली की प्रतिक्रिया को आईसीसी आचार संहिता के स्तर 1 का उल्लंघन माना गया, विशेष रूप से अनुच्छेद 2.2 का, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, वस्त्र या मैदान के उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित है।

शेफाली ने बल्ले से शानदार वापसी की

अनुशासनहीनता के बावजूद, शेफाली ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बल्ले से यादगार प्रदर्शन किया और भारत को एक मैच शेष रहते तीन मैचों की श्रृंखला जीतने में मदद की। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने श्रृंखला के पहले मैच में संघर्ष किया था और जिम्बाब्वे के स्पिनर न्याशा ग्वांजुरा ने भारतीय शीर्ष क्रम को परेशान करते हुए मेजबान टीम को 19/4 पर समेट दिया था, जिसके चलते वह सिर्फ चार रन ही बना पाई थीं। दूसरे मैच में शेफाली ने जोरदार जवाब देते हुए मात्र 25 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए। उनकी आक्रामक पारी में चौकों और छक्कों की भरमार थी, जिससे जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर प्रहार हुआ। उन्होंने कप्तान स्मृति मंधाना के साथ मिलकर, जिन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 47 रन बनाए, मैच जिताने वाली 96 रनों की सलामी साझेदारी भी की।

अटल की शतकीय पारी, राशिद का चला जादू



अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 158 रनों से रौंदा

अबू धाबी। अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज के दूसरे मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को 158 रनों से रौंदा। अफगानिस्तान से मिले 295 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम सिर्फ 136 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बेन करन बिना खाता खोले फजलहक फारूकी का शिकार बने। इसके बाद ताफदजवा त्सिगा भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए। ब्रेंडन टेलर अनलकी रहे और सिर्फ एक रन बनाकर रनआउट हुए। ब्रायन बेनेट 40 गेंदों में 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। कप्तान सिकंदर रजा अच्छी लय में दिखाई दिए, लेकिन वह बढ़िया शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 48 रन बनाकर आउट हुए। रयान बर्ल 63 गेंदों का सामना करने के बाद 31 रन बनाकर आउट हुए, जबकि वेस्ली माधेवेरे 5 रन ही बना सके। ब्रैड इवांस 14 रन बनाकर मोहम्मद नबी की गेंद पर इब्राहिम जादरान को कैच देकर पवेलियन लौटे। जिम्बाब्वे के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके और पूरी टीम सिर्फ 136 रन बनाकर ढेर हुई। अफगानिस्तान की तरफ से राशिद खान ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 8 ओवर में 17 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, फजलहक फारूकी ने 15 रन देकर 2 विकेट लिए। इससे पहले, अफगानिस्तान की पूरी टीम 294 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टीम को रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। गुरबाज 25 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने दूसरे विकेट के लिए 140 रन जोड़े। जादरान शतक से चूक गए और 96 गेंदों में 90 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अटल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। उन्होंने 110 गेंदों का सामना करते हुए 102 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में अटल ने 8 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान रहमत शाह सिर्फ 7 रन ही बना सके।